CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

सिलाई-कढ़ाई शिक्षा

श्रीमती सुभाषिनी देवी

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

सिलाई-कटाई-शिक्षा

(संशोधित एवं परिवर्धित)

लेखिका—
श्रीमती सुभाषिनी देवी

प्राप्तिस्थान—
बम्बई बुक डिपो
१६५।१, हरिसन रोड,
कलकत्ता—७

षष्ठम संस्करण] संवत् २००७ वि० [मूल्य २)

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

प्रकाशक—
कल्याणदास एण्ड ब्रादर्स
बड़े महाराजका मन्दिर,
बनारस सिटी १

शिक्षाप्रद उत्तमोत्तम पुस्तकें

आत्म-हितैषी वेन	।।=)
जीवन-मुक्ति	१)
आत्म ज्ञान	।-)
मोक्ष मार्ग	।।।)
श्यामसरोज माला	१।)
ज्ञान गुदरी	।।।)

प्राप्तिस्थान—
बम्बई बुक डिपो
कलकत्ता

मुद्रक—
उमादत्त शर्मा
रत्नाकर प्रेस
११ ए, सैयद साली लेन,
कलकत्ता

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

विषय-सूची

विषय			पृष्ठ संख्या
नाप शिक्षा	...	...	१
कुर्त्ता (पंजाबी)	...	...	८
कलीदार कुर्त्ता	...	...	१८
फतुहा	...	...	२१
कमीज़	...	...	२७
मिलीटरी कमीज़	...	...	२६
पैन्ट	...	...	३८
कोरपुलेन्ट पैन्ट	...	...	४५
राइडिंग ब्रिचेज़	...	...	४७
हाफ़ पन्ट	...	...	५२
अमेरिकन प्लासफोर	...	...	५३
ड्रेसिंग पैन्ट	...	...	५५
वेस्टकोट ब्रेष्ट	...	...	५५
डवल वेस्टकोट	...	...	६१
डिनर वेस्टकाट	...	...	६४
कोट	...	...	६५
ओपेन ब्रेष्ट कोट	...	...	६७
आस्तीन	...	...	७४
केप कालर कोट	...	...	८०
सेमी करपुलेन्ट कोट	...	...	८४
कोरपुलेन्ट कोट	...	...	८६
डबल वेस्ट कोट	...	...	८८
ब्लेजर कोट	...	...	६०

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

विषय	पृष्ठ संख्या
गल्फ कोट (नया स्टाइल)	९०
गल्फ कोट (पुराना स्टाइल)	९२
पार्सी कोट	९६
ड्रेस कोट	९८
मार्निंग कोट	१०२
चपकन	१०२
चोंगा	१०८
शेरवानी	११०
चेष्टर फिल्ड	११३
ओभर कोट	११७
बच्चोंका कोट	११९
पायजमा	१२२
बच्चोंकी बाडी	१२४
इजार	१२६
सेलर शूट	१२६
मेकिया फ्राक	१२९
बच्चोंका हाफ पैन्ट	१३३
बच्चोंका हाफ निकर	१३५
चाँद लगा समीज	१३७
जाकीट समीज	१३९
ब्लाउज	१४३
जाकेट	१४६
जम्फर	१४७
फैशनेबुल बुश शर्ट	१५१

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

सिलाई कटाई शिक्षा

नाप शिक्षा (measurement)

पोशाक तयारी करनेकी शिक्षा प्राप्त करनेमें कटिंग और सिलाई (Cutting and Tailoring) यही दो विद्या अच्छी तरह जानना होगा। इन दोनोंको एक साथ न सीखने पर अच्छा दर्जीका काम नहीं कर सकता। कटिंग शिक्षा आरम्भ करनेके समय पहले नाप लेकर तब सीखोगे। नाप किस तरहसे लिया जायगा और कौन नाप शरीरमें किस जगहसे किस जगह तक लेना होगा, उसे नीचे लिखते हैं, उसे अच्छी तरह सीख लो।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

मान लो तुम्हें कोई एक लड़केके शरीरसे नाप लेकर सीखना होगा। सबसे पहले लड़केका पीछा भागमें फीता लेकर शरीरको देखकर नाप लेना आरम्भ करो। अब देखो कि लड़का ठीक सीधा खड़ा है कि नहीं। अब जिस तरह नाप लिया जाता है नीचे लिखती हूँ।

सेस्त—गलाके ठीक पीछा भागमें जिस स्थानसे पीठका रीढ़ आरम्भ हुआ है, उसी स्थानसे टेप (फीता) लेकर उसके छोरको दबा कर धरकर जिस स्थान तक कपड़ा पहनता है अर्थात कमर तक नाप लेकर देखो कितना लम्बा हुआ। जितना इञ्च लम्बा हुआ वही सेस्त हुआ या (Natural waist) कहते हैं।

लम्बा—ठीक कंधाके ऊपरसे फीता लेकर लम्बा (Length) जितना नीचे तक चाहेगा, उतना तक नाप लो।

पुट—जिस जगहसे सेस्तके नाप लेनेके लिये आरम्भ किया था, ठीक उसी जगहसे और जहांसे हाथका बांह शुरू हुआ है, उस जगह तक जितना होता है, वही पुट (Put) का नाप हुआ।

पुटआस्तीन—जिस जगहसे पुट नापा है, ठीक उसी जगह से लेकर जहाँ तक हाथका गट्टा है, उतना तक नाप लेकर देखो कि कितना इञ्च लम्बा हुआ, जितना इञ्च होगा वही हुआ पुट आस्तीनका नाप। जिसको (Sleeve) कहते हैं।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

सीना—अब लड़केके सामनेमें आकर उसके ठीक बगलसे नीचे छाती और पीठमें घुमाकर नापनेसे जितना लम्बा होगा वही सीना (Chest) का नाप हुआ।

कमर—सीनाके ऐसा कमरमें भी चारों तरफ घुमाकर नाप लेनेसे जितना होगा, वही कमर (Waist) का नाप हुआ।

पीछा—अभी जिसको हम लोग पीछा कहते हैं, ठीक उसके चारों तरफ घुमाकर नाप लेनेसे जितना होगा, वही पीछा (Seat) का नाप हुआ।

गला—गलामें घुमाकर नाप लेनेसे जितना इञ्च होगा, वही गला या (Neck) का नाप हुआ।

मोहरी—हाथके गट्टामें चारों तरफ नापनेसे जितना होता है, वही मोहरी या (Wrist) का नाप हुआ।

पैंटकी लम्बाई—सामनेमें जिस जगहसे कपड़ा पहना जाता है, उसी जगहसे फीता रखकर पैरकी एड़ी तक जितना लम्बा होगा, उसीको पैंटकी लम्बाईका नाप कहते हैं। जिसको (Side length) भी कहते हैं।

सेकम—जिस जगह हमलोग कोंचा धोतीका उल्टा कर पहनते हैं, उस जगहसे पैरकी एड़ी तक जितना नापनेसे होता है उसीको सेकम या (Leg length) कहते हैं।

घुटना—पटके घुटनाका नाप लेनेके समय उसके चारों

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

तरफ फीता इस तरह ढीला करके नापना चाहिये कि उसमें ६ अंगुल घुस सके।

मोहरी—एड़ीके नापसे पैंटका मोहरी (Bottom) का नाप ३ या २ इञ्च कम करके लेना होगा और अधिक कोई चीज नापनेकी जरूरत नहीं है।

नाप लेनेके समय खूब अच्छी तरह देख लेना होगा कि कहीं पर कोई भूल न हो। गलाका नाप लेनेके समय भीतरमें एक अंगुल रखकर नापना चाहिए। जिस समय सीना कमर या पीछाका नाप लोगे, उस समय भीतरमें चार अंगुल रखकर नाप लोगे। यही नाप लेने ही के ऊपर कपड़ेका अच्छा या खराब होना निर्भर रहता है। सभी नापमें कुछ ढीला करके लेना होता है। ख्याल रहे कि अधिक कसा हुआ नहीं होना चाहिये।

कटिंग सीखनेकी जरूरी सामग्री

कटिंग सीखनेके समय पौने दो प्रमाणका काला गरम या काला खद्दरका कपड़ा लो। इसी कपड़ेके ऊपर दर्जीके चाकसे ड्राइङ्ग करके कटिंग सीखना होगा। एक दर्जीको स्केल १, फीता १, अच्छी कैंची, नम्बरी सूई और सूता इन्हीं सब चीजोंकी दरकार है। पहले सब चीज अर्थात् कमीज, कोट, कुर्ता, फतुहा यानी सभी चीज इसी कपड़ोंके ऊपर ड्राइङ्ग करके सीखना होगा। जब ड्राइङ्गमें हाथ पक्का हो जायगा, तब कागजको काटना होगा। कागज ठीक तरहसे काट लेने पर कपड़ा काटोगे।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

इस काममें सिलाईके ऊपर अधिक नज़र रखना होगा। सिलाईमें यदि हाथ खूब नहीं बैठेगा, तो कपड़ा खराब हो जायगा। काज घर तैयारी करनेके लिये खूब अच्छी तरह सीख लेना होगा। दर्जीके काममें पहले पहल अच्छा और खराब काज बनाने ही में पहचान जाता है। दर्जीके कामके व्यवहारमें कितने नाम हैं, उन नामोंको न जाननेसे किताब पढ़नेमें असुविधा होगी। इसीलिये सबसे पहले उन शब्दोंको नीचे बतलाती हूँ।

मोढ़ा—कपड़ेमें जिस जगह दोनों आस्तीन या बाँही सिलाई किया जाता है, उन दोनों जगहके मुँहको मोढ़ा कहते हैं। जिसको (Scye depth) बोलते हैं।

आस्तीन—दोनों बाँहके कपड़ोंको आस्तीन (Sleeve) कहते हैं।

प्लेट—कमीज या कुर्तामें सीनाके सामनेके ऊपरसे जो भाँज करके कपड़ा सिलाई किया जाता है, जिसमें बटनका घर बनता है, उसीको प्लेट (Pleat) कहते हैं।

गज—टेप फीतामें ३६ इञ्चका एक गज, दो हाथका एक गज, १६ गिरहका एक गज और २¼ इञ्चका एक गिरह होता है।

मोहरी—हाथके गट्टामें जिस जगह कपड़ेके आस्तीनका मुँह रहता है और पैन्टके पैरके नीचे जिस जगह पैन्टका मुँह रहता है, उसीको मोहरी (Bottom) कहते हैं।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

सामना—कपड़ाके सामने भागको (Front) सामना कहते हैं।

पीछा—कपड़े के पीछे के भाग को पीछा (Back) कहते हैं।

दामन—कपड़े के नीचे के भाग को दामन (Down) कहते हैं।

बगल—कपड़ेके दोनों बगलके जोड़को बगल (Side) कहते हैं।

दराज—बीच या पीठकी तरफकी सिलाईको दराज (Seam) कहते हैं।

पीठका दराज—कोट या इसी तरहके और कोई कपड़ेके पीछाके बीचकी सिलाईके स्थानको पीठका दराज कहते हैं।

बगलका दराज—उस तरह कपड़ेके बीचकी सिलाईको बगलकी सिलाई कहते हैं।

लव—कपड़ेके आखिर या किनारेको लव कहते हैं।

तीरा—कमीजका सामना और पीछा जिस पट्टीसे जोड़ा जाता है, उसीको तीरा कहते हैं।

टेकिन—(To be takin in) पैंटके जिस स्थान में सिलाई करके भीतर रखना होता है, उसीको टेकिन कहते हैं।

पट्टी—जो कपड़ा अलगसे लगाया जाता है, जिसमें काजघर रहता है, उसीको पट्टी या फ्लाई कहते हैं।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

स्ट्राप—बांधने वाला (Strap) जिसके साथ बकलेस लगा रहता है।

जेब—पाकीटको (Pocket) कहते हैं।

ताज—जो पाकीटको ऊपरसे ढका रहता है। (Flap)

बक्ररम—जो दो कपड़ोंके भीतर दिया जाता है। जो कोटमें डालके ऐसा कपड़ा दिया जाता है जिससे मजबूत और टाइट बना हुआ रहता है।

नैपूल—जो कोटके सामने भागके भीतरमें उसी कपड़ेका जोड़ा जाता है।

सेक्रम—पैंटके पीछाके नीचेके स्थानसे पैरके तलवा तकके स्थान को।

स्यान—पैंटके पीछाके बीचके हिस्सोंमें जो दो जोड़ा हुआ सिलाई रहता है उस स्थान को।

सीस्ती—पैंटके कमरके साथ जो टुकड़ा कपड़ा सिलाई किया रहता है।

गोल्डिंग—पैंटके पैरके तरफ जो कपड़ा उल्टाया हुआ रहता है।

सलग—बिना जोड़का जो एक ही कपड़ा होता है।

लपेट—नापसे जितना अधिक कपड़ा लिया जाता है।

दबाट—चिह्नसे बाहरमें जो अधिक कपड़ा रहता है।

स्टेक—सादा सीधा फीता जो कोटके भीतरमें लगाया जाता

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

है। इससे लवपर अधिक कड़ा रहता है जो खीचनेपर बढ़ता नहीं।

हिप पाकीट—पीछे चूतरके ऊपर जो पाकीट रहता है।

हाई—(High) पैंटके पीछाका लाइन या सीटके लाइनके ऊपरका हिस्सा। इसी रेखाके नीचेका हिस्सा सकम (Leg length) हुआ।

कुर्त्ता (पंजाबी)

जिस समय किसीका कुर्त्ता काटना होगा उसके पहले उसके शरीरका नाप ले लेना होगा। ख्याल रक्खो कि कुर्त्तामें किस-किस चीजका नाप लेना होता है। नाप—ल० ३२, पुट ८, पु० अ० ३०, सीना ३६, गला १४, मोहरी १४। सभी नाप इं०से लोगे।

अभी इसी नापसे कितने कपड़ेकी जरूरत पड़ेगी उसका हिसाब करके लेना होगा। हिसाबसे कपड़ा ठीक होना चाहिये। अगर खरीदारके सामने हिसाबसे कम कपड़ा लोगे तब अपने पाससे खरीदकर कपड़ा लगाना पड़ेगा।

लम्बाईका नाप जितना है उसका दूना कपड़ा लो। उसके बाद पु० अ० के नापसे घटाकर जितना होगा उतना दो आस्तीनके लिये जोड़कर कपड़ा लो। अब पाकीट वगैरहके लिये और ४ गिरह कपड़ा लो। अभी देखना होगा कि कपड़ेका साधारण हिसाब डबल लम्बा आस्तीनकी लम्बाई और ४ गिरह अधिक।

लेकिन सब समय एक ही नियमसे नहीं चलेगा। कारण शरीरके मोटा पतलाके ऊपर भी ध्यान देना होगा।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

हमने जिस नापको लिया है उसकी लम्बाई हुई ३२ इञ्च अभी कपड़ा होगा ३२ का डबल ६४ इञ्च अर्थात २८ गिरह वा १ गज १२ गिरह। इसके साथ जोड़ना होगा पु० अ० ३० से पु० ८ बाद करके हुआ २२ इञ्च या ११ गिरह। अब १ गज १२ गिरह और ११ गिरह सब हुआ २ गज ७ गिरह और ४ गिरह बराबर हुआ सब २ गज ११ गिरह आस्तीन लेकर अभी कपड़ा हुआ २ गज ११ गिरह। अभी इसी कपड़ासे लम्बामें १ गिरह अधिक कपड़ा लेकर काटना होगा। १ गिरह अधिक कपड़ा लेनेका यही कारण है कि ऊपर और नीचे मोड़कर भांज करके सीना होगा। अगर अधिक कपड़ा नहीं लिया जायगा तो ठीक नापका तैयारी नहीं होगा।

यदि किसीका शरीर कुछ अधिक मोटा हो और सीनाका नाप ३६ से अधिक हो तब लम्बा डबल आस्तीन २ और इस जगह ४ गिरह अधिक कपड़ा नहीं लेना होगा। अभी इसके लम्बामें डबल कपड़ासे किस तरह सामना और पीछा भाग काटना होगा देखो। अभी इस कपड़ाको कितना चौड़ा रखना होगा उसका हिसाब देखो। सीनाका नाप ३६ से और ४ इंच बाद देकर जो हिस्सा बचेगा (३२ इंच) उसके बराबर कपड़ा चौड़ा करके रखना होगा। लेकिन देखो कुर्त्ताके नीचेका घेरा सीनाके बराबर नहीं रहेगा। वह ४ इञ्च बाद नहीं होगा घेरा में।

अभी इस कपड़ाको ३२ इञ्च चौड़ा करके उसके बाद चौड़ाको आधा भांज करके लम्बाके बराबर तक दो भांज कर दो। अब

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

यह भांज किया हुआ कपड़ा चार भाग हुआ कि नहीं गिनकर देखा। अब इस कपड़ेको अच्छी तरह बिछालो जिसमें किनारा तक कोई छोटा बड़ा नहीं हो।

अब इस जगह कपड़ाके ऊपर चाकसे कुर्त्ताका ड्राइङ्ग किस तरह करके काटोगे लिखते हैं। ड्राइङ्ग करनेके सबसे पहले देखना चाहिये कि मोढ़ा कितना चौड़ा रहेगा। हर समय मोढ़ा सीनाका ¼ रखना होगा। इस जगह हमारा नाप लिया गया है उसका सीनाका नाप हुआ ३६ इञ्च। इसका ¼ हुआ ९ इञ्च मोढ़ाका नाप।

ख्याल करो भांज किया पीछाका कपड़ा हुआ ०, १८, ३६, १। ० से ३६ हुआ लम्बाईके नापसे १ इं० अधिक ०, १८ और ३६, १ हुआ चौड़ा ३२ इञ्चका आधा १६ इञ्च। चित्रको अच्छी तरह देखो।

० से ९ हुआ मोढ़ाका नाप सीनाका ¼ या ९ इञ्च। यही मोढ़ा गलासे बगलके नीचे भाग तक। यह रेखा सीनाके नापके बराबर होगी। ध्यानसे देखो ठीक बगलके नीचे सीनाका नाप लिया है। ११ बिन्दू ठीक बगलके नीचे।

० से २½ हुआ २½ इं० दूरी पर। यह गलाका ¼ और १ इं० कम। यहां पर गलाका नाप १४ इं० है इसका ¼ हुआ ३½ इं० और १ इं० कम २½ इं०।

० और ९ से पुटका नाप ८ इं० और ½ इं० ८½ इं० दूर परी ८½ रखकर चित्रके ऐसी एक सीधी रेखा जोड़ दो। हर समय

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

चित्रको देखकर काम करना चाहिये। ६ से सीनाका ¼, ६ इञ्च और २ इञ्च अधिक कुल ११ इञ्च दूर पर ११ रखो। इस जगह समझ लो कि सीना ¼ और २ इंच क्यों अधिक रक्खा गया। उसका कारण यही है कि यदि ठीक सीना ¼ रहेगा तो शरीरमें एकदम कसा होगा। किन्तु कुर्त्ता शरीरमें ढीला रखनेके लिये मोट ८ इंच अधिक लिया गया। सिलाई करने पर १ इंच कम होनेसे ७ इंच रहेगा।

ऊपरमें ८½ से १½ इं० नीचे १½ रखकर २½ और १½ ठीक चित्रमें ऐसा नीचे करके जोड़ दो। यह स्थान हुआ गलासे कंधा जो नीचे हटकर आया है वही जगह।

उसके बाद १½ और ११ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो। उसके बाद ११ से ८ इंच नीचे ११ और ८ एक सीधी रेखा खीचो।

अब ८ और ११ इसके बीचमें भीतरकी तरफ, आधा इंच दूर पर ½ एक दाग देकर ११ और वही ½ दाग और ८ ठीक चित्रके ऐसा कुछ टेढ़ा करके जोड़ दो। उसके बाद ८ और १ ठीक एक सीधी रेखा जोड़ दोगे। तब कुर्त्ताका सामना और पीछा भाग तैयार हो जायगा।

० से ½ ठीक आधा इंच नीचे रखकर चित्रके ऐसा जोड़ दो। ० से २½, २½ जो गोल रेखा खींचा गया है वह हुआ गलाका जगह। १ से एक इंच ऊपरमें एक बिन्दु रखकर ३६ और १ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो। ऐसा करनेसे कुर्त्तेका दोनों कोना (छोर) नीचे लटकेगा नहीं। अब एक कैंची लेकर ½ से २½, २½ से १½ रेखाके

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

ऊपरसे ११, ½, १ रेखा काट लो। उसके बाद ३६ और १ रेखाके ऊपरसे काट लो। उसके बाद सामना और पीछा भाग काटना

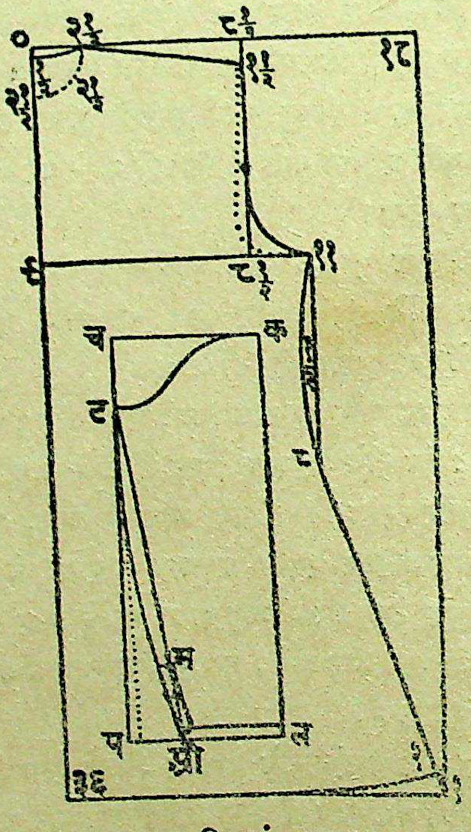

चित्र नं० १

होगा। उसके बाद सामना और पीछा भाग अलग करके उसके सामने भागमें २½, २½ और २½ जो बिन्दी रेखा खींचा

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

हुआ है ठीक उसके ऊपरसे होकर काट दो। उसके बाद १३ और ११ को ठीक उसी तरह बिन्दी बिन्दी रेखा खींचा है उसको भी काट लो। इसको काटनेका यही मतलब है कि मनुष्यके सामने भागसे पीछेका भाग कुछ अधिक चौड़ा रहता है। सामने के बगलके निकट की जगह पीछे से कुछ कम चौड़ा के वजह से थोड़ा-सा काट दिया जाता है। नहीं तो बगलके निकटका कपड़ा भांज ही जायगा।

इसी के साथ २३ से १२ इं० नीचे तक सीधा सामना भाग में खुला रहनेके लिये जगह काट दो। इसी जगहमें काज पट्टी या बटन पट्टी लगाया जायगा।

सामने और पीछे भागको अलग करके खोल कर क्या देखोगे? देखोगे चित्रके ऐसा दो टुकड़ा कपड़ा। एक सामना और एक पीछा। अब इन दोनों भागों को किस तरह जोड़ कर सिलाई करोगे, लिखते हैं। उसके बाद आस्तीन काट कर जोड़ना होगा।

सामने का भाग पीछे भागके साथ जोड़नेके समय सामना भाग पीछा भागके ऊपर इस प्रकार रक्खो ताकि सामने भागका क, ख, ग, घ, ङ, च, छ, बिन्दू पीछे भागके ठीक २३, १३, ११, ८, ६, २ और १८ बिन्दूके साथ मिल जाय। उसके बाद सामने भागके ऊपर के बगलके ट, ञ, झ, ज बिन्दु और पीछे भागके नीचे बगलके १, २, ३ और ६ बिन्दूके साथ मिल जाय।

ख्याल रखो कि जिस तरह सामने और पीछे भाग का कपड़ा एक के ऊपर दूसरा रखा गया है, उसी तरह घेरा

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

के ऊपरका पीछा भागके १½ और २½, सामना भागके क, ख, रेखाके साथ और पीछेके १, २, रेखा सामनेके ट, ञ, रेखाके साथ सिलाई करोगे। उसके बाद ११ से ६ इं० परिमाण ८ तक सिलाई करके और इं० परिमाण ८ से ६ हिस्साको पाकीटके मुँहके ऐसा खुला रक्खो। ६ से २ या २½ इं० एक साथ सिलाई करके बाकी सब खुला रख कर खुले हुयेको फिर मोड़कर भांज करके सिलाई कर दोगे। इसका नीचेका बगल भी ठीक इसी तरह सिलाई करना होगा।

सामना और पीछाके साथ कंधा और बगल सिलाई कर दो। पीछा भागके १½, ११, और २, ३ और सामना भागके ख, ग, और ञ, झ इन दोनों का मुंह खुला रक्खो। इन्हीं दोनों स्थानको मोढ़ा कहते हैं और उसके साथ आस्तीन जोड़ा जाता है।

सामने के भागसे गला काट कर छातीके ऊपरके सामने जो १२ इं० खुला रक्खा हुआ है उसके एकमें बटनका घर सिलाई करना होगा और ऊपरमें बटन पट्टी सिलाई करना होगा। बटन पट्टी बटन घरके नीचे रहेगा। इसी तरह देखकर सिलाई करना होगा।

दोनों तरफ पाकीटके ऐसा जो मुंह खुला हुआ है उसी खुला हुआ मुँहके भीतर से बगलका पाकीट लगाना होगा। बगलका पाकीट लम्बा १८ इं० और चौड़ा ६½ इं० रखना होगा। उस समय एक तैयारी कुर्त्तोको देख लेना अच्छा होगा।

उसके बाद बुक (सामने) पाकीट लगाओ। बुक पाकीट लम्बा ७ इं० चौड़ा नीचेमें ६½ इं० और ऊपरमें ६ इं० रक्खो।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

गलाके बिन्दीसे ६ इं० नीचे कुछ टेढ़ा करके पाकीट लगाओ। बटन पट्टीके नजदीकके पाकीटके मुँहसे उस तरफका मुँह आधा इं०

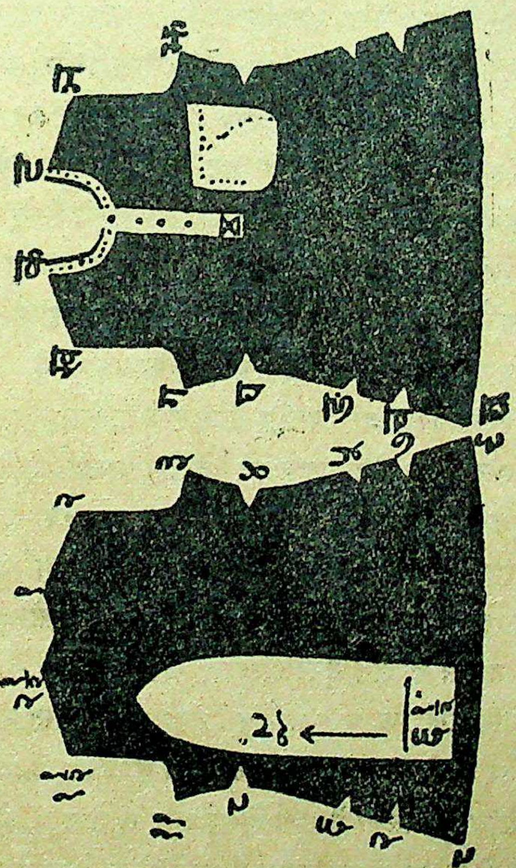

ऊपर रहेगा। चित्रमें देखा। अब गलाका नाप जो १४ इं० है उससे १ इं० बड़ा और ½ इं० चौड़ा कपड़ेको काट कर गलामें एक

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

पट्टी सिलाई कर दो। इस तरह गला तैयार हो गया। अब आस्तीन काट कर किस तरह सिलाई करोगे सो लिखते हैं।

मोढ़ा जितना चौड़ा रक्खा गया है। आस्तीनका कपड़ा ठीक उसका दूना चौड़ा रखोगे। आस्तीनके ऐसा जिस तरह कपड़ा रहता है उससे पु० अ० ३० से पु० ८ इं० घटाकर २२ इं० और १ इं० २३ इं० लम्बा कपड़ा काट लो। उसका चौड़ा होगा मोढ़ाका दूना १८ इं० आस्तीनमें देखो, आस्तीनके लिये दो टुकड़ा कपड़ा १८ इं० चौड़ा या १ टुकड़ा ३६ इं० चौड़ा करड़ा चाहिये। अब इस कपड़ेको चौड़ाईको चार भांज करके बिछालो।

हमारा मोढ़ाका नाप ६ इं० चौड़ा रक्खा गया है। आस्तीन १८ इं० चौड़ा किस तरह रक्खा जायगा क्या बतला सकते हो? एक बार कपड़ेका मोढ़ा पकड़ कर देखो अभी मोढ़ाके नापके बराबर करके कपड़ेको दूना करदो उसके बाद दूसरे कपड़ेको भी उसी तरह बना लो। तब देखो सामना और पीछा भाग मिल गया या उसका डबल हो गया। इसीलिये आस्तीनकी चौढ़ाई मोढ़ाके नापसे डबल (दूनो) रक्खा गया था।

ख्याल रखो, क, च, त, प यही दोनों आस्तीनका कपड़ा बिछा कर रखते हैं। इस १८ इं० चौड़ा कपड़ेका आधा ६ इं० करके भांज कर लिया है। क से च और त से प ६ इं० चौड़ा। अभी यही क, च उसका आधा जितना होता है च से ठीक उतना ही इं० अर्थात् ८½ इं० नीचे ट रख कर क, ट चित्रमें जिस तरह है उसी तरह टेढ़ा करके जोड़ दो।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

त से मोहरीका नाप ७ इं० का आधा ३½ इं० और ½ इं० अधिक सब चार इंच दूर "उ" रक्खो। उसके बाद ट और उ एक सीधी रेखा जोड़ करके उसके ठीक बीचसे आधा इं० दूर बाहरमें एक बिन्दी रखकर ट और "उ" जोड़ दो। इसी तरह चूड़ीदार कुर्त्ताका आस्तीन तैयार होगा। चूड़ीदारके आस्तीन में जिस तरह सीधा फीता लगाया हुआ है ठीक उसी तरह फीता लेकर सिलाई कर दो। ट से म तक सिलाई करके उ से म तक खुला रक्खोगे। दोनों मुँह में एकमें बटन लगाओ और ऊपर में काज का घर बनाओगे। पहले चूड़ीदार कुर्त्तामें हाथ पर तीन बटन लगाया जाता था लेकिन आज कल दो लगाया जाता है। यह ढीला आस्तीनका पंजाबी कुर्त्ता होगा तब ट से प तक सिलाई करके त, प को मोड़ कर भांज करके सिलाई करना होगा। आस्तीन तैयार हो जाने पर अब कुर्त्ताके मोढ़ाके साथ आस्तीन को सिलाई कर दो। मोढ़ाके ञ बिन्दूके ऊपर आस्तीन का क बिन्दू और झ बिन्दूके ऊपर ट बिन्दू रखकर सिलाई कर दो। आस्तीन सिलाई कर लेने पर कुर्त्ताका सिलाई हो गया।

कभी-कभी किसीका सीना और कमरका नाप बराबर रहता है यदि इस तरहके आदमीका कुर्त्ता काटना हो तो उस समय ११ और ८ रेखा सीधा काटकर १ तक नीचेमें काट लेना। ११, ½ और ८ रेखाको खींचकर भीतरमें जो टेढ़ा शेप दिखलाई देता है, सिर्फ उसी स्थानको ११ और ८ सीधा रेखाके ऊपरसे काटकर रखना होगा, क्योंकि इसी तरह आदमीके सीना और कमरका ठीक सीधा लाइन देखा जाता है।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

कलीदार कुर्त्ता

साधारण कुर्त्ताके ऐसा इसका भी नाप लेना होता है। कपड़ा पहले हीके नियमके ऐसा लेना होगा। इसके काटनेमें उतनी कठिनाई नहीं है। परन्तु सिलाई करना इसका कुछ कठिन है। इस कुर्त्तामें साधारणतः ४ कली रहती हैं। कभी-कभी आठ कलींका भी होता है। कलीदार कुर्त्ता पतला और मुलायम कपड़े का अच्छा होता है। इसके लिये मोटा और कड़ा कपड़ा उतना अच्छा नहीं होता है। इसकी लम्बाई अधिक बड़ी होती है।

नाप—लम्बा ३६, पुट ८, पु० अ० ३०, सीना ३६, गला १४, मोहरी १४।

मान लो कि हिसाबसे कपड़ा ले लिया गया है। अब सामना और पीछा भाग काटना होगा।

कुर्त्ता काटनेके समय सीनाके नापके बराबर इसका घेरा चौड़ा लिया जाता है। इसमें जितना सीनाका नाप है उतना ही इसका घेरा लोगे। इसी चौड़ाईमें कली जोड़ना होगा।

पहले पुटके नापसे डबल और १ इं० अधिक चौड़ा रखकर लम्बाका डबल और २ इं० अधिक कपड़ा लोगे। इस जगह पुटका नाप ८ इं० अब कपड़ा चौड़ा होगा, ८ का डबल १६ इं० और १ इं० अधिक १७ इं० चौड़ा या लम्बाईका डबल।

अब इस कपड़ेको जिसकी चौड़ाईका आधा भांज कर लो। यह भांज ठीक कुर्त्ताके ऐसा होगा। कलीदार कुर्त्तामें पहलेके

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

कुर्त्तेके ऐसा कंधा सिलाई नहीं होगा। इस जगहमें एक कपड़ेको रक्खोगे। चित्र देखनेसे यह सब बात अच्छी तरह समझ जाओगे।

० से १ लम्बाका नाप ३६ से १ इं० अधिक।

० से ८½ और १ से ८½ पुटका नाप ८ का डबल १६ इं० और १ इं० सब १७ इं० का आधा।

० से ९ मोढ़ा, सीनाका ¼, ९ इं०। सामने और पीछेका दो टुकड़ा कपड़ा हो गया। अब इसके नीचेके घेराका सीनाके बराबर कपड़ा रखना होगा। अब देखो इसके साथ १७ इं० चौड़ा कपड़ाके साथ और २० इं० चौड़ा कपड़ा जुटने पर तब वह सीनाके नापके समान होगा। इसमें १ इंच अधिक रखना होगा। क्योंकि कलीके साथ जोड़नेमें कपड़ेकी जरूरत पड़ती है। यह एक इं० सिलाई करनेमें कम जाने पर तब सीनाके नापके बराबर ३६ इंच होगा।

अभी यह इसके नापके बराबर हुआ उसके साथ ८½, ११, और ८½, ३६ इसी नापका चार टुकड़ा कपड़ा अलगसे जोड़ देना होगा। इसीको कली कहते हैं। ९ से ११ होगा सीनाका नाप ३६ इञ्च का ¼, ९ इं० और २ इञ्च अधिक ११ इञ्च। अब देखा जाता है ८½ से ११ यही भाग सिर्फ ८½ से ११ जितना इञ्च बेशी है ठीक उतना ही अधिक अर्थात् २½ इञ्च। उसके बाद देखा जाता है ८½ से ३६, ९½ इञ्च चौड़ा। क्योंकि कुर्त्तेमें देखा गया है उसका घेरा जितना चौड़ा है उसका आधा कपड़ा भांज करके होता है। इस जगह १ से ३६ हुआ ३६ का आधा १८ इञ्च। उसी १८ से ८½ बाद

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

हो जाने पर बाकी रहा ६½ इञ्च। इसी तरह टुकड़ा कपड़ाके सामनेमें दो और कपड़ाके पीछेमें २ टुकड़ा जोड़ देना होगा।

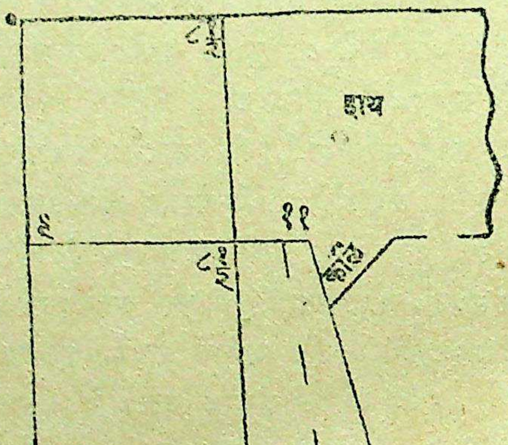

(कलिदार कुरता) चित्र नं० ३

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

सामने और पीछे भागका काटना तो हो गया अब पहलेके कुर्त्ताके ऐसा इसका भी आस्तीनका नाप लो। उसको पहले ही ऐसा मोढ़ाका डबल चौड़ा कपड़ा रखना होगा। चित्रमें देखलो जो कुछ कहा जाता है उसे अच्छी तरहसे समझ जाओगे। आस्तीन या आस्तीतके नीचेकी सिलाई ठीक ८½ और ११ के साथ धर कर सिलाई करना होगा। इसका बगल ठीक साधारण कुर्त्ताके ऐसा जोड़कर सिलाई करना होगा। इसमें साइड या बगलका पोकेट होगा। आस्तीनसे ११ जिस जगह तक मिला है वही हुआ बगलकी जगह। इसी जगह जो कली कह कर त्रिभुजके ऐसा त्रिकोण कपड़ा है उसी तरह ठीक एक कपड़ा तैयार करके दो टुकड़ेको दोनों बगलमें सिलाई कर दो।

साधारण कुर्त्ताके ऐसा इसके सामना भागसे गला काटकर बटनके लिये १२ इञ्च खुला रक्खोगे। उसके बाद उसमें बटन पट्टी और काजघर पट्टी लगा दो। चार कलीका वर्णन किये हैं। अब आठ कली होगा तब दो कलीके आधाके जगहको काटकर आठ कली कर देना होगा। चित्र देखो बिन्दु-बिन्दु के ऐसा रेखा खींच कर कलीका भाग बताया हुआ है।

फतुहा

फतुहा काटनेके पहले नाप ले लेना चाहिये।

नाप—सेस्त १६, लम्बा २६, पुट ८, पु० अ० २०, सीना ३६, कमर ३२, गला १४, मोहरी १४। अब हिसाब करके कपड़ा

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

जितना लगेगा लिया जाता है। कपड़ेका परिमाण होगा २ लम्बा १ लम्बा आस्तीनके समान एक लम्बा भाग कपड़ा और ३ या ४ गिरह और अधिक। इसका आस्तीन केहुनीके ऊपर रहता है। उसका हाफ आस्तीन कहते हैं। इस कपड़ेसे लम्बाईका नाप २६ से १ इञ्च अधिक लम्बा एक कपड़ाका टुकड़ा लेना होगा। इसको चौड़ा रखना होगा सीनाका आधा और ३ इञ्च अधिक। अर्थात् इसको इस तरह चौड़ा को दो भांज करो कि जो एक-एक भाग सीनाका ¼ और ३ इञ्च अधिक हो। उसके बाद भांज करके देखो समूचा कपड़ा चौड़ा हुआ सीनाका आधा और ३ इं० अधिक। अभी हमारे सीनाका नाप है ३६ इं० इसका आधा १८ इं० और ६ इं० कुल २४ इं० लेकर उसका आधा १२ इञ्च पर भांज करो।

०, २०, २३ ११ यही हमारा भांज किया हुआ कपड़ा बिछाया हुआ है। अभी ० से सीनाका नाप ३६ इञ्च का ¼=९ इञ्च से १ इञ्च कम करके ८ इञ्च मोढ़ाका नाप लेकर ८ इं० नीचे ८ रक्खो। हमने कुर्त्ता काटनेके समय देखा है मोढ़ा सीनाका ¼ है यह आस्तीनसे १ इं० कम क्यों हुआ? इसका कारण यही है कि कुर्त्ता के मोढ़ासे यह कपड़ा कुछ अधिक कसा रहता है। कमीज, ब्लाउज, सेमीज, फ्राक, जाकिट, सबका फतुहाके हिसाबसे मोढ़ा होगा। और कोट, वेस्टकोटका मोढ़ा ठीक चार भागका एक भाग होगा।

पीछ भाग (Back part)

० से गलाका नाप १४ का ¼=३½ साढ़े तीन इञ्च से १ इञ्च

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

कम करके जो २½ इं० बचता है वही २½ इं० दूर पर २½ इं० रक्खो ।

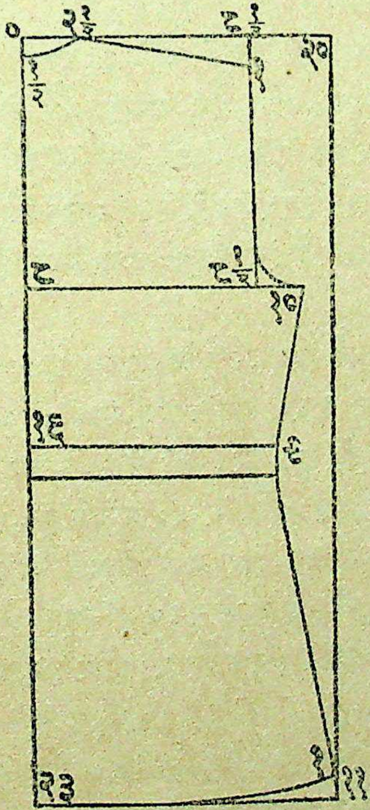

(फतुहा) चित्र न० ४

० से ½ इं० नीचे ½ रख कर ½ और २½ ठीक चित्रके ऐसी टेढ़ी रेखा जोड़ दो ० से ८ मोढ़ा ८ इंच नीचे ।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

८ और ० से पुट का नाप ८ इं० और ½ इं० कुल ८½ इं० दूर पर ८½ रक्खो। कुर्त्तेमें ठीक इसी तरहसे पुटका नाप लिया जाता है।

० से सेस्तका नाप १६ इं० नीचे १६ रक्खो। इसी जगहसे कमरका नाप लिया जाता है। ऊपरके ८½ से १ इं० नीचे १ रख कर २½ और एक ठीक चित्रके ऐसी सीधी रेखा जोड़ दो। कुर्त्तामें यही जगह १½ इं० नीचे है। ८ से सीनाका नाप ३६ उसका ¼=९ इं० और १ इंच कुल १० इञ्च लेकर १० इं० दूर पर १० रक्खो।

१६ से कमरका नाप ३२ और उसका ¼ ८ इं० और १ इं० कुल ९ इं० लेकर ९ इं० दूर पर ९ रक्खो। अभी देखा गया १६ से ९ हुआ ९ इं० दूर पर। १६ से ९ जितना दूर है २३ से उतनाही अर्थात् ९ इं० और २ इं० अधिक कुल ११ इं० दूर पर ११ रक्खो। उसके बाद देखा गया फतुहाके नीचेका घेरा चौड़ा है; कमर जितना चौड़ा है उससे २ इं० अधिक।

११ से १ इं० ऊपर १ रख कर २३ और १ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो।

अब चित्रके ऐसा १ से ९, ९ से १० जोड़ करके रख देनेसे फतुहाका पीछा भाग बन गया। अब कैंची लेकर ½ से २½ रेखा २½ से १ रेखा, १ से १०, ९ और ११ रेखा काट कर रख दो। इसी तरह पीछला भाग कटा हुआ हो गया अब सामनेका भाग काटना होगा।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

सामना भाग (Front part)

पीछे भागके ऐसा लम्बाईके नापसे १ इं० अधिक एक खण्ड कपड़ा लेना होगा। उसका चौड़ा पीछाका सीना का आधा और ६ इं० अधिक लेनेसे जितना होता है उतना ही लेकर इसी कपड़ाके बीचमें लम्बा करके भांज करके रख दो।

० से ८ इं० नीचे मोढ़ाका नाप ८ रक्खो।

० से १६ इं० नीचे सेस्तका दाग देकर १६ रक्खो।

८ और ० से ८½, पुटका नाप ८ और ½ इं० अधिक, ८½ इं० दूर पर ० से २½ गलाका नाप १४ इं० का ¼=३½ इं० से १ इं० कम २½ इं० दूर पर भी कुर्त्ताके ऐसा गलाका दाग देना होगा। ८ से सीनाका नाप ३६ इं० का ¼=९ इं० और २ इं० अधिक कुल ११ इं० लेकर ११ इं० दूर पर ११ रखना होगा। ख्याल करके देखो पीछेका सीनासे ¼ और १ इं० अधिक रक्खा गया है। अब सामना भागके १ इं० के स्थानमें २ इं० अधिक रक्खा गया है। उसके बाद कुल ऊपर सीनाके नापसे ६ इञ्च अधिक रक्खा गया है। इसमें १ इञ्च सिलाई कम हो जाने पर ५ इञ्च पर पक्का सिलाई करोगे। कमीज कुर्त्तासे कुल ८ इञ्च अधिक ढीली रक्खी जाती है उसमें से सिलाईमें १ इञ्च कम हो जानेसे ७ इञ्च ढीला रहता है। अब देखनेसे मालूम होता है कमीज कुर्त्तासे फतुहाका एलावेन्स (allowance) २ इञ्च कम रहता है।

१६ से १० कमरका नाप ३२ इं० का ¼=८ इञ्च और २ इं०

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

कुल १० इं० । २३ से १२ हुआ १६ से १० जो १० इं० है उससे और २ इं० अधिक कुल १२ इं० । १२ से १ इं० ऊपरमें १ रखकर

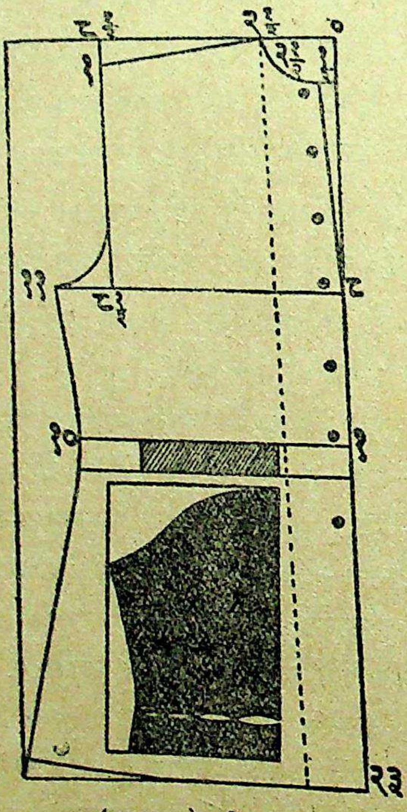

(फतुहा) चित्र न० ५

२३ और १ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ देना होगा। अब सामना भागसे कुर्त्तेके ऐसा हिसाब करके गलाका बिन्दु दी हुई रेखा काट लोगे ऐसा होनेसे सामनेका दोनों भाग कट गया।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

तैयार करनेके समय सामने भागमें जिस जगह बटनका घर तयार होगा अर्थात् जो हिस्सा बांया तरफ रहेगा उसमें ८ और ९ रेखा जिस तरहसे है उसी तरहसे काट लोगे। उसके बाद दो सामने भागके चित्रमें जो लम्बा ऐसी बिन्दी-बिन्दी दी हुई रेखा ड्राइङ्ग की हुई है इसी तरह दो कपड़ा काट कर दोनों सामना भागके नीचे या भीतरमें जोड़ कर सिलाई करना होगा। दोनों सामनाके दोनों बगलके लिये दो पाकिट तैयार करना होगा उसके बाद ठीक पाकिटके मुँहके ऊपर भीतरमें अर्थात् कमरका नाप जिस जगहमें लिया है उस जगह एक फीताके ऐसा सिलाई करना होगा उसीके साथ पाकिटका जोड़ रहता है। नीचे वा (Down) में एक इश्च परिमाणका कपड़ा जोड़कर सिलाई कर दोगे। सामना भागके दोनों बगलमें १ से २½ इश्च ऊपर तक खुला रक्खोगे। यह तुम्हारा फतुहे का सामना भाग हो गया। अच्छी तरहसे सामना और पीछा भागके चित्रमें देखनेसे सब समझमें आ जायगा।

कमीज

आजकल बहुत किस्मकी कमीज प्रचलित है। उसमें अधिक-तर केवल कालर में ही फक रहता है। कौन-कौन किस्मके फैशन में क्या फर्क रहता है? टेनिस कमीज, स्मार्ट कालर कमीज, स्पोर्टिंग कमीज इत्यादिमें केवल कालरका फर्क रहता है डबल कफ, स्क्वायर कफ, ड्रेसिंग कमीज, मिलेटरी कमीज इत्यादिमें फैशनका फर्क है लेकिन सभी कमीजके काटनेका तरीका एक ही है।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

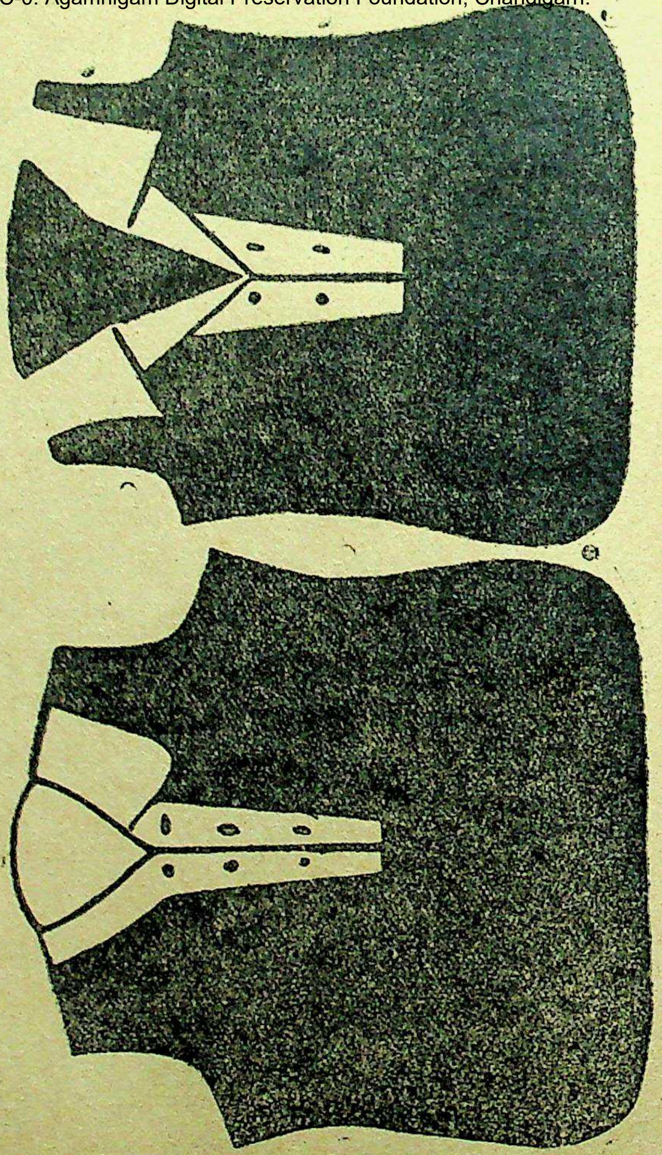

(कमीज का सामने और पीछे का भाग) चित्र नं० ६

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

साधारणतः डबल कफ वा अमेरिकन कमीज का कफ डबल रहता है। इच्छानुसार इसमें वेन्ड कालर और टेनिस कालर भी होता है स्त्रायर कफ कमीजके कफकी लम्बाई १० इञ्च और चौड़ाई ३ इं० होती है। भीतरमें कड़ा कपड़ा देकर तैयार करना होगा। यह साधारणतः लं० क्लौथ का रहता है।

ड्रेसिंग कमीज और डबल ब्रेष्ट कमीज—इसके सीनाके ऊपरसे होकर डबल ब्रेष्ट नहीं होकर डबल ब्रेट सेपका प्लेट रक्खा जाता है। चित्र देखोगे तब समझ जाओगे।

मिलेटरी कमीज और एक प्रकारका टेनिस कमीज

यह साधारणतः खाकी कपड़ेका होता है। सीनाका प्लेट २ या २½ इञ्च चौड़ा होता है। कन्धेके ऊपर बीचमें दो स्ट्राप रहता है।

मान लो तुम्हें कमीज काटनेके समय नीचे लिखे नापसे काटना है।

नाप—लम्बा ३२, पुट ८, पु० अ० ३०, सीना ३६, गला १४, मोहरी ७।

जिस हिसाबसे कुर्त्ताका कपड़ा लिया गया है ठीक उसी हिसाबसे इनका भी कपड़ा लेना होगा। हिसाब हुआ २ लम्बा १ आस्तीन और पुट आस्तीन बाद देकर जितना बचे उससे ४ गिरह अधिक। अब इसी कपड़ासे पहले लम्बाईके डबलके बराबर और २ इं० अधिक कपड़ा काट लो। उससे सामना और पीछाका काटगे।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

अभी कमीजके सीनाका नाप ३६ से उसका ¼=९ इं० बाद देकर रहा २७ इं०। कमीजके कपड़ेका घेरा रखोगे २७ इं०। यदि कोई कपड़ा २७ इं० से अधिक होगा तो २७ इं० रखकर बाकी कपड़ा काटकर रख दोगे। अब समझना होगा कमीजका घेरा होगा सीनाके नापका ¼ बाद देकर जितना बचेगा उतना ही। अब कमीजके कपड़ेको कुर्त्तांके ऐसा चौड़ा २७ इसका आधा करके लम्बा-लम्बा करके भांज कर लो।

७ से १½ और ३२ से १३½ को ध्यानमें रखो, उसी भांज किए हुए कपड़ेको बिछा लो।

७ से ३२ हुआ लम्बा और १ इं० अधिक सब ३३ इं०। ७ से १½ और ३२ से १३½ हुआ घेराका आधा १३½ इं० अर्थात २७ इं० चौड़ा कपड़ा जो रखा हुआ है उसका आधा १३½ इं०। इसी कपड़ासे पहले १½ इं० परिमाणका कपड़ा रख कर डेढ़ इंच दूर पर ½ और ९ तक एक रेखा खींचो यही कपड़ा कमीजके सीनाके प्लेटके लिये रख दोगे। अब कमीजका नाप यही १½ और ९ रेखासे लेना होगा। ½ से ९ मोढ़ाका रेखा। कमीजका मोढ़ा सीनाके नापका ¼=९ इं० से १ इं० कम होगा। या ½ से ९ हुआ ८ इं० नीचे। फतुहामें भी मोढ़ाके नापमें ठीक यही फर्क देखा जाता है और सब नाप ठीक कुर्त्तांके ऐसा होता है।

½ से ८½ और ९ से ८½ ठीक कुर्त्तोंके ऐसा पुट ८ और ½ इं० अधिक सब ८½ इंच। ½ से २½ ठीक २½ इं० दूर पर। इसका हिसाब हुआ गलाका नाप १४ का ¼, ३½ इं० से १ इं० कम २½

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

इं० समूचा गला ठीक कुर्त्ताके ऐसा नापकर काटना होगा। इसको सामना भागसे होकर काटोगे।

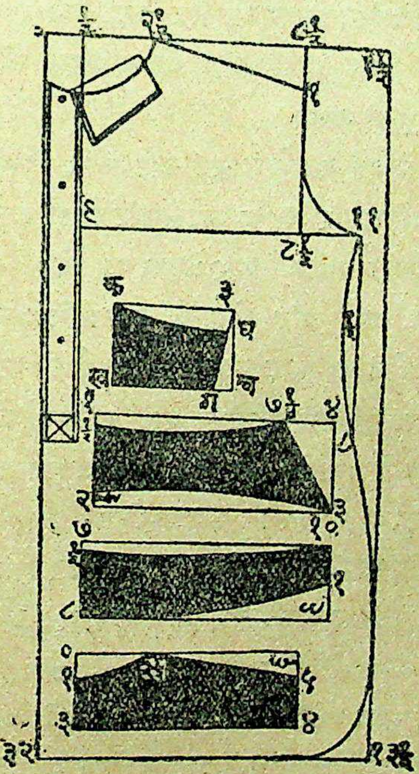

(कमीज) चित्र नं० ७

८½ से १, १½ इं० नीचे। ६ से ११ हुआ सीनाका नाप ३६ का ¼=९ इंच और २ इं० सब ११ इं०। ११ से ८ इं० नीचे ८ तक पंजाबी (कुर्त्ता) के ऐसी एक सीधी रेखा खींचो उसके बाद ८ और

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

११ इसके ठीक बीचसे ½ इं० भीतरकी तरफ ½ रखकर ८ और ११ ठीक चित्रके ऐसा कुछ टेढ़ा करके जोड़ दो।

देखो कुर्त्तेके ऐसा इसका भी शेप किया गया है। उसके बाद नीचेके चित्रके ऐसा सब आधा गोला करके जोड़ देनेसे ही कमीजका ड्राइङ्ग हो गया।

पहले २½ से एक रेखाके ऊपरसे काट दो। उसके बाद १ से ११,½, ८ और गोलाकार रेखाके ऊपरसे काटकर ३२ तक चले जाओ। सामना और पीछा भाग खोलकर अलग कर लो। समना भाग से कुर्त्तेके ऐसा गला और मोढ़ाका नाप अधिक काटना होगा। यदि टेनिस कमीज या स्मार्ट कालर कमीज हो तो ठीक चूड़ीदार आस्तीनके ऐसा आस्तीन काटोगे। यदि स्कोयर कफ या डबल कफ कमीज हो तो दूसरे ही नियमसे काटा जायगा। उस जगह लिख दिया जायगा। आगेके पन्नाके चित्रमें देख लो। अभी कमीजके घेराके ऊपर जो कपड़ा है काटकर उसके बाद उसमेंसे बेन्ड कालर या टेनिस कालर या कफ काट लोगे।

टुकड़ा—इसमें दो टुकड़े कपड़ेकी और जरूरत है। इससे इससे सामना भाग और पीछा भागके कन्धामें जोड़ना होगा। एक तैयार कमीज देख लेने पर यह सब टुकड़ा आसानीसे समझ में आ जायगा। कुर्ता काटनेके समय पुटका नाप जितना रक्खा गया है उसका डबल लम्बा और ३ इञ्च चौड़ा दो टुकड़ा कपड़ा लोगे। अभी इसी लम्बे कपड़ेको आधा भाग करके कमीज का जो पुट रखा गया है उसके बराबर है। तुम्हारा पुट रक्खा

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

गया है ८½ इंच, कपड़ा होगा इसका डबल १७ इं०। इसको आधा भांज करने पर ८½ इंच हुआ। वही हुआ हमारा जो कपड़ा भांज किया गया है ०, ३, ५, ४, ६। चित्रमें नजर दौड़ाने से सब समझ जाओगे।

० से ठीक एक इं० नीचे एक दाग दो और २½ ठीक २½ इं० दूर पर रक्खो। २½ और उस दागको ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो।

६ से १ इंच नीचे ५ रखकर २½ और ५ एक सीधा रेखा खीच कर जोड़ दो।

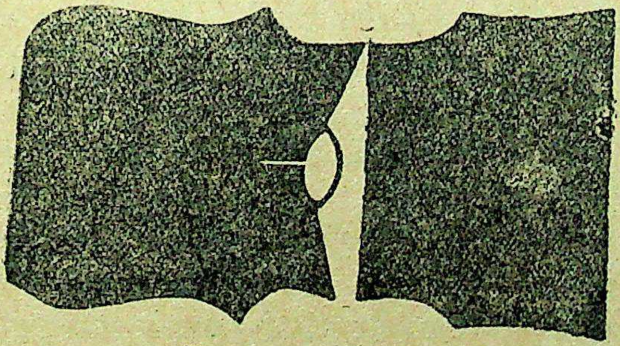

तीरा कैसे जोड़ा जाता है। चित्र न० ८

अब नीचेके दागसे २½ रेखा और २½ से ५ रेखाके ऊपर होकर काट लो। नीचेके दागसे २½ रेखा हुआ पीछेका गला और २½ से ५ रेखा कमीजके सामने भागका २½ और १ रेखा साथ सिलाई करना होगा। ३, ४ रेखा कमीजके पीछाके ऊपर भागके साथ सिलाई करोगे।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

वेन्ड कालर—कमीजका वेन्ड वा सीधा कालर काटनेमें गलाका नाप जितना लम्बा है उतना और १½ इंच अधिक लम्बा और २ इंच चौड़ा दो टुकड़ा कपड़ा लो। इस जगह हमारे गला का नाप है १४ इंच। इसके लिये कपड़ा होगा १४ और १½ सब १५½ इंच लम्बा और दो इंच चौड़ा दो टुकड़ा कपड़ा। अभी इसको पहलेके समान लम्बाका आधा दो भांज करो। भांज करके ७, ८, ६ और १० इस चित्रके ऐसा कपड़ा रक्खे हैं। ७ से आधा इंच नीचे ½ रखकर ½ और १० ठीक चित्रके ऐसा कुछ टेढ़ा करके जोड़ दो।

६ से १ इंच ऊपरमें १ रखकर ८ और ६ रेखाके बीचसे रेखा खीचकर चित्रके ऐसा १ से साथ जोड़ दो। अब ½ से १० और ८ से १ रेखाके ऊपर होकर काटनेसे वेन्ड कालर कटा हुआ हो गया।

टेनिस कालर—गलाके नापके बराबर लम्बा और चार इं० बड़ा और उसी चार इंच बड़ा तक दो टुकड़ा कपड़ा लेकर उसके लम्बाईको आधा भांजकर दो। १, २, ३ और ४ इसके चित्रके ऐसा कपड़ा रक्खोगे। १ से ½ इं० नीचे ½ और १ से गलाके नापका आधा ७ इंच और पाव इं० सब ७¼ सवा सात इं० दूर पर ७¼ रक्खो। ७½ और ½ चित्रके ऐसा जोड़ दो। ७¼ और ३ सीधा रेखा खींच कर जोड़ दो।

२ से ½ इंच ऊपरमें ½ रखकर चित्रके ऐसा ½ और ३ रेखा जोड़कर उसके ऊपरसे काट लो। उसके बाद ३½ और ३ रेखा के ऊपरसे काट लेनेपर कालरका दोनों टुकड़ा कपड़ा काटा हुआ हो गया। यही कालरका दोनों टुकड़ा कपड़ा वेन्ड कालरके साथ मिलाकर सिलाई करना होगा।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

कफ—टेनिस कमीजके आस्तीनके मोहरीके ऊपर जो एक टुकड़ा कपड़ा सिलाई किया हुआ है उसीको कफ कहते हैं। (आस्तीनके चित्रमें देखनेसे समझ जाओगे) कफके लिये ३ इञ्च चौड़ा और मोहरीके नापके बराबर लम्बा लेना होगा। क, ख, ग, घ जिस तरहसे बनाया हुआ है ठीक उसी तरह दो टुकड़ा कफ काटना होगा। कपड़ा भांज कर लेने पर ख से ३ इं० ऊपरमें क रक्खो। ग से घ २ इं०। इसको चित्रके ऐसा काट लोगे। कफ काटनेके समय कपड़ेको मोहरीके ऊपर रखकर इसी नापसे काटनेसे आसान होता है।

अब कमीजको सिलाई करो। इसके बगलको जोड़नेके समय बगलके पाकिटको सिलाई करना होगा। इसका नाप ठीक कुर्त्ताके पाकिटके नापके बराबर काटना होगा।

पहले सामना भागके ७ से १६ इं० तक नीचेके तरफ प्लेटके दागके ऊपरसे काट लो। यही जगह सीनाका खुला हुआ जगह होगा। प्लेटको जोड़ दो। इस समय प्लेटके भीतर एक टुकड़ा और कपड़ा दे दोगे। जिससे प्लेट कुछ कड़ा रहता है और काज बनाने और सिलाई करनेमें अच्छा होता है। इसी कपड़ेको डक वा इस्ति कहते हैं। कमीज, कुर्त्ता वगैरहके प्लेटमें इसी तरह डक देना होता है। कालर तैयारी करनेके बाद इसी डककी जरूरत पड़ती है। पीछेका प्लेट भीतरमें १ इंच जोड़कर रक्खो। इस जगहके लिये एक तैयारी कमीजको देख लेना। अब जो काटा हुआ है उसका ३ और ४ रेखा पीछाके ऊपरसे साथ-साथ जोड़ देनेसे

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

उसी का २ १/५ और ५ रेखा सामनाके दोनों कंधामें २ १/२ और १ रेखाके साथ सिलाई कर दो तब सामने और पीछेका जोड़ हो गया। अब बगल (साइड) सिलाई करके पाकिट सीना होगा। आस्तीन सीनेके समय चूड़ीदार कुर्त्ताके आस्तीनके ऐसा मोहरीके मुँहके लिये ४ इं० खुला रहेगा। एक तैयारी आस्तीन देख लेनेसे आसानी होगा।

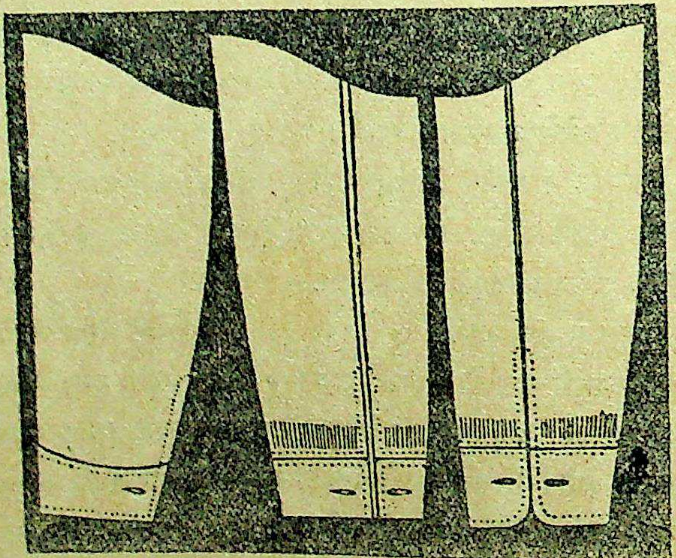

चित्र नं० ९

अब टेनिस कालरके ७ १/८ और ३ रेखा दोनोंको और १/२ और ३ रेखाके बगलको सिलाई करके उल्टा दो। उसके बाद वेन्ड कालरके १/२ और १० के बगलको टेनिस कालरके साथ सिलाई

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

करके उल्टा लो उसके बाद ८ और १ रेखा कमीजके गलाके साथ जोड़देनेसे टेनिस कालर तैयार हो जायगा।

सभी कमीजके काटनेका नियम एक ही तरह है। लेकिन जिस समय स्मार्ट कालर कमीज काटना होगा उस समय उसमें सीनाका चौथाई और २ इंच नहीं रखकर डेढ़ इंच अधिक रखोगे। सीनाके प्लेटके लिये एक इंच चौड़ा कपड़ा रक्खोगे।

टेनिस कमीज, स्मार्ट कालर कमीज, मिलेटरी कमीज आदि के आस्तीनका कपड़ा मोंढ़ाके नापसे एक इंच अधिक चौड़ा रखना होगा। ताकि इसको मोढ़ाके साथ तीरा जोड़ देने पर मोढ़ा अधिक चौड़ा हो जाय।

जब डबल कफ या स्क्वायर कफ (छोटा) कमीजका आस्तीन काटोगे तब उसके कपड़ोंको भांज करनेमें कुछ फर्क देखा जाता है। साधारण आस्तीनका कपड़ा चौड़ाईमें बीचसे भांज किया जाता है। इसमें इस तरहसे नहीं होता। साधारण आस्तीन काटनेके समय मोढ़ाके नापका डबल और १ इञ्च अधिक अर्थात् ८+८+१=१७ इञ्च कपड़ा लिया जाता है इसमें उसके बीचमें ८½ इंच से भांज नहीं करके १७ इञ्चको ३ हिस्सा किया। दो हिस्साको १२ इञ्च और १ हिस्सा को ५ इञ्च रखो। पहले १२ इञ्च का आधा ६ इंचसे भांज करके ले लँगे इसके बाद ५ इञ्चका आधा २½ इञ्चसे भांज करके दोनों के मुँहको इकट्ठा कर लोगे। डबल कफके आस्तीनके चित्रमें देखनेसे समझ जाओगे। अब आस्तीनके मोढ़ाके शेपके ऐसा शेप कर दो। डबल कफ कमीजका आस्तीन लम्बाईके नापसे १½ इञ्च और स्क्वायर कफ

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

कमीजका आस्तीन २ इंच छोटा रक्खा जायगा। क्योंकि इसके साथ अलगसे एक कफ जोड़ा जाता है। डबल कफ कमीजका कफ १० इंच लम्बा और ४½ इंच चौड़ा रख कर काटना होता है। कफ तैयारी करके उसके चौड़ाईको ठीक बीचसे उल्टाना होगा। स्कायर कफमें १०½ इंच लम्बा और ३½ इंच चौड़ा लेकर काटना होता है। इसके कफके भीतरमें कड़ा डक या अस्तर देना पड़ता है। डबल कफमें नरम पतला कपड़ा देना चाहिये। कफके साथ आस्तीन जोड़नेके समय आस्तीनके कपड़ेको सिकुड़ाकर कफके ठीक बराबर करके तब कफके भीतरमें रखकर सिलाई करना होता है। इन सब कमीजोंमें प्रायः वेन्ड वा हाई कालर होता है। आस्तीनके चित्रको अच्छी तरह देखनेसे काटने और सिलाई करनेमें सुविधा होगी; डबल कफके वा स्कायर कफके कमीजका आस्तीन पहले बगल और कफ जोड़कर उसके बाद काटोगे। बगल सिलाई करके एक उसके ऊपरसे सिलाई करके उल्टा भागमें आस्तीन काटोगे नहीं तो दोनों आस्तीन एक ही तरफ लगनेके लायक रहेगा।

पैंट (Trouser)

पैंट काटनेमें कपड़ेका हिसाब होगा एकहरा कपड़ा होने पर डबल लम्बा और आधा गज कपड़ा अधिक। यदि दोहरा कपड़ा होगा तब लम्बाई उतना ही और ४ गिरह अधिक। यदि सूती कपड़ेका पैंट होगा तब सिंगल पनेहका कपड़ा लम्बाईका डबल और आधा गज अधिक चाहिये। इसके पाकीटवगैरहके लिये अस्तरका कपड़ा होगा। अस्तरका कपड़ा १२ गिरह लगेगा। और यदि

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

गर्म कपड़ेका पैन्ट होगा, तब इसके पाकीट वगैरहके लिये पैन्टके कपड़ाके ऐसा रङ्गका सूता और केलिको कपड़ेका होगा, पाकिट के लिये ६ गिरह केलिको कपड़ेका और २ गिरह छीटका जरूरत पड़ता है। पैन्ट इङ्गलिसस्टाइलका या अमेरिकन स्टाइल (डिजाइन) का होता है। हम पहले इङ्गलिश पैन्टके बारेमें लिखेंगे। सभी तरहके पैंटको काटनेको एक ही किस्मसे नाप लेना होता है।

सामना भाग (Front Part)

नाप—लम्बा ४२, पीछा ३६, कमर ३२, घुटना २०, मोहरी १७।

८ से लम्बाईके नापसे आधा इञ्च अधिक करके ८, ४२ रेखा खींचो।

८ से पीछाका नाप ३६ का १/३ या १२ इञ्च नीचे १२ रखो। १२ से ८ तक ऊपरके भागको हाई (ऊँचा) कहते हैं।

१२ से ४२ तक नीचेके भागको सेकम (पैरकी लम्बाई Leg length) कहते हैं। १२ और ४२ इसके बीचमें अर्थात आधासे और २ इञ्च ऊपरमें १७ रखो। इसी जगहसे घुटनेका नाप लेना होता है।

१२ से पीछाका नाप ३६ का १/३, १२ इञ्च और १/२ इञ्च अधिक १२१/२ इञ्च दूर पर च रखो। च से ५ हुआ च से १२ जितना है उसका १/४ भाग।

१२ से ५ और ८ से ६ बराबर दूर रखो। ७, ६ रेखा ८ ६ रेखासे २ इञ्च नीचे। ७ से ६ कमरका नाप ३२ इञ्चका १/४,

 CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

८ इञ्च और ½ इञ्च सब ८½ इञ्च। ७, ६ भागसे ६, ० भाग आध इञ्च बड़ा। ६ रेखाके ठीक बीचसे च तक चित्रके ऐसा जोड़ दो।

पतलूनका सामना भाग

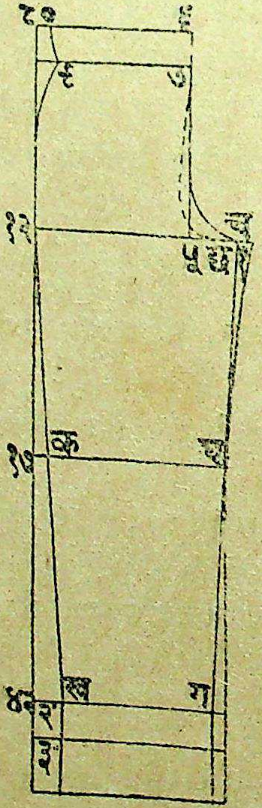

चित्र नं० १०

१७ से १ इञ्च भीतरमें क और ४२ से १½ इञ्च भीतरमें ख रखो।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

क से घुटनाका नाप २० इसका आधा १० और ½ इञ्च अधिक सब १०½ इञ्च दूर पर 'घ' रखो।

ख से मोहरीका नाप १७ इञ्चका आधा ८½ और ½ इञ्च सब ९ इञ्च दूर पर ग रखो।

अब ०, ६, १२, क, ख, ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो। उसके बाद च, घ, ग ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो। ख, ग रेखाके नीचे और ५ इञ्च अधिक कपड़ा लेकर ठीक ड्राइंग किया हुआ रेखाके ऊपरसे काट लो, तब सामना भाग कटा हुआ हो जायगा। यही ५ इञ्च अधिक कपड़ा पैंटके नीचेमें फोल्डिंगके लिये रखा गया है। इसको मोड़ करके सिलाई करना होता है। उसके बाद सामनाका दोनों टुकड़ा जिसमें दाहिनी तरफ सिलाई होगा, उसी भागसे और घ, छ, च रेखाको काट देना होगा। इसको ड्रेसिंग कहते हैं। इसको नहीं काटनेसे दाहिनी तरफके पैरके कपड़ेको बेशी भांज करना पड़ेगा। ७, ५ छ जो बिन्दी-बिन्दी रेखा है, उसे दाहिनी तरफके हिस्सासे काटना होगा।

पीछा भाग (Back)

कपड़ेमें जिस किनारेसे सामना भाग काटा गया है, उसका ठीक उल्टा भागसे पीछाका कपड़ा काटना होगा। अब काटा हुआ सामना भाग इस कपड़ेके ऊपर बिछा दो। इस कपड़ेके जिस स्थानसे कमरका हिस्सा हुआ है, उसी हिस्सासे मोहरी काटोगे, और जिस तरफसे मोहरी काटा है उसी बगलसे कमर

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

काटोगे। तब देखोगे कि सामना और पीछा भाग किस तरहसे कपड़ामें से काटोगे।

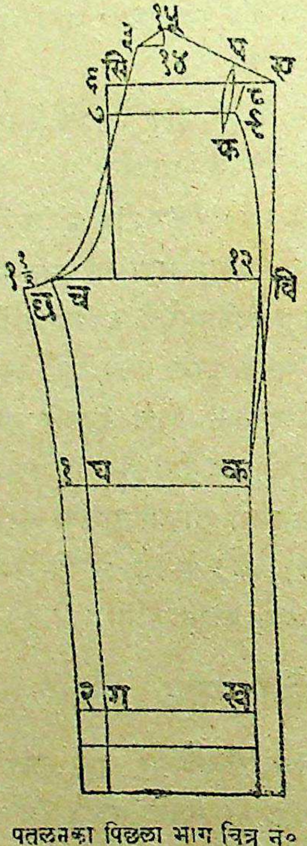

पतलूनका पिछला भाग चित्र नं० ११

सामना भागमें कमरके किनारेमें ८ से १½ इञ्च दूर पर ए रखो, १२ से १ इञ्च दूर पर बी रख कर ए, बी इस तरहसे जोड़ो

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

कि ए, बी रेखासे धीरे-धीरे सामना भागके क बिन्दूके साथ मिल कर क, ख रेखाके साथ मोहरी तक चला जाय।

च से १½ इञ्च दूर पर १½ और घ, ग से १ इञ्च दूर पर १ और २ रख कर १½ १ और २ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो। हम कमरका नाप जो लिये हैं, उसका आधा १६ इञ्च और १ इञ्च सब १७ इञ्च लेना होगा। अब पैन्टके सामना भागके हिस्सासे कमर का नाप ८½ इञ्च पहलेके १७ इञ्चसे बाद देकर जो बचा, ए से ठीक उतना ही इञ्ची दूर पर सी दाग दो। सी और च चित्रके ऐसा जोड़ करके च से छ जोड़ दो। १½ से छः पौन इञ्च नीचे है।

सी से ३ चार इञ्च ऊपरमें। ३ से १४ दो इञ्च दूर पर। १४ से १५ दो इञ्च ऊपर में। ए, १५, ३ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो। ए से ३ इञ्च दूर पर प का दाग देकर प से पांच इञ्च नीचे तक दाग देकर फ रखो। उसके बाद प और फ ठीक ब्राइकेटके ऐसा बनाओ। इसके बीचका फांक आधा इञ्च होगा।

इसके पीछा भागसे कपड़ा काटनेके समय ए, बी, क, ख, और ३, १½ १, २ रेखाके बगलमें १ इञ्च अधिक कपड़ा लेकर काटोगे अभी एक सामनाका और एक पीछाका लेकर सिलाई करनेके लिये आरम्भ करो। ए, बी, क, ख रेखाको पैन्टका बगल कहते हैं— १½-१-२ रेखासे कम। और ३ सी और १½ रेखाको म्याना कहते हैं। सिलाई करनेके समय पहले बगल उसके बाद सेकम तब फ्लाइ, काजपट्टी, बटन पट्टी सिलाई करोगे। इसके बाद म्यानाकी सिलाई करके फिनिश करना होगा।

पैंट काटने पर हमारे सामने दो भाग आगेका दो भाग पीछे का है। पीछेके दो भागको अलग करके बिछाओ अब दोनों पिछले भागके ऊपर अगला भाग रखकर सिलाई करना होगा।

सामना भागके ८, ६, क, ख, रेखा पीछा भागके ए, बी, क ख

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

रेखाके ऊपर सिलाई करना होगा। यही बगल सिलाई करनेके पहले ८ से ६ तक सिलाई होगा। उसके बाद ६ से ६ इञ्च परिमाण नीचेके पाकीटका मुँह खुला होगा। यह पाकीट १४ इञ्च लम्बा और १४ इञ्च बगल रखोगे। पाकीटके लिये मुँह खुला रखकर बाकी सब सिलाई कर दोगे।

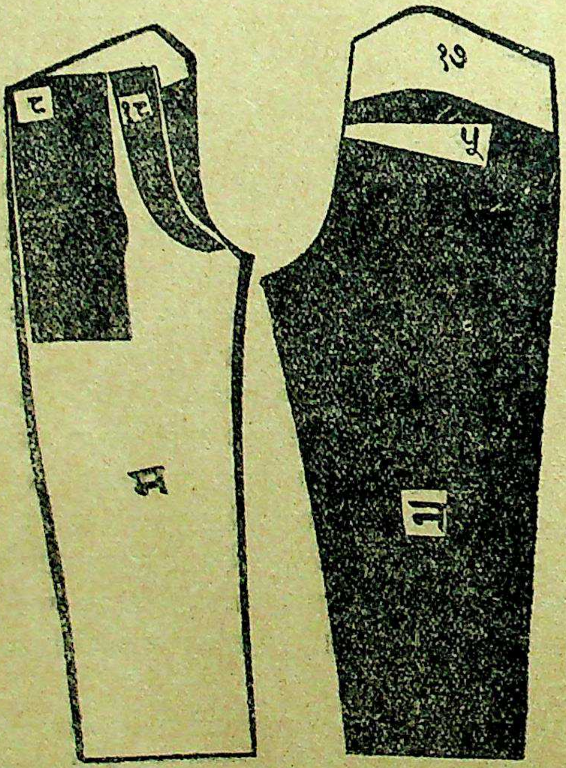

"म" सामना भाग। "ग" पिछला भाग।
८ पाकेट। १८ ढाई। ५ स्ट्राप १७ सिंवा।

कटे हुए पतलूनका चित्र नं० १२

सामना भागके च, घ, ग रेखा पीछा भागके १६ १,२ रेखाके

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

ऊपर रखकर सिलाई करोगे। इसके बाद दाहिना सामना भाग में बटन पट्टी (फ्लाई) और बाएँ सामना भागमें काजपट्टी लगा दो।

पैंटके पिछले भागमें दो स्ट्राप लगाओ। इसके एकमें वेकलेस रहेगा। अब दोनों हिस्सा (म्याना) को इकट्ठा करके दाग के ऊपर से सिलाई कर दो। म्याना जोड़ने के पहले कमर के ऊपर के जगह को तीन इं० चौड़ा लंक्लाथ की एक पट्टी से जोड़ दो। इसको सिस्तका पट्टी कहते हैं। म्याना जोड़ देनेके बाद फोल्डिंग को उलटकर सिलाई कर दो। इस समय देखोगे कि दोनों पैर ठीक बराबर लम्बा है।

पैंट काटकर जो चित्र में दिखलाया गया है उसमें एक हिस्सा म है और एक हिस्सा न है। सामने भागका "म" सफेद कपड़ा, पिछले भागका "न" काला कपड़ाके ऊपर रक्खा जाना है। उसी चित्रमें देखो। ८ पैकेटका, १८ फ्लाईका। "न" पीछा भाग १७ सिस्ती का कपड़ा किस जगह कैसे जोड़ा जाता है वही दिखलाया गया है। ५ पीछाका स्ट्राप है।

करपुलेन्ट वा सेमी करपुलेन्ट पैन्ट

पैंटके नापमें यदि किसीके पीछाका नाप और कमरका नाप बराबर हो तब उसको सेमी करपुलेन्ट नाप कहते हैं और यदि पीछाके नापसे कमरका नाप बड़ा हो तब उसको करपुलेन्ट फीगर (Figure) कहते हैं। इस तरहका नाप होनेसे समझना चाहिए कि यह आदमी तोंदवाला या बड़ा पेटवाला है।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

नाप—लम्बाई ४२, पीछा ३६, कमर ३६, घुटना २०, मोहरी १८। लम्बाईके नापसे १ इञ्च अधिक लेकर ० से ४२ रेखा खीचों।

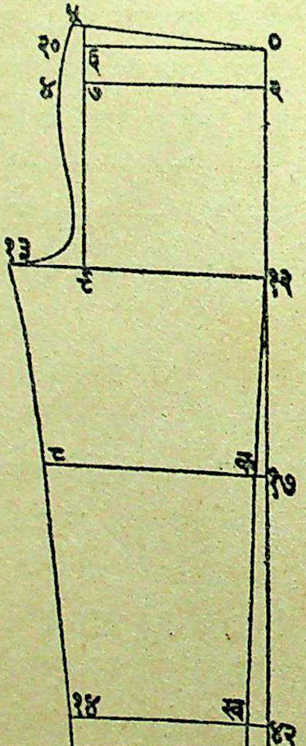

करपुलेंट पैंटका चित्र नं० १३

० से १२ पीछाका नाप ३६ का ⅓ बारह इञ्च और १ इञ्च सब १३ इं०। साधारण पैंटमें देखा था कि पीछाके नापका

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

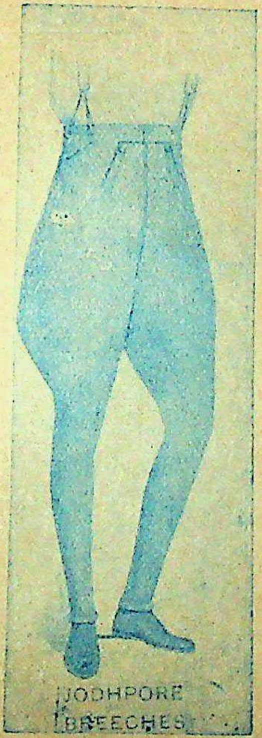

जोधपुर ब्रिचेज़

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

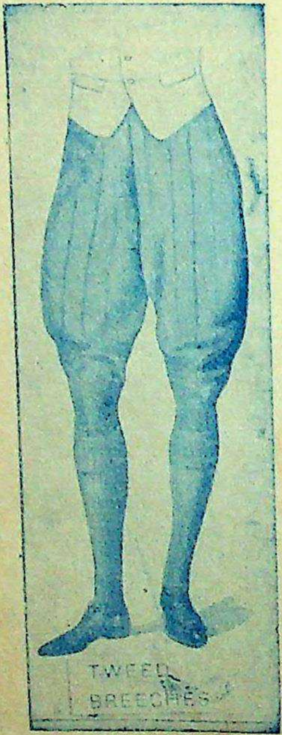

ट्वीड ब्रिचेज़

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

; ऊँचा (High) रक्खा गया है। जब कभी करपुलेन्ट या सेमी करपुलेन्ट शरीरका होगा तब बड़ा एक इंच अधिक रखना होगा।

१२ से ४२ जितना लम्बा है उसके आधासे २ इंच ऊपरमें १७ रक्खो। यह जगह ठीक साधारण पैंटके ऐसा। १२ से पीछाके नापका ; बारह इञ्च और १ इञ्च अधिक १३ इञ्च दूर पर १३ रक्खो। १३ से ६ हुआ १२ से १३ जितना है उसका चार भाग के एक भाग दूर पर।

६ से ६ तक सीधी रेखा खींचो। ६ से ५ एक इञ्च दूर, ६ से पौन इञ्च दूर और ७ से १ इं० दूर पर यथाक्रम २० और ४ रखकर चित्रके ऐसा जोड़ दो। ६ से १ इञ्च दूर पर ५ रखकर ० और ५ जोड़ दो।

क से घुटनाके नापका आधा और आधा इं० सब १०; इं० दूर पर ८ रक्खो।

ख से मोहरीके नापका आधा और आधा इं० सब ६; इं० दूर पर १४ रक्खो।

१३, ८, १४ चित्र के ऐसा जोड़ दो। इसके नीचे पांच इं० अधिक रखकर काटलो।

इसका पिछला भाग ठीक साधारण पैंटके ऐसा होगा।

राइडिंग ब्रिचेज़

ब्रिचेज़ दो तरहका होता है। राइडिंग (घोड़सवार) ब्रिचेज़ और जोधपुर ब्रिचेज़। राइडिंग ब्रिचेज़ जोधपुर ब्रिचेज़से ६ इं०कम होना चाहिये। इसके घुटनासे नीचेका हिस्सा चूड़ीदार पैजामाकी

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

तरह कसा हुआ (टाइट फिटिंग) होना चाहिये। यह चीज कड़े खाकी या मोटा कपड़े का होना चाहिये।

नाप—कमर ३१, शिट ३८, हाई १२½ से कम घुटना तक १३, घुटना १४¾, घुटनाके नीचे १३ काफ १४½, मुहरी १२।

सामनेका भाग

० से ४ तक ऊपरसें एक लाइन खींचो। ० से १ शिटके नापका ¼। ० से २ भी उतना ही है। २ से ३ शिटका ¼ ०से ४ हाईके नापका बराबर। ४ से २ इं० नीचे ५ रखकर ४ और ५ से चित्र की तरह दो सीधा लाइन खींचो। ०से ६, ६¼ इं० ऊपर। अब ६ और १ चित्रके ऐसा जोड़ दो। २ से १¼ इं० नीचेमें ८ रक्खा। ८ से १३ इं० नीचेमें लाइन खींच कर ९ रक्खो।

९ से १० दो इञ्च नीचेमें। १० से ११ तीन इं० नीचेमें। ९ से घुटनाके नापका ¼ की दूरी पर १२ रखकर चित्रके ऐसा जोड़ दो। १२ से चित्रकी तरह १४ तक १२, १३, १४ लाइन खींचो।

१२ से घुटना ½ नापका आधा दूर पर १५ रक्खो। और १३ से घुटनाके नीचेका इनापका आधा दूर पर १६ रक्खो। १४ से काफके नापका आधा दूर पर १७ रक्खो। अब १ ¼से १५, १५ से १६, १६ से १७ चित्रके ऐसा जोड़ दो।

५ से कमरके नापका ¼ और ½ इं० अधिक लेकर १८ रक्खो। ३ से १½ इं० दूर पर १९ रक्खो। इन सबको चित्रके ऐसा जोड़ दो।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

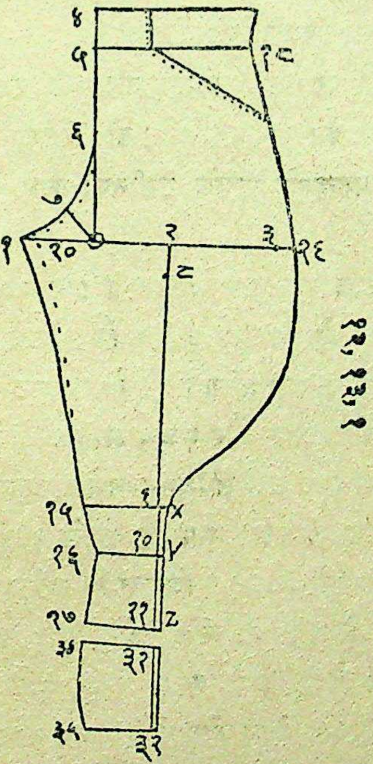

चित्र नं० १४

पीछे का भाग

पहले १ से १½ इं० दूर पर २१ रक्खो। सामना भागके ६ से ½ इं० दूर २२ रक्खो। अब २०, २२ एक सीधा रेखा खींच कर २३ तक ऊपर ले जाओ। २४ से ए कमरका ¼ और १½ इं०

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

ज्यादा। १६ से २५, २½ इञ्च। २५ से डी तक एक सीधी लाइन खींचो। अब डी, २४, २५ चित्रके ऐसा जोड़ दो। २३ और डी सीधी लाइन खींच कर चित्रके ऐसा जोड़ दो।

२३ से २ इंच दूर पर उसी लाइनके ऊपर बी रखो। बी से १½ इंच ऊपर सी रख कर २५, सी, और डी चित्रके ऐसा जोड़ दो। इसके ऊपरमें पतलूनके पीछेके टेकीनकी तरह एक टेकीन लगाओ।

१५ से २६ घुटनाका पूरा नाप और एक इंच अधिक लेकर जितना होगा, वह १५ से जितना अधिक होगा उसे बाद देकर जो रहेगा उतना ही ठीक नाप होगा। १६ से २७ घुटनाके नीचेका जितना नाप है, घुटनाका नाप और १ इंच अधिक लेकर जितना होता है उसीसे १६ से बाद करनेसे जितना बचेगा उतना ही होगा।

१७ से २८ काफका जितना नाप है उससे १ इंच अधिक लेकर जितना होगा उसीसे १७ से z जितना है उतना बाद देकर जो बचेगा उतना ही होगा। टेकिनके लिये ६ से १ इंच नीचेमें एक दाग दो २६ से २६ एक इञ्च दूर। ३०, १६ से ½ इंच दूर पर। अब सबको चित्रके ऐसा जोड़ दो। अब नीचेका हिस्सा देख लो। ३१ से ३२, ४½ इंच। ३१ से ३३ काफके नापका ¼। ३३ से ३४, काफके नापका ½। ३२ से ३५ मोहरीके नापका ¼। ३४ से ३६ काफके नापसे १ इञ्च अधिक लेकर जितना होगा उसीसे सामना भागमें काफमें जितना है उतना बाद देकर जो बचे उतना ही होगा। ३५ से ३८ मोहरीके नापका ७ में १ इंच

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

जोड़नेसे जितना होगा उसीसे सामना भागके मोहरीमें जितना, है उतना बाद देकर जो बचेगा उतना ही मोहरी का नाप होगा।

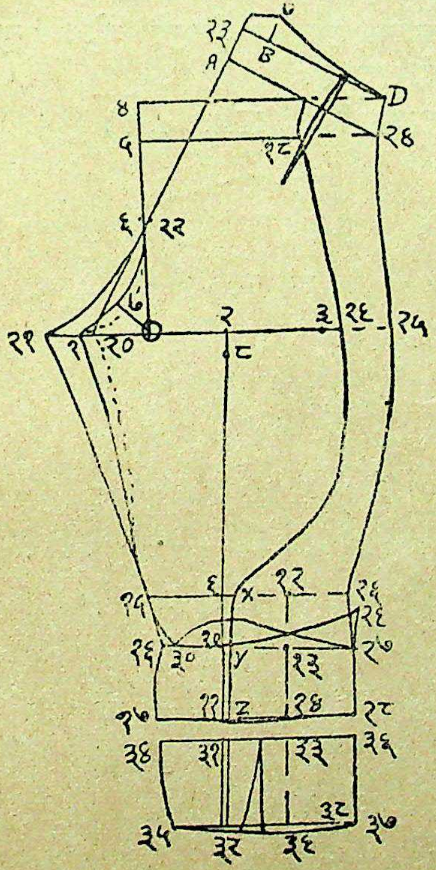

चित्र नं० १५

३२ से ३६ एक इञ्च दूर पर। चित्रमें जैसा एक टेकिन लगा हुआ है, वैसी ही टेकिन लगाओ। अब यह ब्रिचेज हो गया

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

इसके दोनों पैरों में घुटनासे नीचे खुला रहता है। इसके एकमें काजघर और एकमें बटन रहेगा। चित्रको देखो चित्रमें भी बटनका चिन्ह लगाया हुआ है। जोधपुर ब्रिचेजमें खुला नहीं रहता पूरा सिलाई रहता है।

हाफ पैन्ट (Half pant)

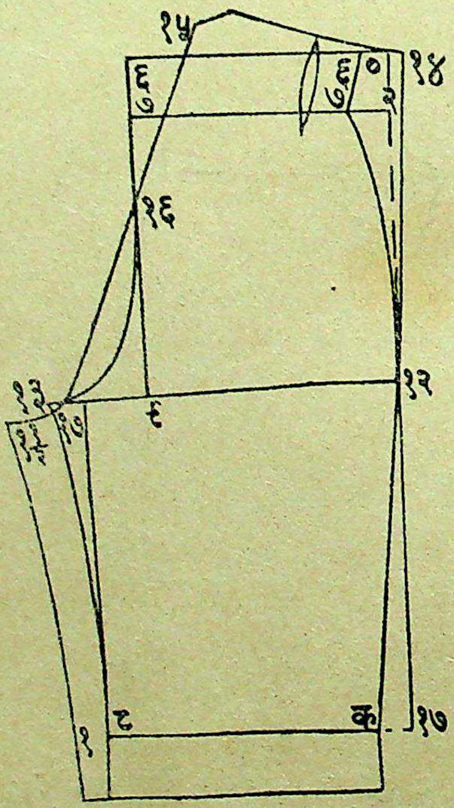

चित्र नं० १६-१७

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

हाफपैन्ट ठेहुना तक लम्बा होता है। इसका ठेहुना कुछ अधिक चौड़ा रहता है। ठीक करपुलेन्ट पैन्टके नियम से यह पैन्ट काटना होगा लेकिन उसमें २०,४ रेखा जिस तरह टेढ़ा है उस तरह न होकर साधारण पैंटके ऐसा इस जगह पर जिस तरह शेप है उसी तरह शेप होगा। लेकिन यदि करपुलेन्ट होगा तब इसी तरह शेप होगा।

अमेरिकन प्लासफोर

साधारण इंगलिस पैन्टसे इसमें ऊपर (लम्बाई) में फर्क है। अधिकतर पैन्टकी लम्बाई को साधारण पैन्टके ऐसा बनाना होगा। साधारण पैन्टकी लम्बाई पीछेके नापका $\frac{3}{4}$ रहता है। इस जगहमें लम्बाई उसके $\frac{3}{4}$ से २ इञ्च कम करके यही २ इं० एक अलग बैन्ड या पट्टी रखकर बराबर करना होगा।

१ से ३० लम्बाईका नाप ३८ से २ इं० कम करके। १ से ० हुआ पीछाका $\frac{1}{3}$ से २ इं० कम। १ से २२ जितना है उसका बराबर तीन भाग करके चित्रके ऐसा दो भागमें दो टेकिन लगा दो। इसी टेकिनको सिलाई करनेसे सामना भागका शेप ठीक होगा।

सामना और पीछाका कमर नाप करके दोनों भागके लिये दो पट्टी काटो। इसका कमर है ३६ इं०। उसका हुआ १, २२, १०, ५, जोड़नेसे जितना हुआ ठीक उतना ही इं० लम्बा करके एक बैन्ड काटो। बैन्डके सामनाका चौड़ा $2\frac{1}{2}$ इं० काटो और पीछे भागमें २ इं० रक्खो। उसके बाद सिलाई करके सामना

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

में २ इं० और पीछेमें १½ इं० रक्खोगे। यही बैन्ड काटकर सामना और पीछा सिलाई करनेके बाद दोनों तरफ जोड़ दोगे। बैन्डके सामने भागमें दो बटन और काजघर बनाओ। तब अमेरिकन पैन्ट होगा। इसके दोनों बगलमें ठीक बैन्डके नीचे स्ट्राप लगाओ। इसको साइड (बगल) स्ट्राप कहते हैं।

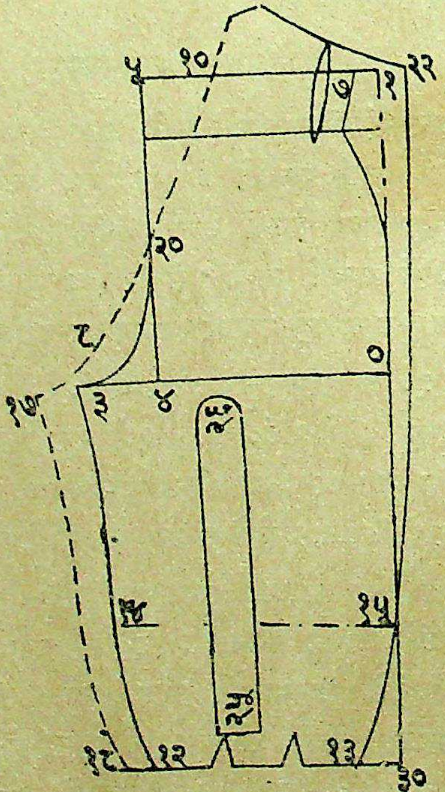

चित्र नं० १८

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

ड्रेसिंग पैंट (Dressing paint)

इसको ठीक साधारण पैन्टके नियमसे काटना होगा। इसके नीचेमें कोई फोल्डिग नहीं होता है साधारण पैन्ट जितना ढीला रहता है यह पैन्ट उससे कुछ कम ढीला रहता है।

वेष्ट कोट (Waist Coat)

सामनेका भाग (Front Part)

वेस्ट कोट तैयारी करनेमें पहले नाप जितना लम्बा होगा उससे १ इं० अधिक रक्खोगे।

यदि लम्बाईका नाप नहीं रहेगा तब सेस्तके नापसे सामने भागमें लम्बाई ६ इंच बड़ा रखना होगा। वेस्ट कोटके लिये कपड़ा गर्म और सूती भी होता है। १२ गिरह अर्जका कपड़ा लेनेसे काम चल जायगा। यदि सूती कपड़ेका वेस्ट कोट होगा तब इसका पीछे का भाग सदा लंक्लौथका रहेगा। और जब गर्म कपड़ेका होगा तब इसका पीछेका भाग जिस रंगके कपड़ेका वेस्ट कोट होगा ठीक उसी रंगका इटैलिन कपड़ेका होगा। पहले सामने भागका ड्राइंग करना होगा।

नाप—सेस्त १६, सीना ३६, कमर ३२।

० से सेस्तके नाप १६ इंच से लम्बा और ६ इंच अधिक अर्थात् २२ इंच करके रेखा खींचकर उस जगह २२ रखो।

० से १६ इंच नीचे सेस्तके विन्दु तक १६ रखो। सोलहसे ३ इं० नीचे १९ रेखा १९ से २२ हुआ ३ इंच। इस जगह यदि

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

लम्बाईका नाप होता, वहाँ जहाँ तक शेष बिन्दु है अर्थात २२ तक। इसी २२ से ३ इंच ऊपरमें एक लाइन, और इस २२ से ३ इंच ऊपर १६ की जगह से एक लाइन खींचो।

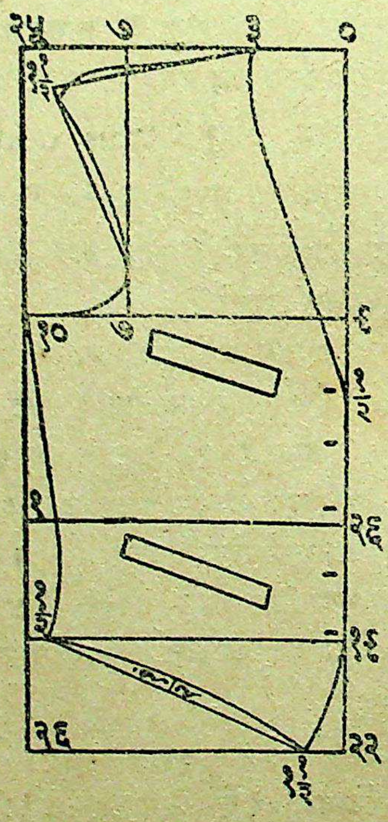

वेस्ट कोटका सामने भागका चित्र नं० १९

० से सीनाका ½, ६ इं० नीचे मोढ़ाका दाग काटकर बैठाओ।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

६ से सीनाके नाप ३६ का १/४=६ इं० और १ इं० अधिक १० इं० दूर पर १० रखो।

१० से सीनाका ,१/२, ३ इं० दूरपर ७ रखकर ७ से ऊपरमें ७ तक एक सीधा रेखा खींचो। उसके बाद देखो ६ से ७ जितनी दूर है ० से भी ७ ठीक उतना ही दूर है। ७ से सीनेके नापका ,१/२ ३ इं० दूर पर ३ रखो। ७ से १ इं० नीचे एक दाग देकर ३ और उस दागको एक सीधी रेखासे जोड़ दो ताकि वह रेखा ७ से १ १/२ इं० बाहर चला जाय।

६, ७ रेखाके ७ से १ ७/२ इं० ऊपरमें एक दाग देकर ८ रखो। अब ८ और १ ७/२ से एक सीधी रेखा जोड़ दो। ८ और १ ७/२ रेखा के ठीक बीचमें भीतरके तरफ १/२ इं० दूर पर एक दाग देकर ८ और १ ७/२ को एक गोल बना कर चित्रके ऐसा जोड़ दो। उसके बाद ८ और १० चित्रके ऐसा जोड़ दो। कपड़ा काटनेके समय इसी रेखाके ऊपरसे होकर काटोगे। २५ और २६ रेखासे १६ रेखाके ऊपर भीतरमें एक इं० दूर पर और १६ रेखाके ऊपर १/२ इं० दूर पर यथाक्रम १ और ३/२ रखो।

उसके बाद १०, १ और ३/२ ठीक चित्रके ऐसा शेप करके २२ से २२, और २६ रेखाके ऊपर १ ६/२ इं० दूर पर १ ३/२ रख कर ६/२ और १ ३/२ एक सीधी रेखा जोड़ दो। उसके बाद १ ३/२ और ६/२ रेखाके ठीक बीचमें भीतरसे १/२ इं० दूर पर एक दाग देकर १ ३/२ और ६/२ को टेढ़ा करके जोड़ दो। काटनेके समय इस रेखा के नीचे एक इं० परिमाणका कपड़ा (दबाव) मोड़नेके लिये रखकर

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

काटोगे। ९ के ठीक १½ इं० नीचे १½ रखो। ३ से आधा इं० भीतर दाग देकर १½ और उसी दागको पहले सीधी रेखासे जोड़ दो। उसके बाद उसी रेखाके बीचसे शेप करके चित्रके ऐसा ३ के साथ जोड़ दो।

३ से १½ तक वेस्ट कोटका ओपनिंग वा सीना खुला रहनेकी जगह। इसी जगह १९ से १½ के बीचमें ४ या ५ वटन रहेगा। यही तो सामने भागका कटा हुआ हो गया।

पीछे का भाग (Back part)

पहले ० से १९ इं० दूर पर ० और १९ रेखा खींचो।

० से १६ इं० नीचे १६ रखो। ० से ९ इं० नीचे मोढ़ाका दाग दो। ० से ३ इं० नीचे ३' रखो। अभी १६ से १ इं० दूर पर १ और १९ से आध इं० दूर पर ½ रख कर ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो। ५ से सीनाके नापका ¼, ९ इञ्च और १ इञ्च सब १० इञ्च दूर पर १० रखो।

१ से कमरका ¼, ८ इं० और १ इं० सब ९ इं० दूर पर ९ रखो।

½ से ९½ हुआ १ से ९ जितना है उससे १ इञ्च बड़ा। १ से ९ हुआ ९ इं० अभी उससे १ इं० अधिक हुआ १० इं०।

१०, ९ और ९½ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो।

० से सीनाका $\frac{१}{१२}$ ३ इं० दूर पर ३ रखो इसके पौन इञ्च ऊपर ¾ रखो। ० और ¾ चित्रके ऐसा जोड़ दो। सामने भागका ३ से १½ जितना है उससे पाव इञ्च कम करके पीछा भागके

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

$\frac{3}{4}$ से ६ रखकर $\frac{3}{4}$ और ६ चित्रके ऐसा जोड़ दो। उसके बाद ६ और १० चित्रके ऐसा जोड़ देनेपर पीछा भाग हो जायगा। पीछा

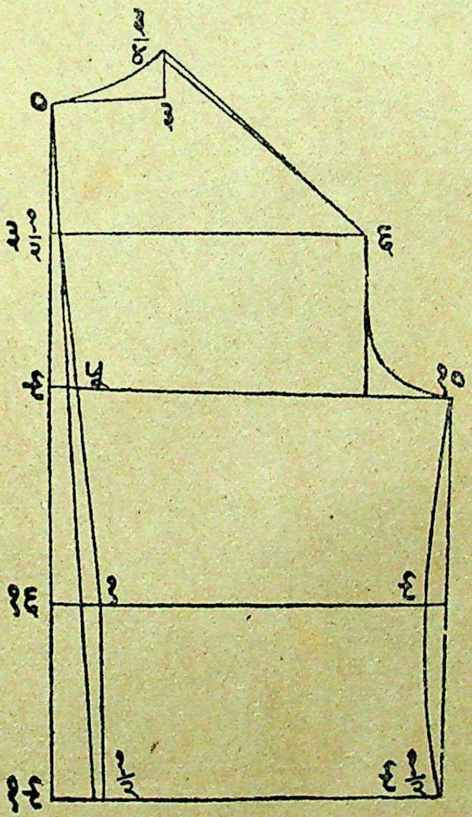

वेस्टकोटके पिछले भागका चित्र नं० २०

भाग काटनेके समय १० और ९$\frac{1}{2}$ रेखा और $\frac{1}{2}$ से (१९$\frac{1}{2}$) रेखाके बगलमें १ इं० परिमाणका कपड़ा अधिक रखकर काटना होगा।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

अब देखोगे वेस्ट कोटका कटा हुआ २ टुकड़ा सामना और २ टुकड़ा पीछाका हुआ है। अब इसको सिलाई करनेका तरीका बतलाते हैं। कटा हुआ वेस्ट कोटके चित्रमें देखो तब समझमें आ जायगा।

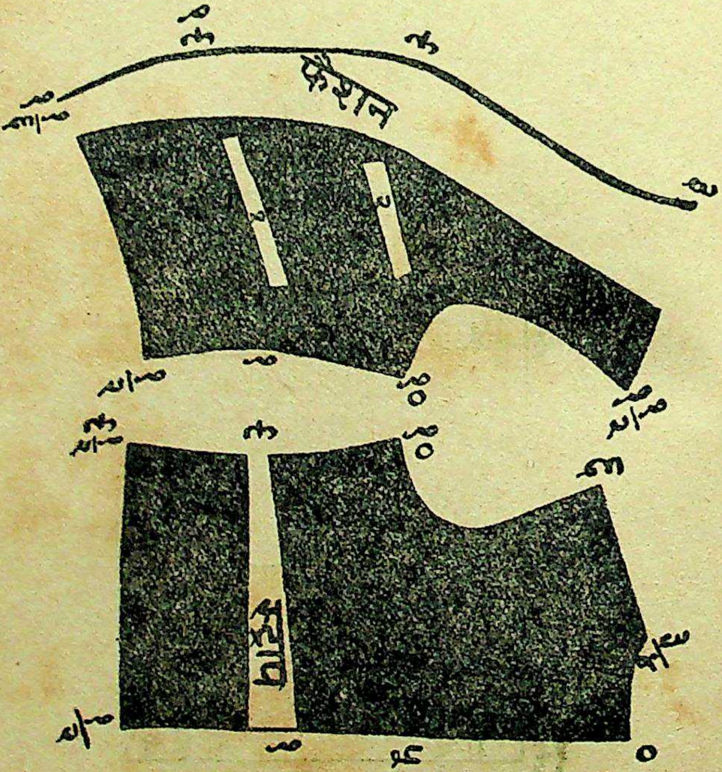

कटे हुए वेस्ट कोटका चित्र नं० २१

पहले सामना भागके पाकीटका दाग देकर पाकीटका मुँह काट कर पाकीट तैयार कर लो। उसके बाद सामना भागके लाइनको

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

डबल ब्रेष्ट कोट

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

FROCK COAT

फ्राक कोट

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

जोड़ दो। सामना भागके नीचेके पाकीटका मुँह ५ इं० लम्बा रखो। ऊपरके पाकीटका मुँह ४ इंच लम्बा रखो। पीछा भाग जोड़नेके पहले ०, ५, १, $\frac{१}{२}$ रेखाके ऊपरसे सिलाई करके पीछा भाग के दोनों टुकड़ोंको इकट्ठा कर लो। चित्रके तरफ देखो। पीछा भागमें दो बाँधने वाला लगाओ। इसके एकमें एक बकलेस लगाना होगा। पीछा भागमें दो स्ट्राप बराबर बराबर लम्बा रहता है। अब सामना भागके १०, १, $\frac{१}{२}$ रेखा पीछा भागके १०, ६, ६$\frac{१}{२}$ रेखाके ऊपर रख कर सिलाई कर दो। इसी समय दोनों बगलके ६$\frac{१}{२}$ से १$\frac{१}{२}$ इं० ऊपर तक दोनों मुँह खुला रहेगा। सामना भागके कंधाके १$\frac{१}{२}$ और ३ रेखा पीछा भागके $\frac{३}{४}$ और ६ रेखाके साथ सिलाई कर देना होगा। इसके बाद सामने दोनों भागके बाँया खण्डमें काज घर बनाकर दाहिना खण्डमें बटन लगाओ। पीछा भागके गलाके नजदीक क, ख, ग, घ, इसीके ऐसा एक टुकड़ा कपड़ा सिलाई करके देना होगा।

उसके बाद सामने और पीछाका कंधा जोड़ना होगा। तब देखोगे वेस्ट कोट सिलाई हो गया।

डबल ब्रेष्ट वेस्ट कोट

साधारण वेस्ट कोटके ऐसा इसका पीछा भाग काटना होता है। इसका सामना भाग ठीक साधारण वेस्ट कोटके ऐसा ड्राइंग करके मोढ़ाके ६ बिन्दूसे ३ इञ्च दूर पर और कमरके १६ बिन्दूसे २ इंच दूर पर दो दाग देकर एक सीधी रेखा जोड़ दो। उसके बाद ठीक चित्रके ऐसा ड्राइंग करके काटो। चित्र देखनेसे

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

सब समझ जाओगे। इसमें चार करके दोनों सामनामें बटन रहता है। बटनका दाग दिया हुआ है। उसी तरह ठीक बटन लगाना होगा। इसके दोनों सामने भागमें काजघर बनाना होगा

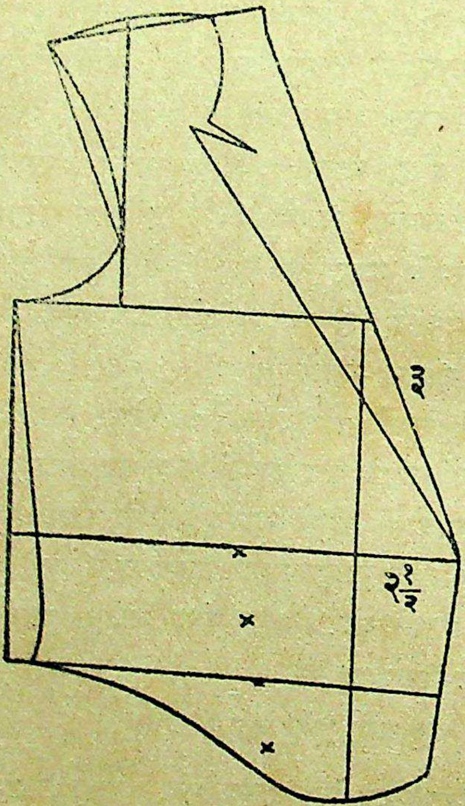

डबल ब्रेष्ट कोटका चित्र नं २२ ए

बाँया सामनाके ठीक ऊपरके बटनके साथ नीचे भीतर एक बटन लगाना होगा। दाहिना सामनाके खानाके भीतरमें रखकर इसी बटनके साथ लगाना होगा। नहीं तो ढीला रहेगा। इसमें तीन

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

तरह का कालर लगाया जाता है जो जैसा चाहता है वैसा बना दिया जाता है। इङ्गलिस कालर, रायल कालर या अमेरिकन कालर। यह साधारण वेष्ट कोट से लम्बाईमें १ इं० कम रहता है।

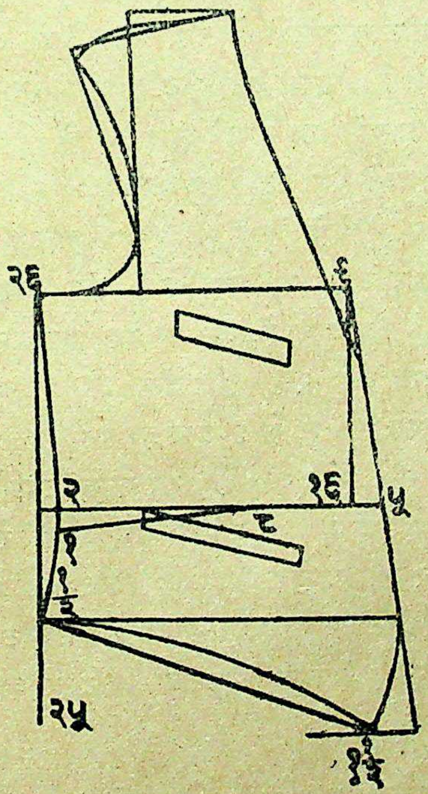

डबल ब्रेष्टकोटका चित्र नं० २२ बी

किसी-किसी आदमी के सीना और कमर का नाप बराबर होता है। ऐसे समय उसको सेमीकरपुलेन्ट (Semi-corpulent)

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

शरीर कहते हैं। यदि सीना के नापसे कमरका नाप बड़ा होगा तब उस शरीर को करपुलेन्ट शरीर कहते हैं। यदि इस तरहके शरीर का वेष्ट कोट काटना हो तो उस समय किस तरह काटा जायगा सो लिखते हैं। इस वेष्ट कोट के समय सेस्तकी बिन्दू १६ से पौन इञ्च बाहरमें एक दाग देकर ५ रक्खो। उसके बाद ६ और ५ ठींक चित्र के ऐसा टेढ़ी रेखा जोड़ दो। ६, ५, रेखासे नीचे १½ इं० दूर पर पहले के ऐसा १½ रक्खा हुआ है। पहले के साधारण वेष्ट कोट के २५, २६ रेखा से १ इंच और ½ इं० दूर था। इसमें १ को आधा इं० दूर पर रख कर ½ ठीक २५, २६ रेखा के ऊपर रख कर २६, १, ½ जोड़ दो। अब १ से १ इं० ऊपर में २ रक्खो। १६ से ४ इञ्च दूर पर ८ दाग देकर २ और यही दाग ८ सीधी रेखा जोड़ दो। तब कपूरलेन्ट या सेमीकर पूलेन्ट वेस्ट कोट तैयार होगा। १ और २ रेखा के बीच से ८ तक काट कर १ और २ रेखा का मुंह एक साथ मिलाकर सिलाई कर देना होगा। इसको टेकिन कहते हैं। साधारण वेष्ट कोट के ऐसा इसको काट कर ठीक नियमके अनुसार पाकेट वगैरह तैयार करना होता है।

डेसभेष्ट या डिनर वेष्ट कोट

(Dinner Dress)

डिनर वेष्ट का चित्र दिया हुआ है देखनेसे समझमें आ जायगा। इसीको ठीक साधारण वेष्ट कोट के ऐसा काटना

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

होगा। इसका पीछा साधारण वेष्ट कोट के ऐसा काटने से ऊपर की तरह तीन तरह का कालर दिखलाई देता है। यह वेष्ट कोट केवल डिनर शूट या ड्रेस शूटके साथ पहना जाता है।

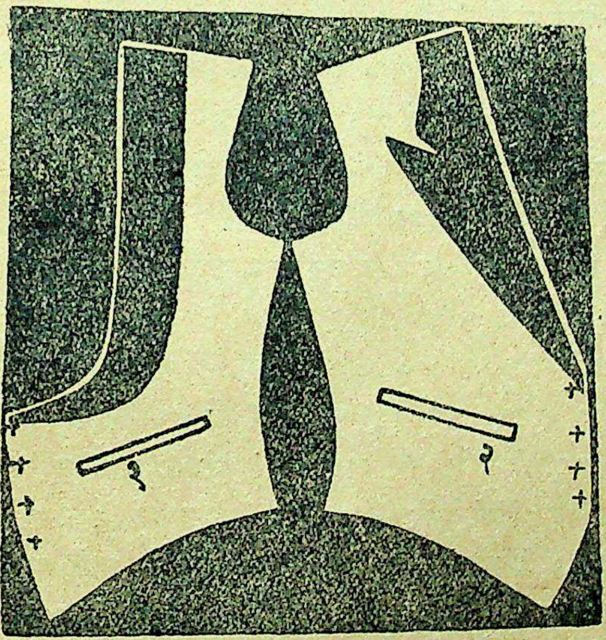

डिनर या डेसमेष्टकोट का चित्र नं० २३

कोट (Coat)

कोट खुला गला (Open breast) वा बन्द गला (Cape coller) इन्हीं दो तरहका होता है। शूट के साथ जो कोट व्यवहार किया जाता है वह खुला गला का होता

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

हैं। इसमें २ या किसी-किसी में ३ बटन भी रहता है। पहले ३ बटन रहता था परन्तु आजकल के शूट में २ ही बटन रहते हैं। कभी-कभी शूटमें बन्द गला कोट भी व्यवहारमें देखा जाता है।

जिस कपड़े का कोट होता है वह साधारणतः छोटा (Single) अर्ज का होता है अर्थात् २७ इञ्च चौड़ा या डबल (Double) अर्ज अर्थात् ५४ इंच चौड़ा रहता है। हम लोगों के देशमें कोट का सूती कपड़ा छोटा अर्ज २७ इञ्च चौड़ा होता है गरम कपड़ा डबल अर्ज याने ५४ इञ्च चौड़ा रहता है। जिस समय सिंगल अर्ज बाले कपड़ेका कोट होगा उस समय कपड़ा लगेगा डबल लम्बा, डबल आस्तीन और १ गज अधिक कपड़ा। सूती कपड़ेका कोट होने से उसको ६, ७ घंटा पानीमें भिगाकर उसको सूखने के बाद काटना चाहिये। कपड़ा पानीमें धोनेसे कम हो जाता है। इसलिये कोट या शूट तैयार करनेके पहले उसे पानीमें भिगा लेना चाहिये जिससे अन्तमें वह कम न हो जाय। गर्म कपड़ा नहीं भिगाया जाता लेकिन यदि फलालेनके कपड़े का बनेगा तब उसे पानी में भिगा लेना चाहिये। यदि सूती डबल अर्ज वाले का कोट होगा तब १ लम्बा १ आस्तीन और १/३ गज कपड़ा लेना होगा। यदि गर्म कपड़े का होगा तब १ लम्बा १ आस्तीन और ४ गिरह अधिक कपड़ा में काम चल जायगा। लेकिन जब सीना का नाप ३८ से बेशी होगा तब गर्म कपड़ा डबल लम्बा और सूती सिंगल कपड़ा में ४ लम्बा और १/२ गज अधिक कपड़ा लेना होगा।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

कोट काटने में लम्बाई से कुछ कुछ अधिक रख कर तब काटना होता है। नाप हुआ:-सेस्त १६, लम्बा २७, पुट ८, पु० आ० ३०, सीना ३६ ; कमर ३२। ओपेन ब्रेष्ट कोटके गलाके नाप लेनेकी कोई जरूरत नहीं है। कोट का कपड़ा यदि सिंगल अर्ज का रहेगा तब कपड़ेके लम्बाईको आधा डबल करके भांज दोगे। और यदि डबल अर्ज का होगा तब चौड़ाई के वीच से भांज कर दोगे। पहले पीछा भाग काटना होगा। कपड़ेका जिस तरह दोनों मुँह जोड़ोगे उसी जगह से काटना आरम्भ करोगे।

ओपेन ब्रेष्ट कोट

कपड़ेके किनारेसे आधा इं० दूर लम्बा या लम्बाके नापसे आधा इं० अधिक लम्बा रख कर ० और २७ रेखा खींचो। अब इसी सीधी रेखाके ऊपरसे सीध में रेखा खींचना होगा।

० से ३ इं० नीचे ३ रक्खो। जिस समय सीना का नाप कम वेशी रहेगा उस समय इसकी दूरी कम, वेशी करके रखना होगा। यही हिसाब करने से सबसे आसानी होती है ० से ३ इं० दूरी पर मोढ़ाका नाप ३/६। ० से मोढ़ाका नाप ६ इं० दूर पर ६ रक्खो।० से सेस्त का नाप १६ इं० दूर पर १६ रक्खो। १६ से १ इं० और २७ से १ इं० दूर पर यथाक्रम २ और ८ रक्खो। इस कोटका पीछा अवश्य वन्द रहेगा। और जिस कोट का पीछा खुला रहेगा उस समय २७ से आधा इं० दूरपर ८ रखना होगा। ८ से ६, ७ इञ्च ऊपर तक खुला रहेगा। ० और

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

८ ठीक चित्र के ऐसा जोड़ दो ताकि ६ रेखाके एक बिन्दूके नज़दीक से होकर काटा जाय।

० से सीनाका नाप ३६ इं० का $\frac{1}{12}$, ३ इं० दूर पर ३

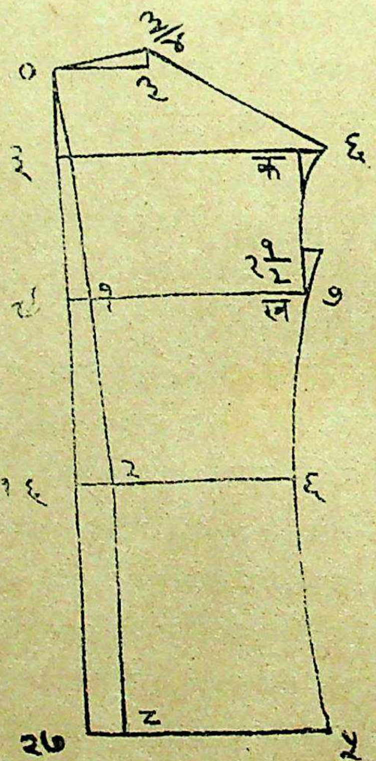

कोटका पीछा भाग चित्र नं० २४

रक्खो। ३ से पौन इं० ऊपर में $\frac{3}{4}$ रखकर ० और $\frac{3}{4}$ चित्र के ऐसा जोड़ दो। ० से पुटका नाप ८ इंच और $\frac{1}{2}$ इञ्च अधिक

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

सब ८½ इं० दूर पर ३ रेखा के ऊपर में दाग देकर ६ रक्खो। ६ से आधा इं० भीतर में एक दाग देकर क रक्खो। उसके नीचे में ६ और १ रेखा के ऊपर क, ख के बीच में एक लम्बा रेखा खींचो। ६ और क, ख रेखा चित्र के ऐसा जोड़ दो। ख से २½, २ इं० ऊपर है २½ से पाव इं० बाहर में दाग देकर ४ रक्खोगे २ से सीना का नाप ३६ इं० का ⅙, ६ इं० दूर पर सेस्त के रेखा के ऊपर ६ रक्खो। ८ से २ और ६ जितना है अर्थात् ६ से १½ इं० अधिक कुल ७½ इं० दूर पर ५ रखकर ४, ख, ६ और ५ चित्र के ऐसा शेष करके जोड़ दो। ३/४ और ६ रेखा चित्र के ऐसा जोड़ दो। अब इस चित्र के साथ तुम अपना बनाया हुआ चित्र मिलाकर देखो कि ठीक हुआ या नहीं। कोट के पीछा का भाग अब शेष हो गया। अब कैंची लेकर ० और ३/४ रेखा के ऊपर आधा इं० अधिक कपड़ा मोड़ कर सीने के लिये रखकर काटना होगा। उसके बाद ३/४ और ६ रेखा काटो ६ से ५ तक ठीक रेखा के ऊपर से काट कर ६, ख और ५ रेखा के ऊपर से काट लो। उसके बाद ८ और ५ रेखा के नीचे १½ इं० अधिक कपड़ा रख कर लेने पर पीछा भाग हो जायगा। अब ८, २, १ और ० रेखा के ऊपर से सिलाई कर देने से पीछा भाग का जोड़ हो जायगा।

कभी-कभी एक सलग कपड़ा से पीछा भाग काटा जाता है। पीछा के बीच में जोड़कर सिलाई करने ही से शेप अच्छा होता है। जिस समय सलग कपड़े का पीछा काटा जायगा उस

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

समय पीछा कुछ छोटा काटना पड़ेगा नहीं तो शरीर में अच्छी तरह नहीं बैठेगा। यह अवश्य ख्याल रखना चाहिए।

सामना भाग (Frount Part)

हमने कपड़े के जिस स्थान से पीछा भाग काटा है ठीक उससे उल्टा भाग में जो कपड़ा पीछे का बचा हुआ है उसीमें से सामने भाग का ड्राइङ्ग करके काटना होगा। इस समय उस कपड़े के किनारा वा पाड़ से आधा इञ्च दूर पर लम्बाई का नाप बराबर करके अर्थात् ० और २७ रेखा को बराबर करके १, ७ रेखा खींचना होगा। १, ६, ७ रेखा से १½ इं० भीतर में ८, ६ रेखा खींचो। इसी रेखा से नाप लोगे। १½ इं० बटन के लिये जगह रखो १ से सीना का नाप ३६ का १/१२ ३ इञ्च और १ इञ्च ४ इञ्च दूर पर नीचे ४ रखा होगा। १ से मोढ़ा का नाप ६ इञ्च नीचे ५ रक्खोगे।

१ से सेस्त का नाप १६ इं० नीचे १६ रक्खोगे। अब फीताके ऊपर सीना का नाप ३६ का आधा १८ इंच और २½ इञ्च अधिक सब २०½ इञ्च जिस जगह लिखा हुआ है उस जगह अंगुली से चांप कर धरो। उसके बाद इसी २०½ से पीछा भाग के १ से ७ जितना है उतना बाद देकर जितना बचेगा ८ से ठीक उतनी ही दूर पर ११ रक्खोगे। मान लो कि पीछा के १ से ७ हुआ ७ इञ्च। अब २०½ से यही ७ बाद देकर १३½ इञ्च है। या ८ से १३½ इञ्च दूर ११ रक्खोगे। तब देखोगे कि सामना भाग के सीना का नाप हुआ कुल सीना का आधा और २½ इञ्च

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

अधिक लेकर जितना होता है उससे पीछे भागका सीना बाद देकर जितना रहता है उतना ही हुआ।

९ से १० हुआ कमर का नाप ३२ इं० का आधा १६ इं० और

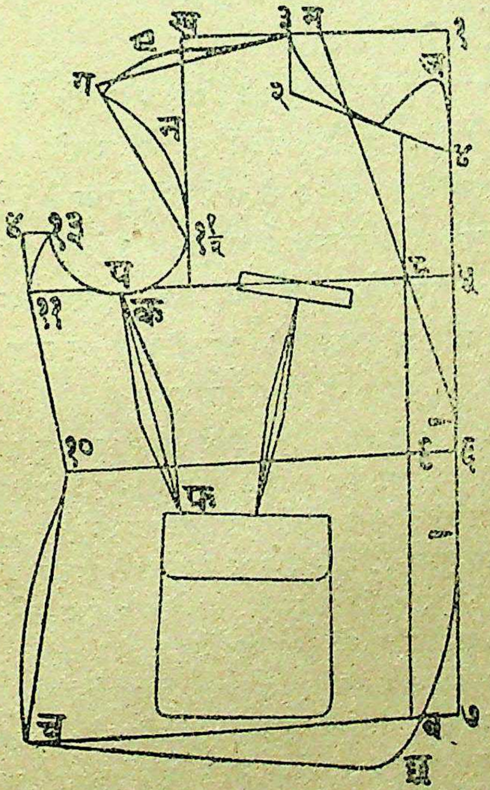

कोटका सामने भागका चित्र नं. २५

२½ इं० सब १८½ इं० से पीछाके कमरका हिस्सा २ से ६ इं० बाद देकर १२½ इं० बचेगा। इस जगहका नाप और सीनाका नाप बराबर होगा। या देखा गया ९ से १० हुआ १२½ इं०।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

० से च हुआ ६ से १० जितना है अर्थात् १२½ इं० उससे और ४ इं० अधिक १२½ और ४, १६½ इं० दूर पर देखोगे कोटके ऊपर सामना भागके दामनका घेरा हुआ सामना भागका कमर जितना है, उससे ४ इं० अधिक।

८ से क हुआ सीनाका नाप ३६ का ¼, ९ इं० से १ इं० कम करके जितना होगा अर्थात् ८ इं०। क से ऊपरमें क, ख एक लम्बी रेखा खींचो। अब ५ से क जितनी दूरपर है १ से ख ठीक उतनी ही दूर। ख से सीनाका नाप ३६ १/१२, ३ इं० दूर पर ३ रक्खो।

ख से १ इञ्च नीचे क, ख रेखाके ऊपर 'ए' एक बिन्दु लगाओगे। ३ और 'ए' एक सीधी रेखा खींचकर इस तरह जोड़ो कि वह रेखा क, ख रेखाको छोड़कर चली जाय।

पीछाके ३/४ से ६ तक नापकर देखो कितना इञ्च हुआ। जितना होगा उससे पाव इञ्च कम करके ३ से उतना दूर ३ ए रेखाके ऊपर ग बिन्दु लगाओ। मान लो कि पिछला भागके ३/४ से ६ हुआ ६½ इञ्च। उससे हुआ ६½ से पाव इञ्च कम करके अर्थात् ६¼ इं० धर कर ३ से ६¼ इञ्च दूरपर ग रक्खो, ग से पाव इञ्च नीचेसे चित्रके ऐसा बांका करके रेखा खींचकर ग और ३ जोड़ दो।

३ से २ इं० नीचे तक ३ और २ रेखा खींचो। ४ और २ एक सीधा रेखा खींचकर चित्रके ऐसा जोड़ दो। अब ४ और २ रेखा चित्रके ऐसा आधा गोला करके शेप करो। यही होगा गला। ११ से १½ इं० ऊपरमें ११ और १२ सीधी रेखा खींचो। १२ से आधा इं० दूरपर १३ रक्खो। क से १½ इं० ऊपरमें १½ रखकर ग और १½ एक सीधी रेखा जोड़ दो। ग और १½ इसके ठीक बीचसे भीतरमें आधा इं० दूरपर न रखकर ग, न और १½

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

चित्रके ऐसा एक रेखा टेढ़ा खींच कर प और १३ तक गोल करके चित्र के ऐसा जोड़ करके दिया है, यही हुआ बगलका जगह वा मोहरा।

३ से १ इञ्च दूर पर म और ६ से १ इञ्च ऊपर में एक दाग खींच कर म और वही दाग एक सीधा रेखा में जोड़ दो। इसी लाइन पर कालर उलटेगा। ४ से २ इं० ऊपर ज रखकर ४ और २ इसके बीच से ज बिन्दु चित्र के मुताबिक एक सीधी रेखा खींच कर जोड़ दो। तब यह अमेरिकन या डबल वेस्ट कालर हो जायगा।

प से १० इञ्च नीचे प, फ रेखा खींच दो। प और फ रेखा के बीच में दोनों तरफ आधा इञ्च दूरी पर दो दाग लगाकर प और फ चित्र के ऐसा जोड़ दो। (कोट के सामने का चित्र देखो) इसको टेकिन कहते हैं। प, फ रेखा को सीधा पकड़कर दोनों को एक साथ सिलाई कर दो। तब कमर के ऊपर का कपड़ा टेढ़ा होकर बदन के ऐसा शेप हो जायगा। हम लोगों के शरीर में कमर से शुरू होता है। कोट के कमर का स्थान बदन के ऐसा शुरू करने के लिये ऐसा टेकिन का जरूरत होता है। कोट के सामने में और थोड़ा शेप करने के लिये सामने पाकीट के बीच से बगल के पाकीट तक और वैसा ही थोड़ा छोटा बन जाता है। क्योंकि इसीसे कमर का शेप सुन्दर मालूम पड़ता है (चित्र देखकर समझ लो)।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

व से च पिछला भाग का ८ से ५ जितना है उसी के दो गुणासे २ इं० कम। अब च और १० एक सीधी रेखा खींचकर जोड़ दो। इसके बाद च और १० इसके ठीक बीचमें बाहरमें आधा इं० दूरी पर एक दाग खींचकर च और १० ठीक चित्र के ऐसा शेप कर दो।

६ से २½ इं० नीचे या ६ से १ इं० ऊपर जो दाग है उससे ३½ इं० नीचे एक दाग दो। ये दोनों दाग पर बटन और काजघर होगा। ऊपर के बटन तक कालरका भाँज होगा।

च रेखाके १ इं० नीचे ६ लगाकर नीचेके बटनके दागसे शेप करके चित्र के ऐसा च, छ तक बनाओ। तब सामने का ड्राइङ्ग हो जायगा।

कपड़ा काटनेके वक्त चित्र के बगलमें जो चिन्ह दिया हुआ है उतना कपड़ा लेकर तब काटो गलाके बगलमें आधा इं० मोहड़ाके बगलमें आधा इं० और बगल और दामनमें १½ इं० ज्यादा मोड़ने के लिये कपड़ा लेना होगा। कटा हुआ कोटका चित्र देखनेसे अच्छी तरहसे समझोगे। यही ज्यादा कपड़ा मोड़कर भीतर करना चाहिये। क्योंकि जरूरत पड़ने पर यही कपड़ा निकालकर कोटको बढ़ा सकते हैं। कोट काटकर सीनेके लिये जो सामना और पीछा रक्खा हुआ है उसमें देखनेसे मालूम हो जायगा कि कहाँ पर कितना ज्यादा कपड़ा रखना होगा।

आस्तीन (Sleeve)

सामना और पीछे काटकर जो कपड़ा बचता है उसीसे आस्तीन काटना होगा। आस्तीन एक ऊपरका और एक नीचेका

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

हो जायगा। पहले ऊपरका काटकर तब नीचे काटना होगा। कपड़ाके किनारेसे आधा इञ्च दूरमें ०, ३ सीधी रेखा खींचो। ० से मोहराके नापसे आधा इञ्च कम करके ० और ४ रेखा

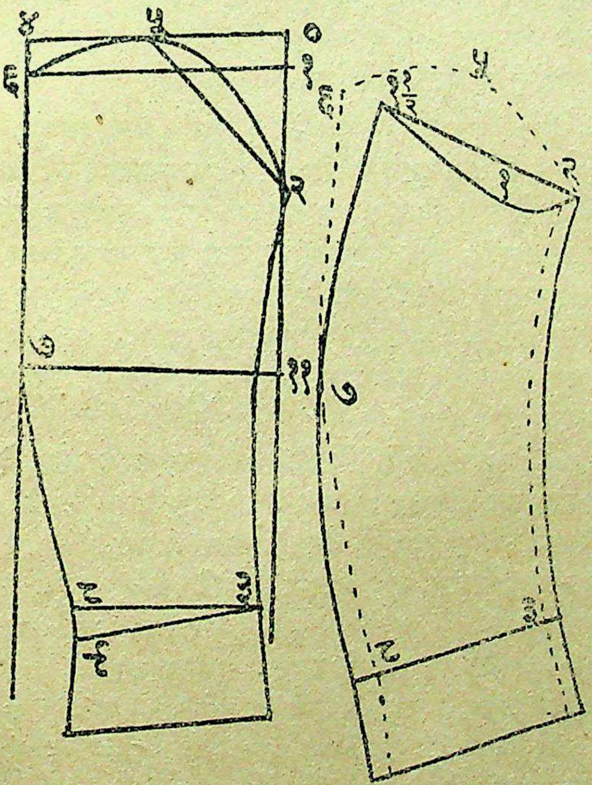

आस्तीनका चित्र नं० २६

खींचो। ०, ४ रेखाके बीचमें ५ बिन्दु रखकर पांचसे पुट आस्तीन का नाप ३० से पुट ८ बाद देकर जो २२ इञ्च बच जाता है उसीके

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

साथ और १ इञ्च ज्यादा लेकर अर्थात् २३ इञ्च लेकर २३ इञ्च नीचे ३, ८ रेखा खींचो।

३ से सीनाका नाप ३६ इञ्चका १/६=६ इञ्च और पौन इञ्ची एक साथ पौने सात इञ्च दूर पर ८ रखो।

८ से पौन इञ्च नीचे दाग देकर ६ लगाओ। ६ और ३ एक सीधी रेखा खींच कर चित्रके ऐसा जोड़ दो।

०, और ४ रेखाके १½ इञ्च नीचे १ और ६ रेखा खींचो।

६ से १ जितना दूर है उससे और १ इञ्च ज्यादा लेनेसे जितना होता है, ६ से ठीक उतना ही दूर पर ० और ३ रेखाके ऊपर दाग देकर २ लगाओ ६ और २ एक सीधी रेखा बना कर खींच दो।

६, ५ और २ ठीक चित्रके ऐसा आधा गोल करके जोड़ दो। २ और ३ के ठीक बीचसे ११ और ७ रेखा खींचो। ११ से १ इं० भीतर घुसाकर एक दाग लगाकर ३ और २ थोड़ासा टेढ़ा करके चित्रके ऐसा जोड़ दो।

६, ७, ८ और ६ ठीक चित्रके ऐसा शेप करके जोड़ देनेसे आस्तीनके ऊपरका ड्राइङ्ग हो जायगा। आस्तीन काटनेके वक्त जैसा लाइन बनाया हुआ है, वैसा ही काटा जायगा।

६ ओर ३ रेखाके नीचे भीतर मोड़नेके लिये २½ इं० कपड़ा ज्यादा लेना होगा। अब बना हुआ आस्तीनके उसी लाइनके ऊपरसे कैंची लेकर आस्तीनके ऊपरका भाग काट दो।

नीचेके आस्तीन काटनेके लिये बगलमें जो कपड़ा है उसीके ऊपर आस्तीनका ऊपरका भाग रख लो, जिसमें आस्तीनका किनारा कपड़ाके काटे हुए टेढ़े किनाराके साथ मिल जाय। चित्र देखनेसे सभी बातोंको पूर्णतया समझ जाओगे।

चित्र देखनेके समय २ और ३ रेखाके बाहरमें आधा इंच दूरपर और ६, ७, ८ और ३, २ रेखा १ इं० दूर पर बिन्दु बिन्दु

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

बनाकर रेखा बना हुआ, नीचेका कपड़ा इसी लाइनके ऊपर काट डालो। आस्तीन सोने के समय वही ज्यादा कपड़ा मोड़कर सीना होगा। ऊपर का आस्तीन नीचेके आस्तीन के साथ सिलाई करते समय ऊपरका आस्तीन नीचेके आस्तीनके ऊपर रखकर ७के ऊपर पकड़ लो। ६ से नीचेके भागके ऊपर १½ इञ्च दूर पर १! तक ६ बिन्दु तक खींचनेसे ६ और ७ रेखा जैसा टेढ़ा हो जाता है ठीक वैसा ही ६ और ७ सिलाई करना होगा।

२ और १½ एक सीधी रेखा में जोड़कर चित्रके ऐसा १½ और २ को शेप कर इसी रेखाके ऊपरसे काट दो।

दूसरा किनारा जैसा है वैसा ही सीना होगा। दोनों बगलमें जो ज्यादा कपड़ा है उसको मोड़कर सिलाई कर दो। नीचेमें जितना कपड़ा अधिक हैं उसको भांज करके भीतरमें सी दो। तब यह आस्तीन तैयार हो जायगा।

अब कोटका सामना, पीछा, फैशन, पाकेट कैसे जोड़कर सीना होता है सो देखो। सीनेमें कुछ कठिनाई है। खूब ध्यानसे उसे देखना चाहिये। शूट और कोट जो कुछ काटना हो पहले उसे कच्चा करके पहना कर देखनेको ट्रायल कहते हैं। इसी समय पर देखना चाहिये कि इसमें वहां डिफेक्ट (गलती) है। जितनी त्रुटि हो उस जगह खड़िया मिट्टीसे दाग देकर ध्यानसे उस त्रुटि को ठीक करनेका विचार करना चाहिये। बदनमें ज्यादा त्रुटि रहने पर ठीककर लेनेके बाद एक बार फिर ट्राई कर (पहनाकर) देखना चाहिये। जब उसमें कोई त्रुटि न मालूम पड़े तब उसका पक्का सिलाई करना चाहिये।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

कुर्त्ता, कमीजमें विशेष खराबी नहीं मालूम पड़ती है। क्योंकि ये सब ज्यादे ढीले हैं इसीसे विशेष खराबी नहीं मालूम पड़ती है। कोट, पैंट, वेस्ट कोट जिन्हें शरीरमें अच्छी तरह फिट होना चाहिए उनमें यदि दोष रह जायगा तो वह दक्ष दर्जी नहीं

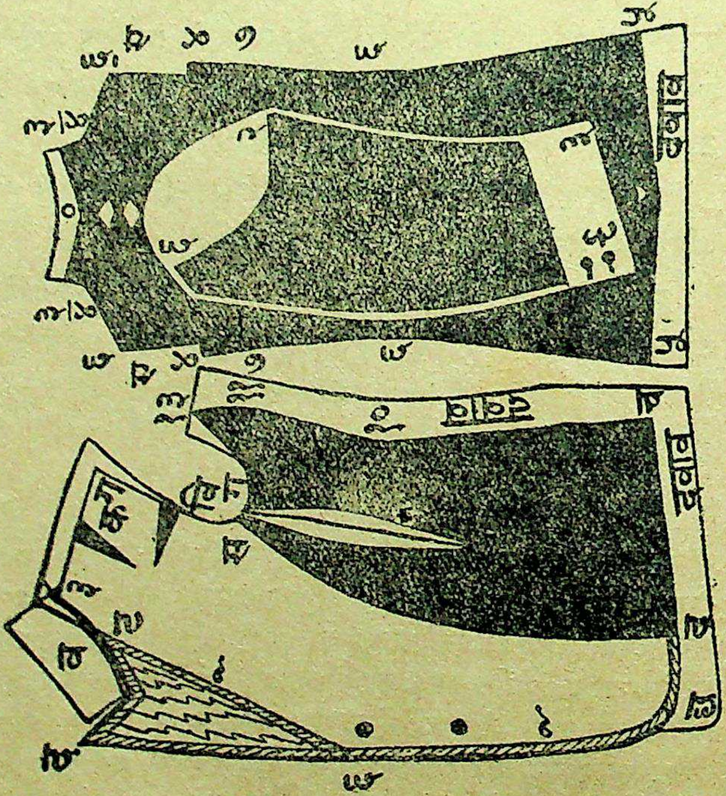

कटे हुए कोटका चित्र नं० २७

कहा जायगा। इसी वास्ते इस तरहका कपड़ा तैयार करनेके पहले ट्रायल कर लेना चाहिये।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

कोट काटकर दो सामना दो पीछा लो। अब पीछाको ०, २, ८ पीछेके ठीक बीचके लाइनके ऊपर सिलाई करो। तब देखो कि ठीक वेस्ट कोट के पीछा के ऐसा दोनों भागका एक साथ जोड़ हो गया। अब सामना भागमें जिस प्रकार विन्दु रेखा अंकित है वैसा बाकी कपड़ा से दो टुकड़ा द, ट, त, ग, स, द और छ ऐसा ही काटो। यही कपड़ा ऊपरसे लब पर सिलाई करके उलट कर अन्दर कर दो। इसको फैशन कहते हैं। इसीके साथ सूती कपड़ाका कोट होनेसे लट्ठा और कपड़ा गर्म होनेसे वकरम दोनों कपड़ाके अन्दर रखकर सीना होगा। जो टेकिन बना हुआ है उसीको सीधा रेखाके ऊपर पकड़कर टेढ़ा लाइनके ऊपर सीं दो। सामनामें ऊपर पॉकेट दोनों बगल पॉकेट बनाकर भीतरमें एक और पॉकेट बना दो।

बगल पॉकेट, लबसे ५ इञ्च छोड़कर बैठा दो। यह पॉकेट चौड़ा ७ इञ्च लम्बा ८ इञ्च नीचेका रेखा द, च से १½ इञ्च ऊपर पाकेट रहेगा। सामनेका पाकेट कंधाके तीन चिह्नसे १०॥ इञ्च नीचे। वी से १½ इञ्च दूर हटकर ४½ या ५ इञ्च चौड़ा मुख रखकर चित्रके ऐसा टेढ़ा करके सिलाई करो। सामने का इतना काम करके तब पीछाके साथ जोड़ना होगा। पीछा ४ ७, ६ और ५ रेखा सामनाका १३, १०, च रेखाके ऊपर रखकर सिलाई करके बाकी कपड़ा मोड़कर सिलाई होगा। उसके बाद पीछाका ५ और ६ रेखाके सामने ३ ग रेखाके ऊपर रख कर सिलाई करनेसे सामना और पीछा का जोड़ हो जायगा। अभी छ, द, च, ५, ८ रेखाके नीचे जो अधिक कपड़ा है उसे भीतर में उल्टा कर और मोड़कर भाँज करके सिलाई करो। तब दामन

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

सिलाई होगा। अभी मोढ़ा ६ ए, १३ ख, ग जो फांक मोहरा दिखाई देता है उसके साथ आस्तीन सिलाई करना होगा। अब हमारा सिलाई किया हुआ आस्तीन ६, ६, ३ और २ हुआ। इसका ६ और २ ऊपरका भाग मोढ़ाके साथ सिलाई करके ६ और ३ का मुँह नीचे रहेगा। आस्तीन जोड़नेके समय ६ दाग कोटके पीछासें ए, दागके ऊपर जोड़ देना चाहिये। २ दाग सामनामें बी दागके साथ जोड़ो। अब आस्तीनके भीतरका कपड़ा कोटके मोढ़ा ए, १३, ग और बी के साथ सिलाई करो। उसके बाद आस्तीनका ६ और २ रेखा मोढ़ाका ए, छ, ग, बी रेखाके साथ सिलाई करनेके समय जो अधिक कपड़ा है उसे थोड़ा मोड़कर सिलाई कर दो। तब आस्तीन तैयार हो जायग।

अब कालर बनाना होगा। कोटके आगामें जो दो दाग दिया हुआ है ठीक उसी जगहसे बाँया सामनामें दो काजघर तैयारो करके दाहिना सामनामें दो बटन लगाओ। उसके बाद द, भ, छ रेखाके ऊपर ज, ट और ५ का हिस्सा उल्टा दो।

केप कालर कोट (Cape collar Coat.)

केपकालर कोटनेके सीने समय गलाका नाप जरूरी है।

नाप—सेस्त १६, ल० २८, पु० ८, पु० अ० ३०, सीना ३६ कमरा ३२, गला १४। ओपेन ब्रेष्ट कोटका पीछा जिस तरह काटा जाता है उसी तरह पीछा कटेगा। ओपेन ब्रेष्ट कोट का पीछा वन्द रहता है किन्तु इसका पीछा प्रायः खुला रहता है और इसकी लम्बाई कुछ बड़ी रक्खी जाती है।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

० से पीछा जितना लम्बा है ठीक उसीको बराबर करके ० और २० तक रेखा खींचो। ० से सीनाके नापके ३६ इंच का

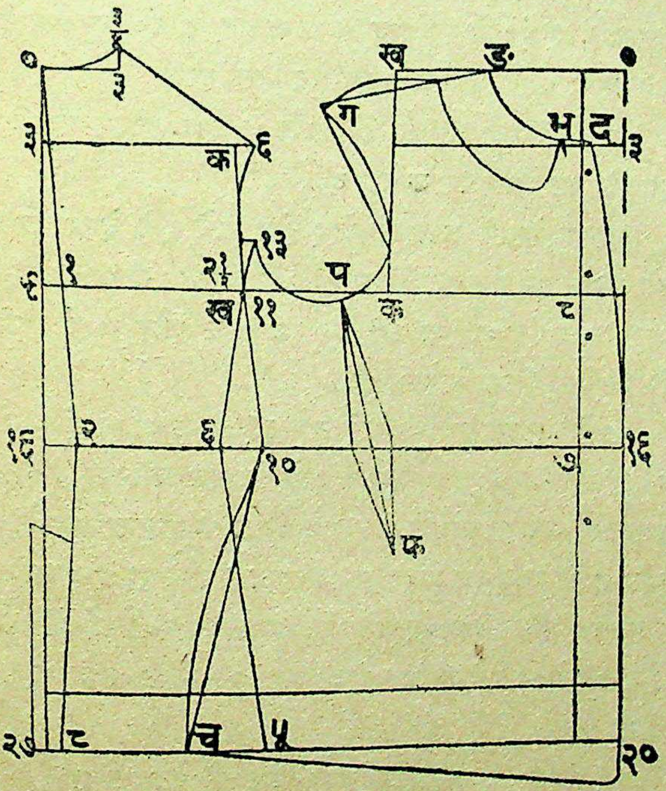

केप कालर कोट का चित्र नं० २८

¹⁄₁₂ भाग, तीन इं० दूर पर ३, मोढ़ाका नाप नौ इं० नीचे ८ और सेरतका नाप १६ इं० नीचे १६, रखकर रेखा खींचो। ० और १६ से १½ इञ्च दूर ८ और ७ रेखा खींचो और

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

तस्वीरको देखो। ८ से क, और ८ रेखासे ऊपर ख, खुला गला के कोट की तरह ऊपर भाग में सीना का नाप ३६ और उसका १/४, ९ इंच से एक इञ्च कम अर्थात् ८ इं० दूर पर है। क और ख को सीधी रेखा खींच कर मिला दो।

ख से सीनाका ३६ का १/१२ अर्थात ३ इञ्च हटकर एक दाग दो और उस जगह पर ङ बैठा दो।

क, ख रेखाके ऊपर ख से १ इंच नीचे दाग देकर ङ को उस दागसे इस प्रकार मिलाओ कि वह रेखा पीछा १/४ और ६ रेखासे पाव इंच=१/४ इञ्च कम हो। अब ङ और ग को ठीक चित्रके ऐसा मिलाकर बना दो।

८ से ११ तक हुआ सीनाके नाप ३६ का आधा १८ इंच, और २ १/२ इञ्च कुल २० १/२ इञ्च पीछाके १ से ख तक जितना है ठीक उतना ही कम। अर्थात् पीछाके १ से ख के सामना भाग के ११ और ८ को जोड़ कर सब होगा सीनाका १/२ और २ १/२ इञ्च अधिक। मानलो १ से ख तक ७ इञ्च हुआ, अभी सब २० १/२ इंचमें से ७ इंच बाद देकर बचेगा १३ १/२ इंच, तब ११ से ८ तक १३ १/२ इं० होगा।

कमरका नाप ठीक इसी हिसाबसे लेना होगा

७ से १० तक कमरका नाप हुआ ३२ इं० का १/२=१६ इंच और २ १/२ इं० सब मिलाकर १८ १/२ इं० हुआ। ० यहांसे पीछाका कमर २ से ६ तक, ६ इंच बाद देनेसे १२ १/२ इं० हुआ, याने ७ से १० तक १२ १/२ इं० दूर हुआ।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

१३, ११, १० और च ठीक खुला गला कोटके ऐसा बनाओ। ११ से १३ हुआ २$\frac{1}{4}$ इंच ऊपर।

२० से १ इंच नीचे दाग देकर २० और च ठीक चित्रके ऐसा बनाकर मिला दो।

ङ से सीनाके नापके जगहसे ३ इंच हटकर दाग दो। इसी दागको केन्द्र मानकर उसी दागसे ङ को व्यास मानकर ङ और द को गोल रेखा खींचो। यही रेखा गलाका स्थान होगा।

द से १ इंच दूर ङ रखकर ङ और द को ठीक चित्रके ऐसा मिला दो। अभी तुम्हारे फीताके ऊपर गलाका नाप १४ से १ इंच ज्यादा जो १५ होता है उसी १५ को ऊपरमें रक्खो। उसके बाद पीछा का ०,$\frac{3}{4}$ रेखा जो ३ इञ्च रक्खा गया है उस ३ इंच को बाद देकर ङ बिन्दु उस जगह ऊपरसे रक्खो और भ, द रेखाके ऊपरसे घुमाकर लाने पर जो ७$\frac{1}{2}$ होता है उसके ऊपर दाग देकर द को रक्खो।

द और १६ ठीक चित्रके ऐसा रेखा जोड़कर बनाओ। अब सामनाके ऊपरका हिस्सा द से १६ रेखा तक काटकर हटा दो और ऊपरका हिस्सा ठीक वैसा ही रहेगा।

द से आधा इञ्च दूर हटकर एक दाग देकर उस जगह भ को रक्खो। यही स्थान दोनों तरफके कालरका अन्तिम जगह होगा। यहाँसे ५ बटन होगा। उस जगह पर कभी हाई कालर या कभी केप कालर लगाया जाता है। इसकी सिलाई ठीक खुला गला कोटके ऐसी होती है।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

सेमी करपुलेन्ट कोट

पहले ही बता दिया गया है कि जिस मनुष्यका सीना और कमरका नाप बराबर रहता है उसीको सेमी करपुलेन्ट (Body)

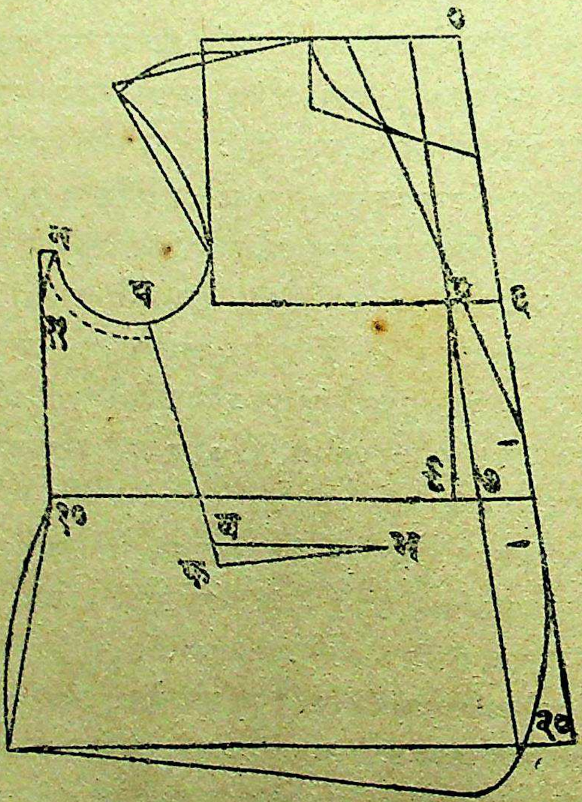

चित्र नं० २६

कहते हैं। साधारण कोटके काटनेके नियमसे इस कोटके काटने के नियममें जो फर्क पड़ता है वह नीचे दिया जाता है।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

नाप—सेस्त १६, लम्बा २७, पु० ८, पु० अ० ३०, सीना ३६, कमर ३६।

अब देखो इस जगह पर सीना और कमरका नाप बराबर है। इसका पीछा ठीक साधारण कोटके ऐसा काटकर रख दो। अब सामनाको देखो।

पहले ८ और ६ रेखाको लम्बा खींचो उसके बाद ६ से ३ पाव इञ्च दूर पर ७ रक्खो। ७ से १ १/३ इञ्च हट कर दाग देकर ० २० रेखा तक पहलेके पीछाके ऐसा बराबर करके खींचो। ८ और ६ रेखा ० और २० रेखासे १ १/२ इञ्च दूरी पर है। ८ से ११ तक सीनाका आधा और २ १/२ इञ्च अधिक लेनेसे जितना होता है उसमें पीछा बाद देकर जितना होता है वही रहेगा। ६ से १० तक कमर का १/३ और २ १/२ इञ्च अधिक लेकर जितना होता है उससे पीछाका कमर बाद देकर जितना बचेगा वही रहेगा। यह ठीक साधारण कोटके ऐसा होकर तब उसी जगहसे सेप ११ से १० तक टेढ़ा रेखा नहीं होकर सीधा रेखा दिखलाता है। पहलेके ऐसा टेकिनमें प, फ रेखा खींचो फ बिन्दी से ब १ इञ्च ऊपर रख दो। फ से ५ इञ्च हटकर भ रखकर फ और भ को सीधा रेखा खींचो। उसके बाद फ, भ, और ब, को मिलाओ। अब प से फ तक कैंचीसे काट दो। उसके बाद फ से भ तक काट दो।

अब फ को भ के ऊपर हटाकर फ, भ रेखा ब, भ रेखाके ऊपर उठेगा और ११, २ रेखा जिस स्थान पर न, प रेखा है

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

उस जगह उठेगा। अभी ११ और १० रेखाके ऊपरसे देकर काटो। फ, भ, रेखा ब, भ रेखाके साथ सिलाई करो और उस रेखाके ऊपर पाकेट लगाओ जो ऊपरसे दिखाई नहीं पड़े। पहले प, फ कटा हुआ रेखा सिलाई करके फिर फ, भ रेखा ब, भ के साथ सिलाई होगा। उसके बाद पहलेके ऐसा खुला गला कोट के सामनाके ऐसा सिलाई होगा। आस्तीन उसी तरह कटेगा।

करपुलेन्ट कोट (Corpulent Coat)

जिस समय किसी मनुष्यके सीनाके नापसे कमरका नाप वड़ा होगा उस समय उस शरीरको करपुलेन्ट कहते हैं। इस कोट के काटने के समय सेमी करपुलेन्ट कोट से जो फर्क है नीचे दिया जाता है।

नाप—सेस्त १६, लम्बा २७, पु० ८ पु० अ० ३०, सीना ३६, कमर ३८।

० सेस्तके नापके समान १६ इञ्च दूर हटकर ० और २ रेखा तक खींचो। ० से मोढ़ाका नाप ६ इञ्च ऊपर हटकर ७ रक्खो। २ से १ इञ्च हटकर ३ रखकर ०, ३ और १८ रेखा खींचो। उसके बाद ठीक ४, १७, १५ रेखा खींचकर मिला दो। ७ और ३ से १½ इञ्च हटकर ठीक १७ और ४ रखकर १७, १५ और ४ रेखा खींचो। ० से ५ तक साधारण कोटके सामनाका जिस तरह सीनाका ½ और २½ इञ्च अधिक लेकर उसके बाद पीछा

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

का हिस्सा बाद देकर जिस तरह नाप लिया है ठीक उसी तरह लेना चाहिये।

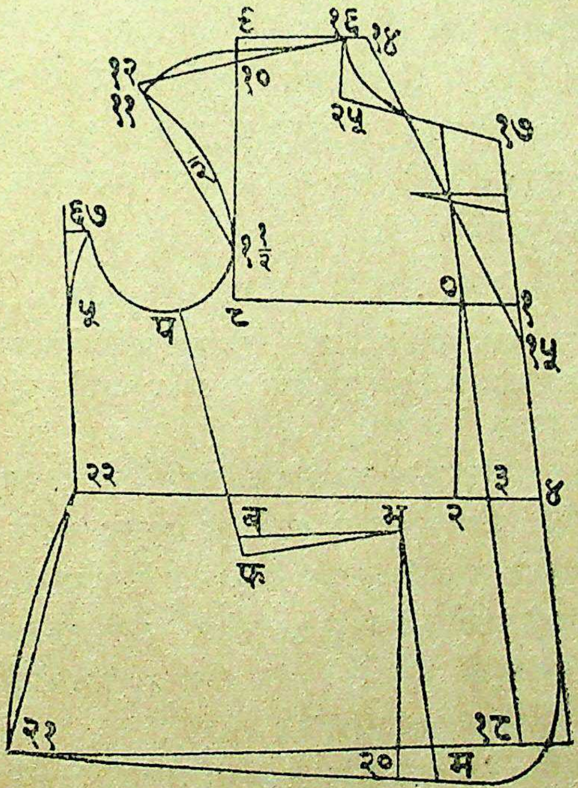

करपुलेन्ट कोट का चित्र नं० ३०

कमरका २ और २२ ठीक इसी प्रकार लेना होगा। उसके बाद सेमी करपुलेन्ट कोटके ऐसा प, फ, ब और भ का शेप

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

करके बनाओ। अब फ, ब रेखा से नीचे में फ, भ सीधी रेखा खींचो। उसके बाद म से १½ इञ्च हटकर २० रखकर भ और २० को सीधा रेखा खींचकर अभी म और २० के दोनों रेखा को एक साथ भ से सिलाई करो। यही सिलाई जो पाकेटके नीचे सिलाई होता है। १९ से २१ तक च से १० तक जितना है उसका दुगुना। उसके बाद सब साधारण कोटके ऐसा ड्राइङ्ग खींचकर बनालो।

डबल वेस्टकोट (D. B. Coat.)

इस कोटका पीछा भाग ठीक साधारण कोटके ऐसा बनेगा। सामने में जो अधिकता है उसे देखो। तस्वीर अच्छी तरह देखने से सब मालूम हो जायगा।

जब हमने साधारण खुला गलाका ड्राइङ्ग किया था तब पहले एक सीधी लाइन खींचकर उससे १½ इञ्च पर बटनके लिये दूसरी लाइन भीतरमें बनाकर उसीसे नाप लिया था। परन्तु अभी पहले रेखासे ३ इञ्च दूर पर भीतरमें वैसी ही एक रेखा खींच कर उसीसे नाप लोगे। सब नाप साधारण कोटके ऐसा लेकर चित्रकी तरह बनाना होगा।

१ से ७ रेखा पीछाके लम्बाके बराबर खींचो।

इसी रेखासे ३ इञ्च भीतरमें ८, ६ रेखा खींचो। ऊपरके ० से ६ इञ्च नीचे ८ मोढ़ाका चिह्न दो। ऊपर ६ सेस्तके नापसे १६ इञ्च नीचे सेस्तका चिह्न दो। अभी जो कुछ करना है ठीक साधारण कोटके ऐसा चित्र बनानेसे डबल वेस्टकोटका चित्र बन जायगा।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

सामना रेखाका ६ बिन्दु से ५½ इञ्च दूर पर दो बटन लगेगा। इस कोटका बटन दोनों तरफ होगा। और काजघर भी दोनों तरफ दो-दो करके बनेगा। बायाँ भागमें ऊपरके बटनके साथ

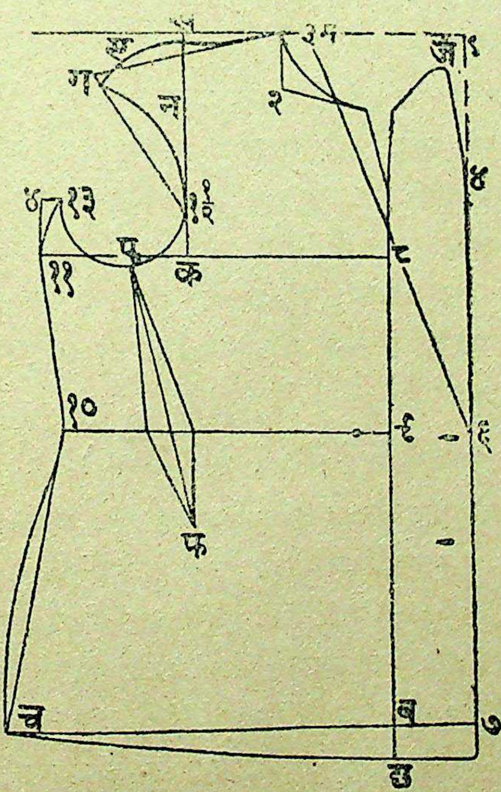

डबल ब्रेस्टकोटका चित्र नं० ३१

भीतरमें डबल ब्रेस्ट, ब्रेस्टकोटके ऐसा एक बटन रहेगा। इसी बटनसे भीतर दक्षिण भाग लगाना होगा।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

ब्लेजर कोट (Blazer Coat)

यह कोट ठीक साधारण कोटके ऐसा ड्राइङ्ग करके काटना होगा यह टेनिश या क्रिकेट इत्यादि खेलनेके समय पहना जाता है। यह कोट अक्सर नीला (Blue) या भूरा (Brown flanel) कपड़ेसे तैयारी होता है। यह कोट डबल ब्रेस्ट और सिंगल ब्रेस्ट दोनों किस्मका तैयारी हो सकता है। इस कोटमें अस्तर नहीं दिया जाता क्योंकि यह कोट बहुत हल्का होना चाहिये। इसमें ऊपरसे पाकीट लगता है और इसके आस्तीनमें अस्तर देना होता है। इस कोटमें पीतलका बटन लगता है कभी-कभी इस कोटके सामनामें, दामनमें और आस्तीनके मोहरीमें सूताके ऐसा कर्ड दिया जाता है।

गल्फ कोट (Golf Coat)

अब जो गल्फ कोटका वर्णन होगा यह कोट आजकल अधिक चलता है। पुराना गल्फ कोटसे इसमें अधिक फर्क है। इसके पीछेका एक ही कपड़ा होता है। इसके पीछामें कोई जोड़ सिलाई नहीं होता। एक अलग कपड़ासे पीछा काटना होगा।

० से २७ रेखा कपड़ाके बीचकी जगह, इसका नाप लम्बाईसे १/२ इञ्च अधिक लेना होगा। ० से ३१/२ सीनाके नापसे १/१२ अर्थात् ३ इं० नीचे। ० से ९ मोढ़ाका नाप ९ इंच नीचे। ० से १६ सेस्तका नाप १६ इं० नीचे। ० से सीनाका १/१२ अर्थात् ३ इंच हटकर ३ रक्खो।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

३ से ¾ इंच ऊपर रखकर ० और ¾ को मिला दो। इसके पुटका नाप पहलेके कोटके पीछाके ऐसा बनेगा। ६ से ऊपर

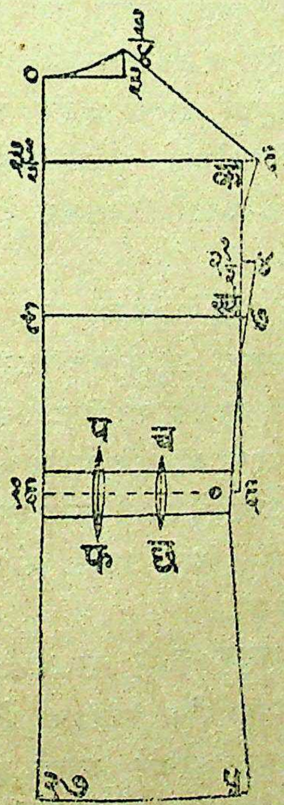

गल्फ कोटका चित्र नं० ३२

का भाग ठीक साधारण कोटके ऐसा बनाओ। क, ख रेखा सेस्तके रेखासे ६ तक ले लो। ६ से १ इंच भीतरमें दाग देकर ४

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

और उस दागको चित्रके ऐसा जोड़ दो। २७ से ७$\frac{१}{२}$ इंच हटकर ५ रखकर ४, ६, ५ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो।

१६ से ६ तक ठीक इसका तीसरा हिस्सा अलग करके बीच का दो भाग चित्रके ऐसा २ टेकिन लगाओ। टेकिन १ इं० चौड़ा और ३ इंच लम्बा रहेगा। इसका ३ इंच सेस्तके ऊपर और ३ इंच सेस्तके नीचे रहेगा। सिलाई करनेके समय सभी टेकिन और बीचके रेखाको पकड़ कर टेढ़ी रेखाके ऊपर सिलाई होगा।

पहले प, फ और च, छ रेखाके ऊपर भांज करके पासके टेढ़ी रेखाके ऊपर सिलाई कर दो। इसके बाद पीछाको कमरके बराबर करके २ इं० चौड़ा उसी कपड़ाका एक वेल्ट तैयार करके बराबर करके ठीक सेस्तके ऊपर बैठाओ ताकि वेल्टका चौड़ा ठीक बीचमें १६ और १ रेखाके ऊपर रहें। इसी वेल्टके दोनों तरफ.आखीरमें एक-एक बटन लगेगा। इसका सामना ठीक साधारण खुला गला कोटके ऐसा बनेगा।

पुराना फैशन गल्फ कोट (Golf coat old style)

इस कोटका सामना ठीक साधारण कोटके ऐसा होगा। पीछाका तीन टुकड़ा काटना होगा। ऊपरके दोनों टुकड़ाके बीच में कुछ सिलाई नहीं होगा। सलग कपड़ा रहेगा। अभी सबसे पहले पीछाका दिखलाते हैं।

इसके हिस्सा करनेमें ० से ३$\frac{१}{२}$ सीनाका $\frac{१}{१२}$ या ३ इं० नीचे। ० से १, पांच इं० नीचे। ऊपरका हिस्सा ठीक कोटके

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

ऐसा होगा। उसके बाद ०, ३½, १, २, ३, ¾ ये सब देखोगे। अब देखना होगा कि पीछे कितना प्लेट होगा। अगर पीछे

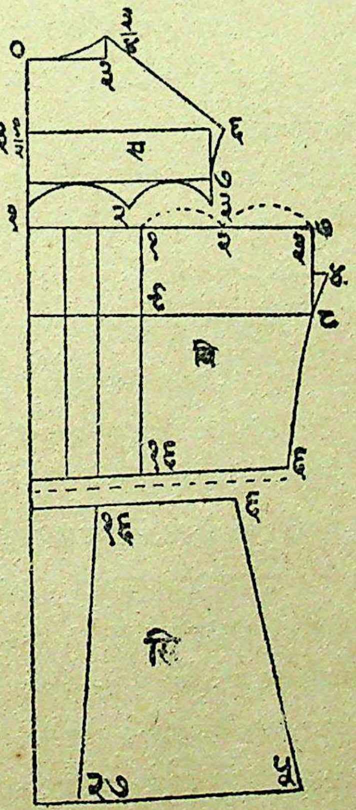

पुराना फैशन गल्फ कोटका चित्र नं० ३३

एक प्लेट होगा तब ५ इञ्च से नीचे १ रखकर १ और २ को

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

टेढ़ा रेखा करके जोड़ दो अगर पीछे तीन प्लेट रहेगा तब १, २, ३ ठीक चित्र के ऐसा टेढ़ा करके शेप करो।

७ रेखा से १, २ और ३ एक इञ्च नीचे। ए भाग काटने के समय १, २, ३ के नीचे ½ इञ्च परिमाण का कपड़ा रखकर काटना चाहिये। ऊपर का हिस्सा ठीक कोट के ऐसा काटो। उसके बाद बी का हिस्सा काटोगे।

बी टुकड़ा काटने के समय ख्याल रहे पूरा लम्बाके नाप से ५ इं० तक कटा हुआ है। अभी सेह्त के नाप से इतना कम करके काटना होगा।

इसी भाग को काटने के समय पहले देखना चाहिये कि पीछे में कितना प्लेट होगा। जितना प्लेट होगा सब प्लेट के वास्ते चित्र में जैसा दाग दिया है वैसा ही २ इञ्च कपड़ा रखकर तब ड्राइङ्ग करना होगा।

ऊपर का ए भाग तक सिर्फ ५ इञ्च हुआ है। अभी सेह्तका नाप १६ इञ्च से ५ इञ्च ऊपर 'ए' टुकड़ा बाद करनेसे जितना शेष रहेगा उतना ही कमर तक काटना होगा। जैसा कि हमलोगोंने 'ए' टुकड़ा काटा है उसमें ३ प्लेटकी जगह रक्खा है। अभी हरएक टुकड़ा काटने में एक-एक के वास्ते २ इञ्च कपड़ा कुल ६ इं० कपड़ा रखकर तब ड्राइङ्ग करना होगा। ऊपर जितना लिखा गया है चित्र में देखने से अच्छी तरह समझ जाओगे।

६ इञ्च कपड़ा रखकर १, ९ और १६ रेखा खींचो। १ से १, ७ रेखा खींचकर ऊपर में ए हिस्सा ठीक इसी रेखा के ऊपर

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

इस प्रकार रक्खो जो उसका १, बी हिस्सा १ ए, के ऊपर और ३ ठीक ३ के ऊपर रहेगा। १, ७ रेखा के ऊपर ½ इं० कपड़ा बेशी रखना होगा। अब फीता लेकर नापने से देखा जायगा कि ० से १६ ठीक १६ इं० नीचे है।

० से ९ इं० नीचे मोढ़ा का दाग ९ रक्खो। पहिले कोट जिस प्रकार बनाया है ठीक उसी तरह ड्राइङ्ग करो। तब चित्र में देखोगे ६, १६, १, ३, ७ इसकी तरह ड्राइङ्ग किया हुआ है। अब १६, और ६ रेखा के नीचे ½ इं० अधिक कपड़ा रखकर काटना होगा। उसके बाद सी हिस्सा काटना होगा। यही भाग काटनेके समय जो आगे से पीछा के ऊपर में ए, बी दो हिस्सा काटा हुआ है उसके ठीक पीछे होकर सी हिस्सा काटना होगा। पहले किनारा से २ इं० हटकर १६ और २७ रेखा खींचो।

१६ से २७ होगा सेरत का नापसे लम्बाई का बाकी हिस्सा।

१६ से ६ होगा बी हिस्सा का १६ से ६ जितना रक्खा हुआ है अर्थात् सीना के नाप का ¼ याने ६ इं०। २७ से साधारण कोटके नियम के ऐसा १६ से ६ जितना है उससे और १½ इं० अधिक हट कर ५ रक्खो।

६ और ५ ठीक चित्र के ऐसा जोड़ करके २७ और ५ रेखा के नीचे १½ इं० अधिक कपड़ा काट देना होगा।

यह कोट अब किस तरह सिलाई किया जायगा उसे देखो। पहले ए और बी हिस्सा दोनों को खोल कर देखो ए हिस्सा के नीचे र के तरफ तीन ब्राइकेटके ऐसा कोण झुका है। इसी तीनों

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

कोण के साथ ३ प्लेट जोड़ देना होगा। यही दो टुकड़ा सिलाई करके बी हिस्सा के साथ सी हिस्सा इस तरह जुटेगा जिस तरह इसका १६ से २७ तक खुला रहे। इसके बाद कमर के ऊपर एक दो इं० चौड़ा बेल्ट जोड़ कर सिलाई कर दो। चित्र अच्छी तरह देखनेसे मालूम हो जायगा। कभी-कभी इसी कोट में देखोगे कि इसके ऊपर में कोई प्लेट नहीं है लेकिन भीतर में कुछ खुला हुआ दिखलाई पड़ता है। उस समय प्लेट ऊपर न रह कर भीतर रहता है बाहर से उसका मुंह खुला रहता है। सामना और आस्तीन साधारण कोट के ऐसा होगा।

पार्सी कोट (Parsi Coat)

इस कोट के पीछा भाग में साधारण कोट से जितना फर्क होता है उसे समझाने से अच्छी तरह समझ जाओगे। चित्र को देखो तब समझोगे। सामना भाग ठीक साधारण कोट के ऐसा होगा।

० से ४५ लम्बा क नाप से ½ इञ्च ज्यादा लेकर लाइन खींचो।

० से १६, १६ इं० नीचे। १६ से १ इं० हटकर १ रखकर और ४५ से ½ इं० दूर पर ½ बैठाकर ०, १, ½ चित्र के ऐसा जोड़ दो। ५ से सीना का नाप ⅛ भाग ९ से १ इं० कम ८ इं० दूर पर ६ रक्खो, क, ख रेखा सेस्त के लाइन तक नीचे खींचकर वहां पर १० रक्खो। ९ और १० चित्र के ऐसा जोड़ दो। ८

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

और ४ चित्र के ऐसा शेप करके जोड़ दो। इसके ऊपर का भाग ठीक साधारण कोट के ऐसा बनाना होगा।

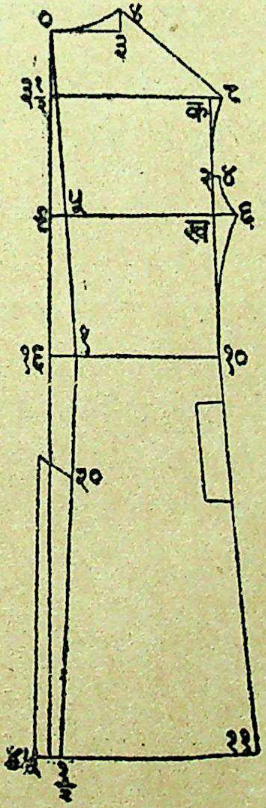

पार्सी कोट चित्र नं० ३४

अब देखो साधारण कोट के पीछा भाग से इस कोट का पीछा कुछ बड़ा है। १ से १० जितना दूर है उससे से २ इं०

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

ज्यादा लेकर ½ से उतना दूर पर ११ रखकर ½ और ११ जोड़ दो। १० से तीन या ४ इं० नीचे पाकेट का निशान लगाकर ६ इं० बगल पाकीट का मुँह बनाकर पतलून के पाकीट के ऐसा पाकीट तैयार कर लो।

ड्रेस कोट

यह कोट शाम को डिनर पार्टी (Ball dancing) में जाने के पहिले पहना जाता है।

यह पोशाक काले कपड़े से तैयार किया जाता है, जिसको अंग्रेजी में टैल्ड कोट (Taild coat) कहते हैं।

इस कोट के काटने की विधि नीचे दी जाती है।

नाप	सेस्त	१७॥	इं०
”	लम्बाई	४१	इं०
”	पुट	८॥	इं०
”	बाँह	३२	इं०
”	सीना	४०	इं०
”	कमर	३५	इं०

पहिले ० से एक सीधी रेखा खींचना फिर ० से चार रेखा लम्बाई ४१ के बराबर खींचना।

० से	१	२॥	इं०
२ से	०	६॥	इं०

३ से ० सेस्त का नाप १७॥ और आधा इं० अधिक।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

० और ५ चित्रानुसार जोड़ना।

० से ६ तीन इं० दूरी पर।

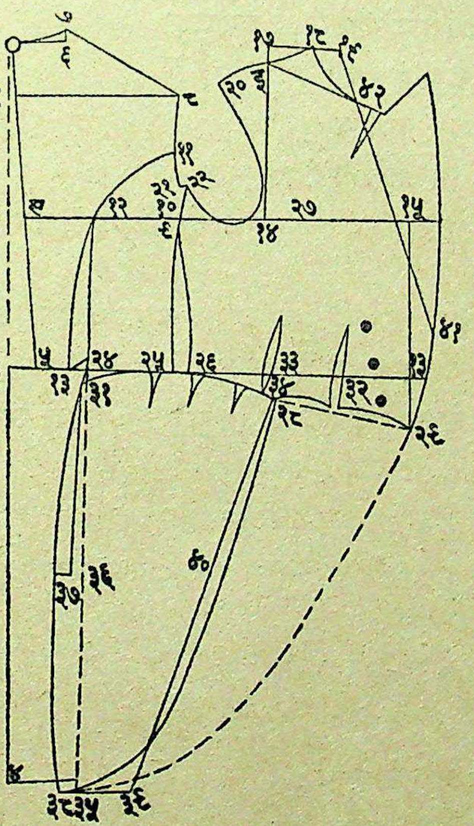

ड्रेश कोट चित्र नं० ३५

६ से ७ एक इं० दूरी पर।

५ से ३ एक इं० दूरी पर ० और ७ चित्रानुसार जोड़ना।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

१ से आठ (८) पुट नापसे आधा इं० अधिक ।

८ से ६ तक एक सीधी रेखा खींचना ।

८ से ३ इञ्च नीचे में ११ लगाओ ।

१२ से ए ३ इञ्च ।

१३ से ५ दो इञ्च दूरी पर ।

११, १२ और १३ चित्रानुसार जोड़ना ।

१४ से ए ६। सीनेके नापका दो तिहाई ⅔ और आधा इञ्च अधिक ।

ए से १५ पूरा सीनाको नापकर आधा और २॥ इंच अधिक ।

१५ से १३ एक सीधी लकीर (रेखा) खींचना ।

१४ से ६॥ इञ्च दूरी पर १४ और १७ सीधी रेखा खींचना ।

१७ से १८ तीन इञ्च दूर ।

१८ और १७ जोड़ डाल लेना ।

२० से १८ पीछेके अंशका ७ से ८ तक जितना हो उसीसे एक चौथाई इंच कम ।

२१ से ६ डेढ़ इञ्च ।

पिछला भागका

२१ से ६ ढेढ़ इञ्च ।

२२ से २१ आधा इञ्च ।

५ से ३२ कमरके नापसे आधा और अढ़ाई इञ्च अधिक ।

२४ से १३, १६ से ३२ इञ्चका आधा ।

२५ से २४, १२ से ६ जितना है उससे आधा इञ्च कम ।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

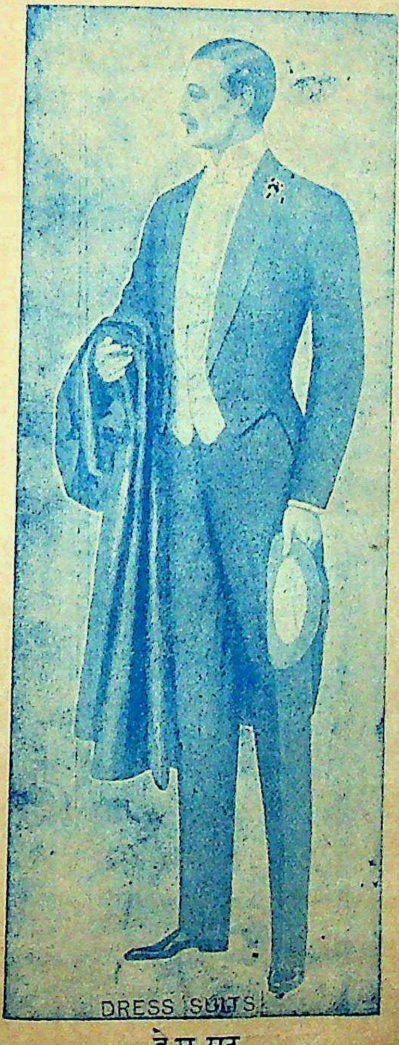

ड्रेस सूट

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

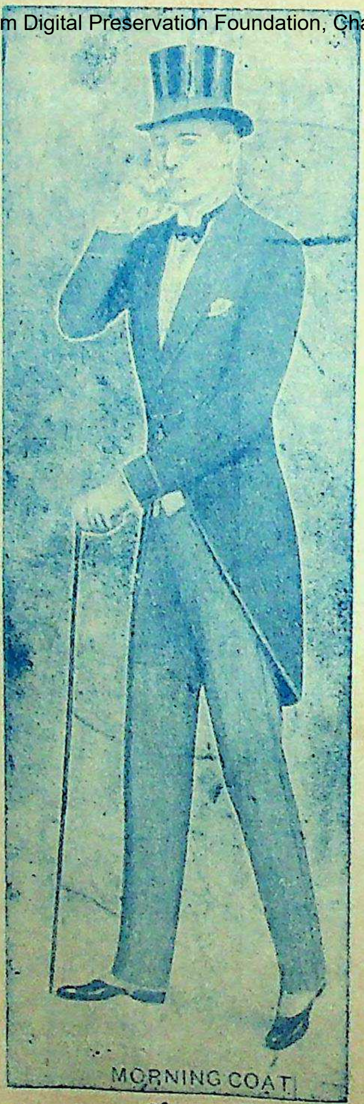

मार्निङ्ग कोट

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

२६ से २५, १६ से १३ जितना उससे आधा है। अब चित्रानुसार जोड़ना।

२७ से १४, २ इञ्च दूर पर।

२८ से एक सीधी रेखा खींचना।

२८ सेस्त से १॥ इञ्च नीचा।

१६ से २९ तीन इञ्च।

२८ और २९ चित्रानुसार जोड़ना।

३१ से २४ आधा इञ्च।

२८ से २६ चित्रानुसार ½ इञ्च नीचा करके जोड़ना।

१६ से ३½ इंच दर पर उसी प्रकार एक टेकिंग लगाओ।

३३ पर फिर उसी अनुसार चित्र देखकर एक और टेकिंग लगाओ।

३४ से २८ आधा इञ्च।

३१ से ३६ ९ इंच।

३१ से ३६ १० इंच।

३६ से ३७ १½ इंच।

३८ से ३५ १½ इंच।

३९ से ३८ ३½ इंच अब ३४ तक जोड़ना।

४२ से १९ ३ इंच चित्रानुसार जोड़ कर देखो।

ड्रेश कोटका ड्राइङ्ग हो गया।

इसका आस्तीन कोटके हिसाबसे बना लो।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

मारनिङ्ग कोट

इस कोट को भी ड्रेश कोट के अनुसार काले कपड़ेसे बनाया जाता है।

मौरनिंग कोट तथा ड्रेश कोट से इतना ही फरक है कि मौरनिंग कोट का इस्काट ३१ तथा २६, ३६, ३८ के सामान होगा। यह कोट सुबह पहिना जाता है।

ड्रेश कोटका चित्र देख लो। इस स्काटकी बात जो लिखी गई वह बिन्दुओंसे अंकित किया हुआ है।

चपकन (Chapkan)

मुस्लिम राज्य के समय हमारे देशमें चोंगा और चपकन का प्रचार हुआ। अभी भी व्यवहार किया जाता है किन्तु उतना नहीं। किसी समय कानूनी काम करनेवाले चोंगा या चपकनका व्यवहार करते थे। इसीसे हमलोगोंको भी इस पोशाककी जरूरत थी। यह पोशाक शरीरमें फिट न होनेसे सुन्दर नहीं मालूम पड़ता। इसको शरीरमें ठीक फिट करनेमें कुछ कठिनाई है।

इसका कपड़ा २७ इंच या छोटा अर्जका हो तो ४ गुना लम्बा और आधा गज अधिक कपड़ा लो। यदि ५४ इं० या डबल अर्जका कपड़ा हो तो डबल लम्बा और ८ गिरह कपड़ा अधिक लो।

इसके पीछाका कपड़ा अलग या एक ही कपड़ासे काटना चाहिये। साधारण कपड़ेके सेस्तके नापसे इसका सेस्त २ इंच कम करके लेना चाहिये।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

नाप—सेस्त १४, ल० ४०, पु० ८ पु० अ० ३०, सीना ३६, कमर ३०, गला १४। छोटा अर्जका कपड़ा होनेसे चौड़ाका आधा भांज करके काटना होगा। यदि डबल अर्जका कपड़ा रहेगा तो अलग किनारासे पीछे काटा जायगा।

पीछा भाग

० से लम्बाईमें एक इञ्च अधिक कपड़ा जोड़कर तब उस जगह ४० रखो।

० से सीनाका १/१२ अर्थात् ३ इञ्चसे १/२ इञ्च कम २१/२ इञ्च दूर पर २१/२ रखो।

० से आधा इञ्च नीचे १/२ रखकर १/२ और २१/२ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो। इसके गलेमें कोई कालर नहीं होता, ठीक पंजाबी (कुर्त्ता) के ऐसा होता है।

० से सीनाका १/१२ या ३ इञ्च हटकर ३ रखो।

० पुट ८ इञ्च और आधा इञ्च ज्यादा ८१/२ इंच दूर पर ८१/२ रख कर २१/२ और ८१/२ ठीक चित्रके ऐसा सीधा रेखा खींचकर मिला दो। ८१/२ से १/२ इंच ठीक भीतरमें कोटके ऐसा क, ख रखो। ० से ९ इंच नीचे मोढ़ाका दाग देकर ९ रखो। ० से सेस्त के नापसे समान दूर पर १४ रखो।

९ से सीनाका १/४ या ९ इंच दूर ८ पर रखो।

१४ से कमरका चौथाई ८ इंच हटकर दाग दो।

४५ से सीनाके नापका आधामें से ४ इंच कम करके अर्थात सीनाके नापसे ८ इंच कम करके उसका आधा जितना होता है

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

ठीक उतना ही दूर पर ४१ रख कर ८ कमरके रेखाका दाग और ४ ठीक चित्रके ऐसा सेप करके जोड़ दो। ४ से १ इंच ऊपर एक दाग देकर १ रखो और उसके बाद ४० और १ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो।

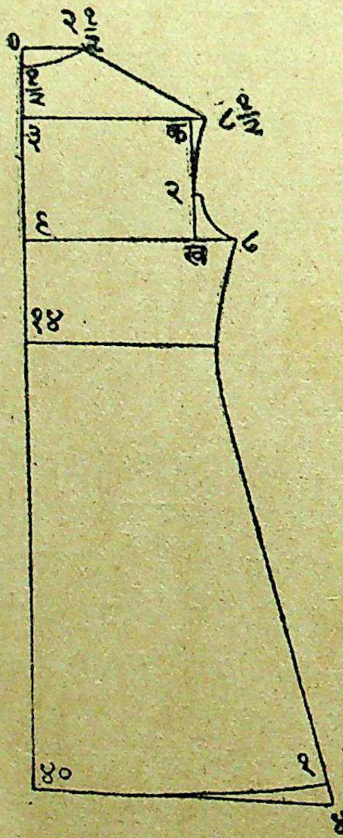

चपकनके पीछा भागका चित्र नं० ३५

पीछा काटनेके समय ४० और ४१ रेखाके नीचे १½ इंच

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

८ और ४ रेखाके बगलसे १½ इंच अधिक कपड़ा लेकर काटना चाहिये।

सामना भाग

चपकनके सामना भागमें दो हिस्सा काटना होता है, गलासे ०

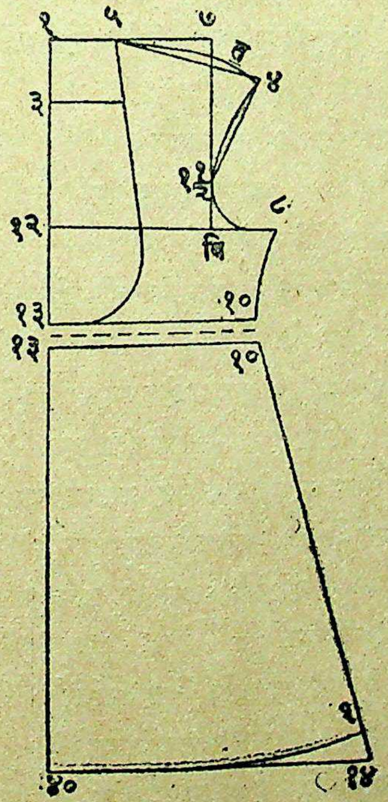

चपकनके सामने भागका चित्र नं० ३६

से सेस्त तक एक हिस्सा और सेस्तसे नीचा जितना कपड़ा है

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

वह एक भाग रहेगा। सेस्तसे नीचा जो कपड़ा काटा हुआ है उसको सामनेका पर्दा बोलते हैं। उसके नीचे ठीक उतना ही बड़ा कपड़ा रहता है उसको भीतरका पर्दा बोलते हैं। भीतरका कपड़ा ऊपरके कपड़ासे कुछ छोटा रहने पर कोई खराबी नहीं मालूम होती। कपड़ाके सुविधाके लिये यह प्रायः छोटा ही रखा जाता है।

१ से १३ तक सेस्तके ऐसा लम्बा।

१ से ३ सीनाका $\frac{१}{१२}$ का एक भाग दूर।

१ से १२ मोढ़ाके बिन्दुसे ६ इंच नीचे।

१२ से बी और १ से ७ सीनाके चौथाईसे १ इंच कम दूर पर ७ से ३ एक इंच नीचे रहेगा। ७ से ५ सीनाका $\frac{१}{१२}$ अर्थात ३ इंच और १ इंच अधिक कुल ४ इंच दूर पर। ५ से ४ पीछा भाग में $८\frac{१}{२}$ और $२\frac{१}{२}$ जितना है उससे पाव इंच कम।

५ और ३ जिस तरह केप कालर कोटका गला ड्राइङ्ग हुआ है ठीक उसी तरह होगा। ख्याल रखना होगा कि ३, ५ गला और पीछाका $\frac{१}{२}$ और $२\frac{१}{२}$ रेखा नाप कर ठीक गलाका नाप १४ से आधा इंच बेसी होगा।

४, ७ और १३ ठीक चित्रके ऐसा करोगे। काटनेके समय इस रेखासे आधा इंच बाहरमें काटना होगा।

१२ से सीनाका चौथाई और $१\frac{१}{२}$ इंच अधिक अर्थात् $१०\frac{१}{२}$ इञ्च दूर पर ८ रखो। १३ से कमरका चौथाई भागका एक भाग और $१\frac{१}{२}$ इंच अधिक कुल साढ़े नौ इंच दूर पर १० रख कर

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

८ और १० चित्रके ऐसा बनाओ। ४, १३ और ८ ठीक कोटके मोढ़ाके ऐसा शेप कर दो। काटनेके समय ८ और १० रेखाके पास डेढ़ इंच और १०, १३ रेखाके नीचे डेढ़ इंच अधिक कपड़ा रखकर काटो।

१३ से सेस्तका नाप १४ इंच बाद देकर लम्बाईका बाकी हिस्सा लेकर नीचेमें ४१ रखो। ४० से सीनाके नापसे ४ इंच कम करके उसका आधा जितना होता है उस जगह १४ रखो।

१३ से कमरका चौथाई और डेढ़ इंच, कुल साढ़े नौ इञ्च दूर पर १० रखो। १० और १४ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो। यह पहले ही बतला चुके हैं कि इसमें दो तह कपड़ा होता है जिसमें एक तह कुछ छोटा रहने पर भी कुछ खराबी नहीं करेगा। इसमें दामनमें और बगलमें डेढ़ इंच अधिक कपड़ा रखकर काटना होगा।

पहले ऊपरके काटे हुए हिस्सेको बिछा कर देखोगे दो खण्ड हो गया है। इसका सेस्तका जगह १३ दाग दोनोंको इकट्ठा करके ठीकसे बिछाओ। देखो जिस जगह परदा काट कर विछाये हो ठीक उस जगह एक फांक दिखलाई देगा। इसको उस फांकसे लम्बा १ इंच चौड़ा ४ इंच बड़ा और उस जगह एक परदा जोड़ कर सिलाई करना होगा। इसी परदाके बायें भाग के कपड़ाके साथ सिलाई करना होगा और इसके दाहिना भाग में बटन लगा कर और दाहिना भागके ऊपरके हिस्सामें काजघर तैयारी करना होगा।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

बांयां खन्डके साथ नीचेका कपड़ा सिला रहेगा और दाहिना में ऊपरके हिस्सामें सिलाई रहेगा। इस परदेका जो कोण बांया भागके साथ मिला रहेगा या इसमें एक काजघर रहेगा और बांया तरफ एक बटन लगाना होगा। इसमें बगलमें कुर्त्तांके ऐसा पाकिट रहेगा। चित्रको अच्छी तरह देखोगे।

चोगा (Choga)

जो लोग चपकन पहनते हैं वे चोगा भी व्यवहार करते हैं। इसमें कोई बटन नहीं होता है। किन्तु इसके सामना भागमें दो-दो करके चार फूल देना पड़ता है। यह चपकनसे १ इंच अस्त्रा अधिक होगा। इसके पीछेका हिस्सा चपकनके ऐसा काटा जायगा। किन्तु इसमें कुछ फर्क है। चपकनका पीछा काटनेके समय सीना और कमरका चौथाई लिया जाता है। किन्तु चोगाके पीछा काटनेमें सीना और कमरके चौथाईसे १ इंच अधिक लेकर काटा जाता है। चपकनके पीछाको लेकर देखनेसे इसका भेद मालूम हो जायगा, पीछा नहीं देखकर सामना भी देख सकते हो।

नाप—सेस्त १४, ल० ४०, पु० ८, पु० अ० ३०, सीना ३६ कमर ३२।

० से ४२ लम्बाईके नापसे १ इंच अधिक।

० से ९ मोढ़ाका नाप।

० से १४ ठीक सेस्तका नाप १४ इंच नीचे।

० और ९ से क, ख रेखा सीनाका नाप ३६ और इसका चौथाई ९ इं० से १ इंच कम ८ इंच दूर पर। ख से ३ सीना का ,१/२ या ३ इंच दूर पर। ख से ए कोटके ऐसा १ इं० नीचे।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

(सामना)   चोंगा   (पीछा)

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

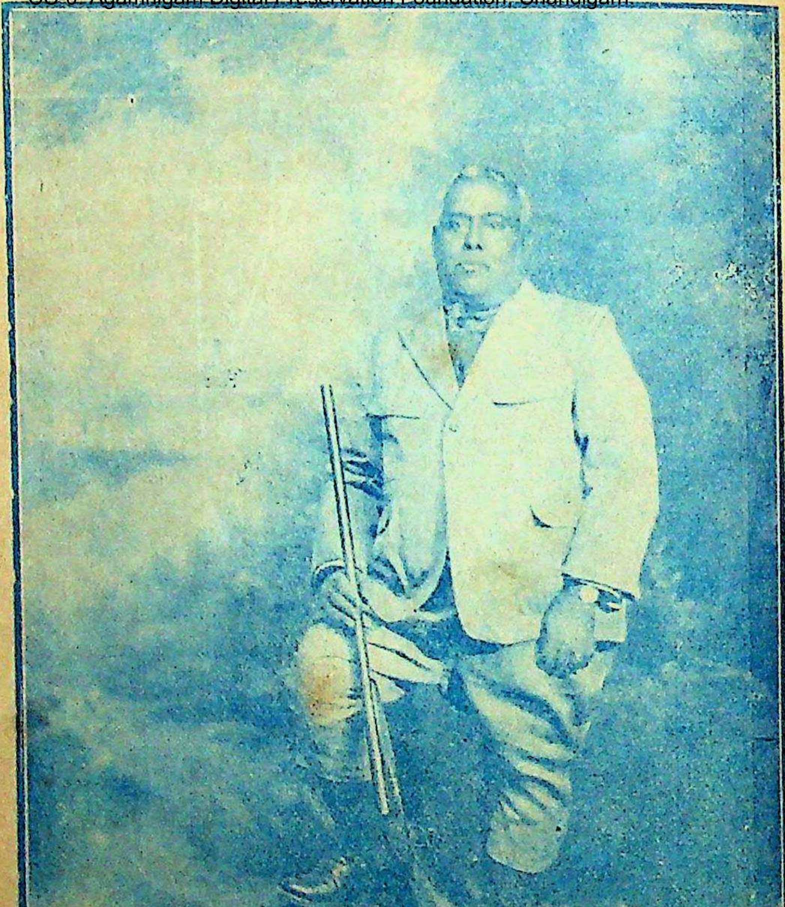

शिकार सूट

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

३ और ५ रेखा ठीक कोटके ऐसा उसी नियमसे होगा। ९ से ११ सीनाका चौथाई और २ इं० अधिक, ११ इं० दूर पर।

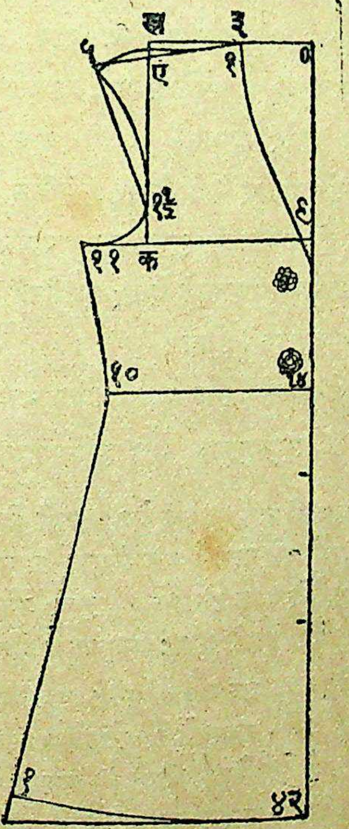

चोगा का चित्र नं० ३७

१४ से १० कमरका $\frac{१}{४}$ और १$\frac{१}{२}$ इं० अर्थात् ९$\frac{१}{२}$ इं० दूर पर। ४२ से सीना के नाप से २ इं० कम करके उसका आधा १७ इं० दूर पर दाग दो।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

अब चित्रके ऐसा जोड़ दो। वेस्ट कोटका गला जिस तरह तैयार किया गया है ठीक उसी हिसाबसे गला तैयार करो। चित्रमें जिस तरह दो वटनका जो दाग दिया हुआ है उसके पीछे या सामनामें दो-दो करके ४ फूल बैठाओ। इसके काटनेके समय सामने और दामनमें १½ दबाब लेकर तब काटना चाहिये। इसमें पाकीट नहीं होता। लेकिन चपकनके हिसाब से दोनों तरफ दो पाकीटका मुख खुला रखना चाहिये। ताकि इसके मुखके भीतरमें चपकनके ऐसा पाकीटमें हाथ दिया जाय। इसके गलामें कालर नहीं होता।

पहले किसी-किसीमें रोल कालर होता था।

अचकन या शेरवानी

इसका पीछा ठीक चपकनके ऐसा उसी हिसाबसे काटा जाता है। इसके सामाने जो फर्क है वह लिखा जाता है। लम्बा ठीक चपकनके ऐसा नीचे तक होता है। कुछ लोग और भी लम्बा अचकन पहनते हैं। इसमें प्रायः बन्द लगा होता है।

नाप—सेस्त १६, लम्बा ४०, पु० ८, पु० अ० ३०, सीना ३६, कमर ३२, गला १४। कपड़ाके किनारामें लम्बाईसे १ इंच अधिक कपड़ा लेकर ४० से ४१ रेखा खींचो। ख्याल रखना चाहिये कि इसका पीछाका भाग सलग कपड़ा होना चाहिये। इसी रेखा से ५ इंच हट कर भीतरमें इसी रेखाके सामने ० और ४१ रेखा खींचो।

० से ९ इंच नीचे मोढ़ाका विन्दू ९ और सेस्तका नाप १६ इंच नीचे १६ रक्खो।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

० और ९ से सीनाका नाप ३६ और उसका चौथाई ९ इं० से १ इं० कम अर्थात् ८ इं० करके ९, ९ रेखा खींचो।

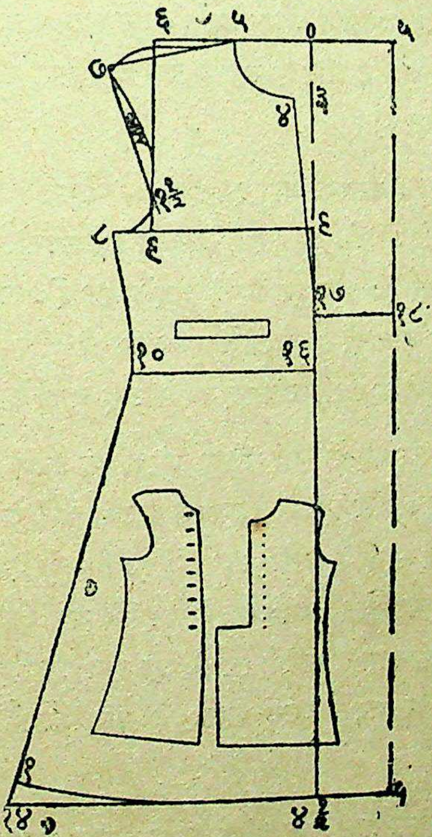

अचकनका चित्र नं० ३८

६ से सीनाके नापका ३६ का $\frac{1}{12}$, ३ इं० और १ इं० कुल ४ इंच दूर पर ५ रक्खो।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

३, ४, ५ रेखा बन्द गला कोटके ऐसा बनाना होगा। इसके गलेका नाप भी ठीक वैसा ही होगा। ६ से सीनाका नाप ३६ और उसका $\frac{१}{४}$ और डेढ़ इं० जोड़कर साढ़े दस इं० दूर पर रक्खो। अब ८ और ६ रेखाके ऊपरका हिस्सा ठीक चपकनके सामनाके ऐसा होगा।

१६ से १० कमरका नाप ३२ इंच का चौथाई ८ इं० और डेढ़ इं० कुल साढ़े नौ इं० दूर पर। ४१ से १४ सीना का आधा १८ से १ इं० कम १७ इंच दूर पर। १ इं० एक इं० ऊपरमें। अब चित्रके ऐसा जोड़ दो। काटनेके समय सामने और दामनके नीचे डेढ़ इं० मोड़नेका कपड़ा रखकर तब काटना चाहिये।

केप कालर कोटके ऐसा जिस तरफ काजघर होता है उसी भागमें ४, १७ और ४१ रेखा ऊपरसे काटना चाहिये। और जिस खण्डमें बटन रहता है उसमें ३, ६, १७ बिन्दूके ऐसा रेखा देकर तब काटना चाहिये। चपकनके ऐसा इसमें भी दोनों तरफ दो पाकीट होगा, सामना भागके चित्रमें जो दाग किया हुआ है उसी स्थानमें जिस तरफ बटन रहता है उस भागमें एक पाकीट रहता है।

सभ्य मुसलमान लोग बांया तरफ बटन व्यवहार करते हैं। और हिन्दू लोग दाहिनाके तरफ बटनका व्यवहार करते हैं। इसमें अधिकतर हाई कालर लगता है और कालरमें दो हुक लगा रहता है।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

चेष्टरफिल्ड (Chester field)

साधारण कोटसे चेष्टर फिल्ड कुछ अधिक ढीला और चेष्टरफिल्ड से अलेष्टर और भी ढीला रहता है। ये दोनों चीज कोट के ऊपर से पहना जाता है और कभी-कभी कोट नहीं पहन कर सिर्फ इसी को पहन लेते हैं।

इसी वजह से चेष्टरफिल्ड में कुछ अच्छा शेप बनाया जाता है, ताकि सौन्दर्यमें कोई त्रुटि न रह जाय।

साधारण कोट के मोढ़ा से चेष्टरफिल्ड और अलेष्टर का मोढ़ा आधा इं० अधिक रहता है और तब काटा जाता है। इसका पुट साधारण कोट के पुटके नाप से आधा इं० अधिक रखना होता है। चेष्टरफिल्ड की लम्बाई घुटना से ५ या ६ इं० नीचे रहती है।

नाप—सेस्त १६, लम्बा ४२, पुट ८, पु० अ० ३०, सीना ३६, कमर ३२।

पीछा भाग

० से ४१ लम्बा से १ इं० अधिक लेकर ० और ४१ रेखा खींचो।

० से ३ सीनाका १/१२ और डेढ़ इं० अधिक अर्थात् साढ़े ३ इञ्च ३ से ३/४=पौन इं० ऊपर। ० से ३१/२ इं० सीना का १/१२ भाग नीचे। ० से ६ साधारण मोढ़ा का नाप ६ इं० से १/२ इं० अधिक अर्थात साढ़े ६ इं० नीचे। ० से १६ सेस्तका नाप १६ इं० नीचे।

१६ से १, ११/२ इं० और ४१ से १/१ एक इं० दूर पर रख कर ० और डेढ़ चित्र के ऐसा जोड़ दो। ० से पुटका नाप ८ इं० और १/२ इं० कुल ८१/२ इं० लेकर ३१/२ रेखा के ऊपर जहाँ तक जायगा वहाँ पर ८ रक्खो। ८ और ३/४ चित्र के ऐसा जोड़ दो।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

८ से ½ इं० भीतर में क, ख रेखा खींच कर ८ और क, ख रेखा चित्र के ऐसा जोड़ दो।

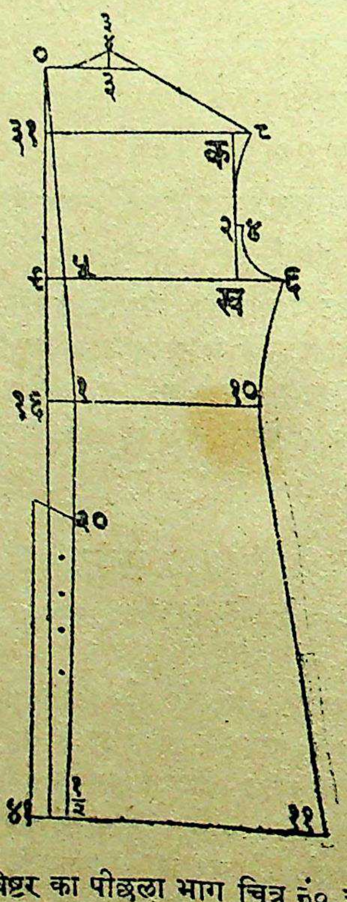

चेष्टर का पीछला भाग चित्र नं० ३६

ख से २½ इं० ऊपर २ रखकर उससे पाव इं० ¼ बाहर में ४ रखोगे।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

पाँच से सीना का चौथाई ६ इं० से १ इं० कम ८ दूर पर ६ का दाग काट दो। ६ और ४ ठीक चित्र के ऐसा जोड़ दो।

१ से सीना का १/६=६ इं० और ३/४ इं० अधिक, सब जोड़ कर पौने सात इं० दूर पर १० रक्खो। १/२ से ११ तक कमर का नाप हुआ, पौने सात इं० से २ इं० अधिक दूरी पर। अभी ६, १०, ११ ठीक चित्र के ऐसा जोड़ देने से पीछा हो गया। पीछा के १/२ से २० तक खुला रहेगा और २० से ८ इं० दूरी तक बटन लगा दोगे।

काटने के समय ठीक साधारण कोट के पीछा के ऐसा सीने के लिये दबाव का कपड़ा रख कर तब काटोगे।

सामना भाग

० से पीछा के लम्बा के बराबर ० और ४ रेखा खींचो। ० और ४ रेखा से २ इं० बाहर में ६ और ३ रेखा खींचो। ० से ५ तक सेस्त का चिन्ह है।

६ से ६ सीनाका १/२ और ३१/२ इं० अधिक से पीछाका ५ से ६ जितनी दूरी पर है ठीक उसी जगह पर होगा।

५ से ८ हुआ कमर का आधा और ३१/२ इं० अधिक से पीछा के कमर के १ से १० जितना दूर है ठीक उतना ही कम।

४ से ६ हुआ पीछा के आधा से ११ भाग अधिक। ६ और ० से क, ख रेखा सीना के चौथाई से १ इं० कम दूर पर।

६ और ६ रेखा के ऊपर ठीक साधारण कोट के ऐसा बनेगा। चेष्टर फिल्ड में चार बटन होता है। ६ से १२ इं० दूर तक बटन रहेगा। इसका बटन ऊपर दिखलाई नहीं पड़ता।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

जिस तरह पैंट में फ्लाइ बटन होता है उसी तरह होगा। काटने

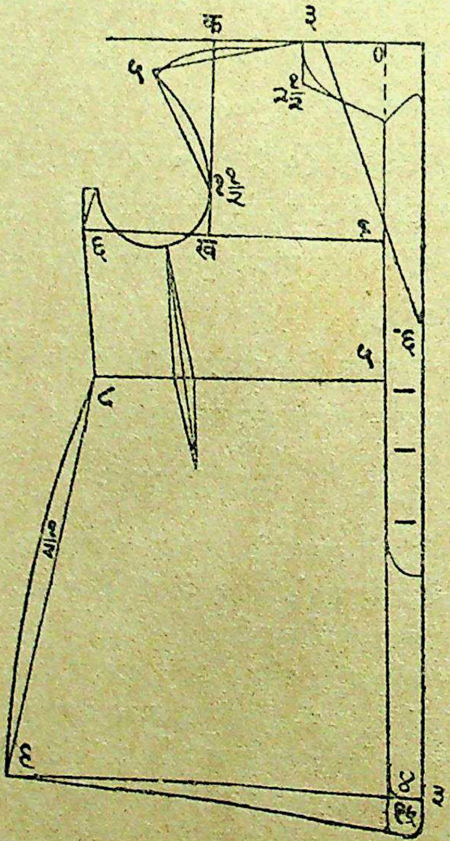

चेष्टर के सामने भाग का चित्र नं० ४०

के समय कोट के ऐसा कपड़ा लेकर तब काटा जायगा। यही हुआ सिंगल ब्रेष्ट चेष्टरफिल्ड।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

ओभर कोट

ओभर कोट अलेस्टर चेष्टर फिल्डसे अधिक लम्बा होता है।

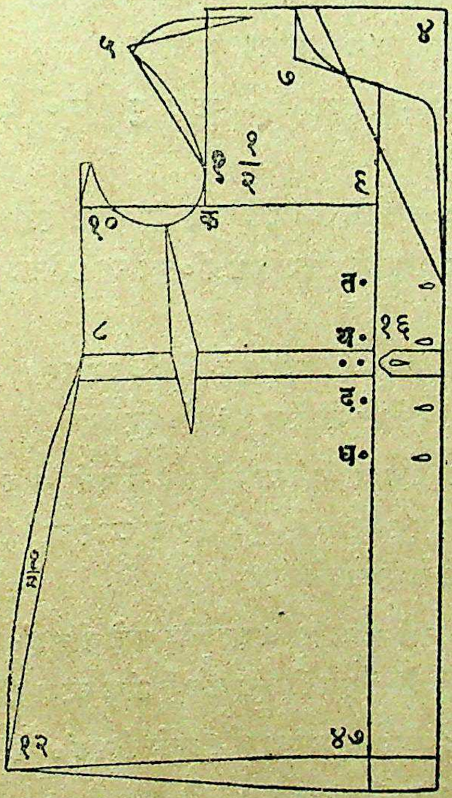

ओभर कोट का सामना भाग चित्र नं० ४१

यह पाँव के नीचेसे ५-६ इ० ऊपर रहता है। ओभर कोट के कमर में एक वेल्ट होता है। लेकिन चेष्टरफिल्ड में नहीं होता।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

फिर भी कभी-कभी देखा जाता है कि चेष्टरफिल्ड के पीछे में एक छोटा वेल्ट रहता है। इसका पीछा ठीक चेष्टर के पिछले भाग के हिसाब से काटा जाता है। उसमें कोई भेद नहीं है। यहाँ सिर्फ सामना भाग दिखलाया जाता है।

नाप—सेस्त १६, लम्बा ५०, पुट ८, पु० अ० ३०, सीना ३६, कमर ३२।

ऊपरसे ४७ पीछाके लम्बाईके नाप के रेखा ऐसी एक रेखा बनाओ। इस रेखा से बाहर के ४ इं० दूर पर ४ रेखा उसके ठीक सीधमें खींचो।

ऊपर से ६ मोढ़ा का रेखा साढ़े नौ इं० दूर पर।

ऊपर से १६ सेस्त की रेखा १६ इं० दूर पर।

ऊपर से ६ तक क, ख रेखा सीना के चौथाई भाग से १ इं० कम याने ८ इं दूर पर। ६, १० रेखा के ऊपर का हिस्सा ठीक साधारण कोट के ऐसा बनेगा।

६ से १० तक सीना का आधा और साढ़े तीन इं० अधिक से पीछा के छाती का हिस्सा जितना कम है ठीक उतना ही रहेगा।

१६ से ८ कमर का आधा और साढ़े तीन इं० से पीछा का कमर बाद देकर जितना होगा।

४७ से १२ पीछा के दाहिना से दूना। त, थ, द, ध यह चारो बटन का जगह। ओभर कोट में डबल ब्रेस्ट होता है। ४ और १६ रेखा से बटन ६ इं० हटा कर रखना होगा।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

बच्चों का कोट

इस कोट के काटने में साधारण मनुष्योंके कोट में जो फर्क रहा है वह यहाँ पर दिखलाया जाता है। चित्रमें अच्छी तरह देख लेने पर कोई कठिनाई नहीं होगी।

नाप—सेस्त १४, लम्बा २४ पुट ६½, पु० अ० २६ सीना ३०, कमर २६।

इसका पीछा पहले के बताए अनुसार साधारण कोट के ऐसा कटेगा। सामना भाग काटने के समय साधारण कोट जिस तरह किया जाता है उसके पहले ०, ८, ७ रेखा खींचोगे। उसके बाद उसी रेखा से १ इं० दूर पर भीतर में २, १३, १४ और २६ रेखा खींचोगे। साधारण कोट के समय पहली रेखा से दूसरी रेखा तक १½ इं० दूर पर खींचते हैं। साधारण कोट के आगेका सीना १३ और ४ मिलाकर पूरे सीने का आधा और २½ इं० अधिक। लेकिन इस कोट के समय होगा सीना का आधा और २ इं० अधिक, अर्थात् पहले के नाप से आधा इंच कम।

कमर का नाप भी ठीक उसी तरह। कमर का आधा और २ इं० अधिक। और बाकी सब साधारण कोट के ऐसा रहेगा। इसमें साधारणतः ३ बटन रक्खा जाता है। छोटे उम्र वाले बच्चों के लिये प्रायः सीना और कमर बराबर रहता है। इन सब कोटों में टेकिन नहीं दिया जाता। इसका आस्तीन ठीक साधारण आस्तीन की तरह काटा जाता है।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

पीछा

० से २७ लम्बा के नाप से १ इं० अधिक लेकर इस रेखा को खींचो। ० से ३ मोढ़ा का ¼ नीचे। ० से ६ मोढ़ा के समान ० से १६ सेस्त के नाप के समान। १६ से २ और २७ से ८

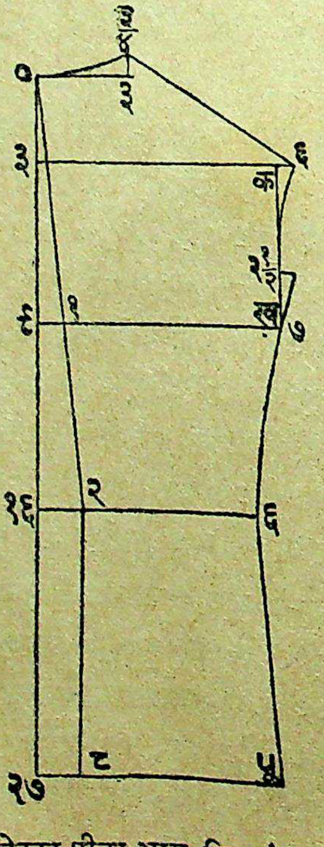

कोटका पीछा भाग चित्र नं० ४२

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

एक इंच दूर रख कर ०, १, २ और ८ चित्र के ऐसा जोड़ दो। ० से ३ सीना का १/२ । ३ से १/४ आधा इं० ऊपर।

० और ३/४ जोड़ दो। ० से ६ पुटका नाप और आधा इंच अधिक। ६ से क, आधा इं० भीतर में लेकर क, ख रेखा लम्बा कर खींचो।

ख से २ १/२ डेढ़ इंच ऊपर। २ १/२ से पाव इं० बाहर में एक दाग दो।

२ से ६ सीना का १/४ की दूरी पर। ८ से ५ होगा २ से ६ जितना है उससे डेढ़ इं० अधिक। ५, ६, ७, और अढ़ाई ठीक चित्र के ऐसा जोड़ कर साधारण कोट के ऐसा मोड़ कर सिलाई का कपड़ा रख कर तब काटना होगा। तब पीछा भाग बन जायगा।

सामना (आगा)

१, ५ और ७ रेखा पीछा के लम्बाई के बराबर।

८ और ६ रेखा पहले रेखा से १ इंच भीतर में। १ और ५ से ख और डेढ़ रेखा सीना का चौथाई और आधा इंच अधिक दूर पर। ख से ३ और ग रेखा १ इंच नीचे। ३ से २ डेढ़ इंच नीचे। ३, ए और ग चित्र के ऐसा जोड़ दो। ५ से च पीछा के ८ और ५ का दूना। ब से छ, १, एक इंच नीचे। चित्र के ऐसा मला देने पर सामना बन जायगा। काटने के समय पहले साधारण कोट के ऐसा मोड़ कर तब काटना चाहिये।

बच्चोंका केप कालर कोट साधारण कोट के ऐसा बनेगा।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

इस कोट में, जिस तरह साधारण कोट कम ढीला रहता है ठीक वैसा ही बनेगा।

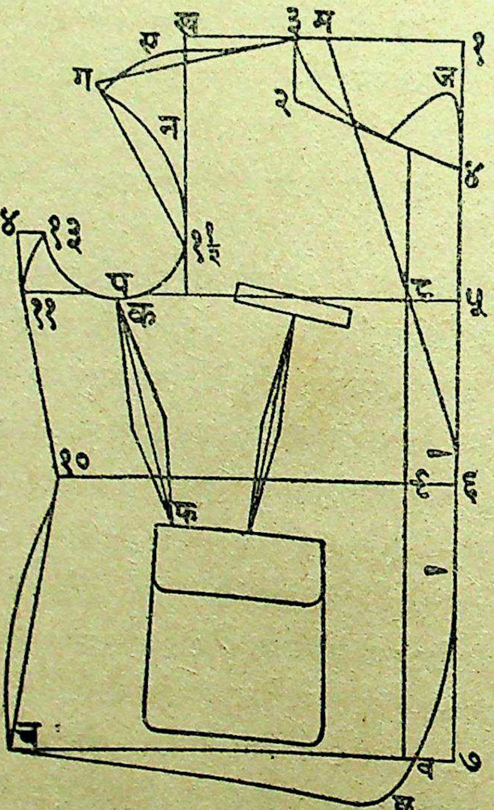

कोटके सामनेके भागका चित्र नं० ४३

पायजामा या ड्रासर

ढीला पायजामा और ड्रासर एक ही नियम से काटा जाता है। पायजामा पैन्ट के ऐसा लम्बा रहता है। किन्तु ड्रासर या

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

अन्डर ड्रासर घुटना तक लम्बा होता है। इसका घुटना ढीला रहता है। इसलिये डबल लम्बा और आधा गज कपड़ा अधिक लेना होगा।

नाप—लम्बा ४२, पीछा ३६, कमर ३२, मोहरी २०।

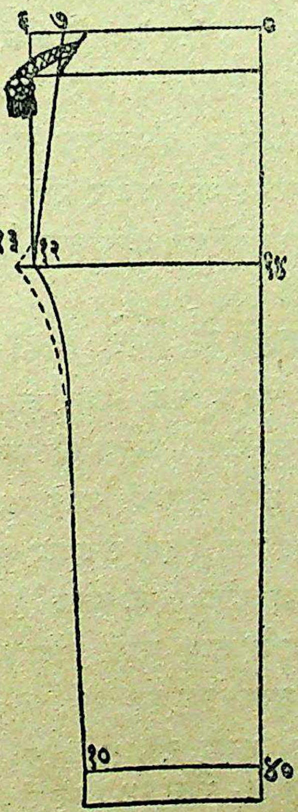

पायजामा का चित्र नं० ४४

० से ४० लम्बा के नाप से १ इञ्च अधिक। ० से १३ पीछा के नापका $\frac{१}{२}$ और १ इंच अधिक। १३ से १४ पीछाका $\frac{१}{२}$

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

और डेढ़ इंच अधिक अर्थात् कुल १३½ इंच। १३ से १४ जितना है, ० से २ इंच कम करके १२ और ७ सीधा रेखा चित्र के ऐसा जोड़ दो ४० से १० हुआ मोहरी के नाप से आधा और आधा इंच अधिक। ० से ६ रेखा के ऊपर दाग दो, नहीं तो २ इंच अधिक कपड़ा लेकर नाप लोगे। ४० और १० रेखा के नीचे और मोड़ने के लिये २ इंच कपड़ा अधिक रख कर काट लोगे। बच्चोंका पायजामा और इजार ठीक इसी तरह कटेगा। निकर या बकरम देकर जो पायजामा बनता है वह भी ठीक इसी नियम से काटा जाता है।

बच्चों के लिये बाँडी

जिस नियम से फतुहा काटा गया है ठीक उसी नियम से इजार बाडी का कपड़ा कटेगा। फतुहा की लम्बाई कमर के नीचे रहती है और बाडी ठीक सेस्त की जगह तक लम्बा काट कर इजार के साथ जोड़ा जाता है इसी से इजार बाडी हुआ। लेकिन बाडी का कमर कुछ ढीला काटा जाता है। इससे कुछ हटाकर तब इजार को कमर के साथ जोड़ा जाता है। इसका सामना फतुहा के ऐसा पूरा खुला रहता है।

नाप—सेस्त ११, लम्बा २४, पु० ५, पु० अ० १०, सीना २२, कमर २०, गला ११, पीछा २४, (मोहरी) हाट १६।

० से २ सेस्त के नाप से १ इंच अधिक। ० से ½ आधा इंच नीचे। ० से ५ तक मोढ़ा का नाप। ० से ३ सीना के नाप का १/१२ से आधा इंच कम।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

० से ४ और ५ से १, पुट से आधा इंच अधिक। ४ से ६ एक इंच नीचे। ५ से ७ सीना के नाप का १/४ और डेढ़ इं० अधिक।

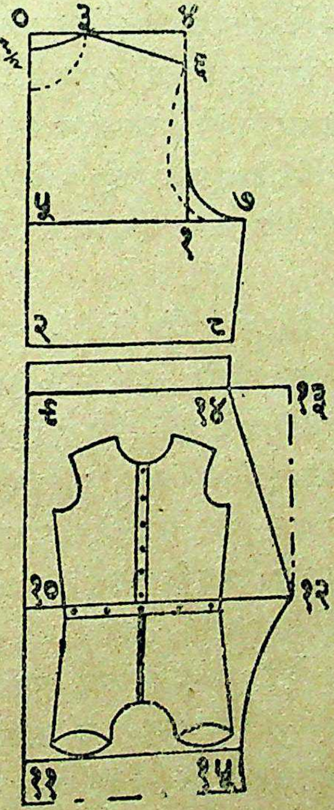

इजार बाडीका चित्र नं० ४५

२ से ८ कमर का चौथाई और डेढ़ इं०, अब इसको चित्र के ऐसा जोड़ दो। गला ठीक कुर्ता के हिसाब से कटेगा। एक ही साथ सामना और पीछा काटना होगा।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

इजार

हम पहले लम्बाईके नापको सेस्त तक बाडीमें काटते आये हैं। अब नीचे का बाकी हिस्सा इजार कटेगा। लम्बा था २४ इञ्च जिसमें सेस्त का लम्बाई ११ इञ्च काट लिया है अब बाकी १३ इञ्च में से इजारके लिये काटना होगा।

६ से ११, तेरह इञ्च और १ इं० अधिक कुल १४ इं० हुआ। ६ से १० पीछा के नाप का १/४ इंच और इं० डेढ़ अधिक, इसे हाई कहते हैं।

१० से १२ पीछा का २/३ और डेढ़ इं० अधिक। १२ से १३, ६ रेखाके ऊपर लम्बा खींचो १३ से २ इं० भीतर में १४ रखकर १२ और १४ ठीक चित्र के ऐसा जोड़ दो। ११ से १५ मोहरीके नापका आधा और १ इं० अधिक। अब चित्र के ऐसा जोड़ देने पर इजार बन गया। जब बाड़ी के साथ इजार नहीं रहता उस समय इजारमें चिह्न लगानेके समय पायजामा के ऐसी अलग पट्टी सिलाई करके देना होगा। इसके नीचे मोड़ने के लिये डेढ़ इं० परिमाण का बेशी कपड़ा ले लेना चाहिये। इसमें बटन प्रायः नहीं होता है। यदि होता है तो सामने दो मुख खुला रखकर बटन और कागज घर की पट्टी तैयार करके देना होगा।

शेलर शूट (Sailor Suit)

साधारण इजार बाड़ीसे इस बाड़ीके काटनेमें फर्क मालूम पड़ता है। इजार ठीक एक ही तरहका होता है। लेकिन

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

साधारण बाड़ी जिस हिसाबसे काटा गया है उसी हिसाबसे काटा जायगा। केवल पेनिंग की जगह में अधिक कपड़ा रहता है और उसके साथ एक और कपड़ा लेकर उसमें देना होता है। इसके किनारेमें फूल रहता है। उसमें एक कफ दिया जाता है, कफ के ऊपर सादा लम्बा फीता या टेप दिया जात

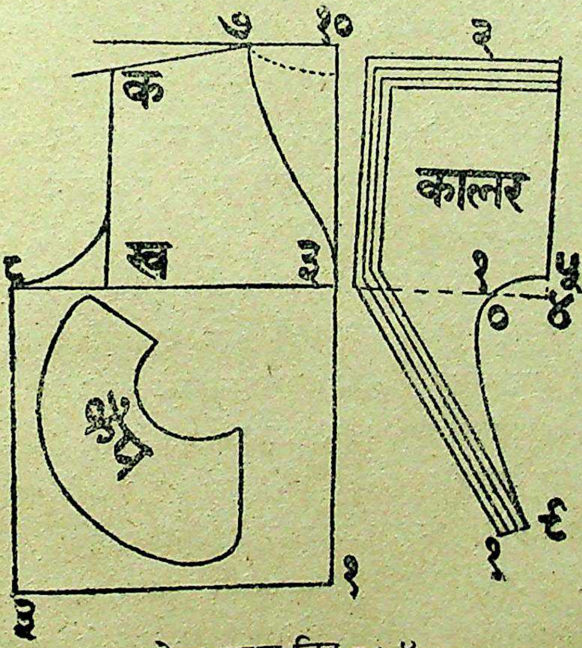

सेलर शूटका चित्र नं० ४

है। चित्र में जिस तरह दिया हुआ है उसी तरह टेप बैठाओ। चित्रमें देखनेसे सहज ही में समझ जाओगे। बाड़ी ठीक पहले ही के बाड़ी के ऐसा काट कर गला और मोढ़ा का हिस्सा (जगह) खुला रहेगा। चित्र को अच्छी तरह से देखो। उसके

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

बाद कालर का चित्र जिस तरहसे बना हुआ है उसी तरह बनेगा। कभी-कभी ऐसा कालर न होकर केप कालर भी दिखलाई पड़ता है उसी तरह बनेगा और उसमें सीधा टेप की ३ लाइन करके दिया जाता है।

कालरका १ से ०, गलाका ७ से ३ ठीक उसी तरह।

० से २ लम्बाई मोढ़ा का दूना। क्योंकि कालर के तरफ पीछे से लम्बा रहता है। ६ ४ सीनाके नापका $\frac{१}{१२}$ से आधा इं० कम। ५ से ४ इं० एक ऊपर रखकर ०, ६, ५ चित्र के ऐसा जोड़कर इसी रेखासे आधा इं० अधिक कपड़ा लेकर काटना होगा। ताकि सिलाई होनेसे यह ठीक ०, ६ और ५ रेखाके बराबर हो जाय। कालर ठीक पुटके नापसे दुगुना चौड़ा रहेगा। काटने पर इसके नीचे एक और कपड़ा देकर सिलाई किया जाता है, नहीं तो यह ठीकसे बैठेगा नहीं। इस कपड़ा को सिलाई करके फीता लगना होगा। फीता देकर गलाके साथ जोड़ देना होगा। जोड़नेके समय ० ठीक ७ के ऊपर और ६ ठीक बाड़ीके ६ ऊपर रखकर सिलाई किया जायगा। इसको भीतरमें जोड़कर ऊपरमें लाना होगा। इसका आस्तीन ठीक फतुहाके आस्तीनके हिसाबसे कटेगा। इस तरहका सूट जहाजी लोग व्यवहार करते हैं, इसलिए इसे सेलर सूट कहते हैं। इसका ७ से ६ दूरी तक खुला रहता है। यदि गलामें पहले कहे अनुसार लम्बा कालर न देकर केप लगाना हो तो उस समय इसका गला साधारण कुर्त्ताके हिसाबसे कटेगा।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

मेकिया फ्राक

हमलोगों के देश में छोटे-छोटे बच्चे मेकिया फ्राक पहनते हैं। यह फ्राक नाना प्रकारका होता है। लेकिन इसके काटनेका तरीका प्रायः एक ही तरहका होता है। अब हम जिस प्रकारके फ्राकके विषयमें लिखते हैं उसका आगा और पीछा एक ही कपड़ेका होता है। इसके आस्तीनमें जोड़ नहीं होता।

नाप—सेस्त १०, लम्बा २२, पुट ८$\frac{१}{२}$, पुट अ० १०, सीना २४, कमर २२, मोहरी १०।

पहले लम्बाईके नापसे दूना और ४ इं० अधिक लो। इसका चौड़ा होगा जितना सीनाका नाप है उसके बराबर। हमारा यही नाप हुआ लम्बा २२ इं०, कपड़ा होगा २२ का दूना ४४ इञ्च और ४ इं० अधिक ४८ इं० लेना होगा। इसका चौड़ा रहेगा सीनाका नाप २४ इं० के बराबर। अभी इस कपड़के चौड़ाईको आधा भांज करके लम्बा २४ इं० के बराबर दो भांज करो। १, ८, २४, और ६ जो इसका भांज किया हुआ कपड़ा है, इसी तरह फ्राक काटा जाता है।

१ से २४ लम्बाई के नापसे २ इं० अधिक अर्थात् २४ इं०। १ से ६ मोढ़ा, सीनाके नापका $\frac{१}{४}$ अर्थात् ६ इं०। १ से १० सेस्तके नापके बराबर १० इं०।

१ से ४ पुट अ० का नाप १० इं० और १ इं० अधिक। ४ से ३ मोहरीके नापसे आधा और $\frac{१}{२}$ इं० अधिक। ६ से २ सीनाका $\frac{१}{४}$ और १$\frac{१}{२}$ इं० अधिक।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

१० से ५ हुआ ६ से २ जितना दूर है उतना ही दूर।

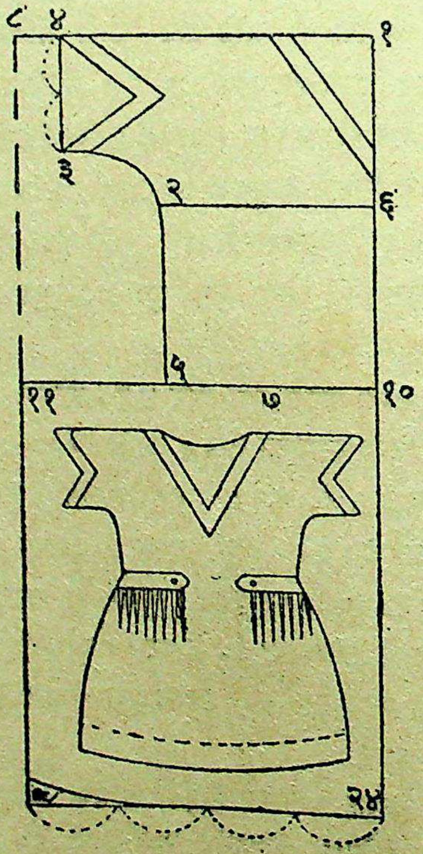

कमरका कटा हुआ चित्र नं० ४७

अब ४, ३, २ और ५ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ करके ए रेखा के ऊपर से काटना चाहिये। तब ११ से ७ तक काटते जाओ।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

११ से ७ तक जितना कपड़ा है, उसको इस तरह रखना होगा कि ११ बिन्दु ५ पर पड़े और ऊपरका कपड़ा ७ से मिल

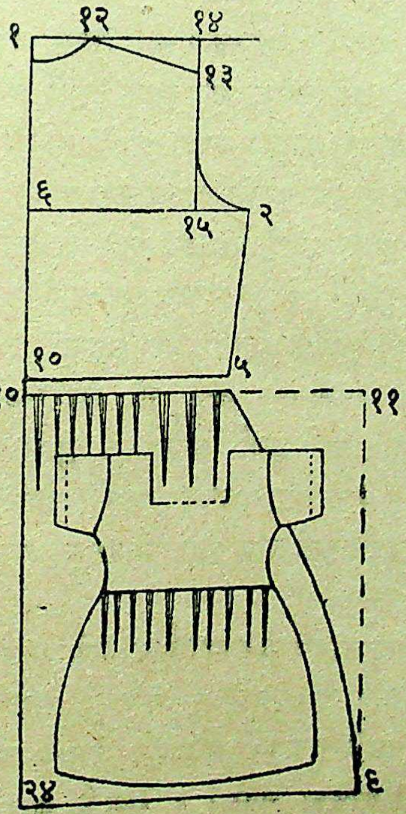

मेकिया फ्राकका चित्र नं० ४८

जाय। उसके बाद दोनों बगलको सिलाई कर दो। सामना भागसे गला काट लो। इसका गला अंग्रेजी V (भी) अक्षरके ऐसा

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

होना चाहिये। कभी-कभी गोल और चौखुटा भी होता है। सामना गला सीनाके नापका १/१३ और १ इं० अधिकसे जितना होता है १ से उतना ही ठीक नीचेमें; सामना भाग खुला रहेगा। पहले इन सब फ्राकमें कालर रहता था, किन्तु अब कालर नहीं दिया जाता। इसी फ्राकको और दूसरे ढङ्गसे बना सकते हो। १० से ११ रेखा पूरा काटकर अलग करके नीचेमें चुनन देकर ऊपर का भाग कमरके भागके बराबर कर दो। बराबर करके जोड़ देने पर उसके ऊपरमें बैंड लगा दो। तब देखोगे यह दूसरे तरहका फ्राक हुआ। मेकिया फ्राक काटकर किस तरह सिलाई होता है, चित्रमें देखनेसे अच्छी तरह समझ जाओगे। इच्छानुसार इसके आस्तीनको अलग भी काट सकते हो। जिस प्रकार फतुहा पर कुर्त्ता वगैरह में पुटके नापसे काटकर बनता है, ठीक उसी तरह काटकर अलग आस्तीन काट लो। घेराका शेप करके उसी तरह बना लेने पर यह ऊपरके ऐसा फ्राक हो जायगा।

अब दूसरी तरहके फ्राकका नियम देखो। यह तीन भाग करके काटा जाता है। पहले ६ और २ रेखाके ऊपर होकर काट दो। उसके बाद १० और ११ रेखाके ऊपर काट दो। अभी सीनाके नीचेका भाग ६ २ रेखा के ऊपर जोड़कर उसके पीछे भागमें बटन पट्टीसे बराबर दूरी पर दो अलग प्लेट सिलाई करके दो। उसके बाद कमरके नीचेका हिस्सा जोड़कर उसके बाद कमरको घुमाकर एक वेल्ट लगाकर सिलाई करो।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

तब देखोगे दूसरा ही फैशनका फ्राक तैयार हो गया। सभी तरह के फ्राक काटनेका तरीका एक ही है, लेकिन सिलाईके तरीका में फर्क है।

कितने फ्राकमें दामनके नीचे और आस्तीनमें कमलके फूल की तरह पंखुड़ी होती है। इसी तरह काटकर चित्र बिन्दूके ऐसा जो २.१ चिन्ह बनाया हुआ है ठीक उसी तरह बनाओ। पहले नीचेके घेराके समान लम्बी और ३ इञ्च चौड़ी एक पट्टी लेकर कमलके पंखुड़ी की तरह दाग देकर काट लो। उसके बाद यही पंखुड़ी फ्राकके नीचाके घेराके ऊपर जोड़कर मशीनसे या हाथ से सिलाई कर दो उसके बाद घेराका कपड़ा ठीक सिलाई करके पंखुड़ीके ऐसा भाँजकर काटके पट्टीके भीतरमें देकर उल्टाकर तुरपाई सिलाई कर दो। आस्तीनमें भी इसी तरह करना होगा।

बच्चोंका हाफ पैंट

० से १७ लम्बाईके नापसे आधा इञ्च अधिक लेकर रेखा खींचो। ० से २, दो इञ्च नीचे। ० से १२ पीछाका $\frac{1}{2}$ भाग दूर पर। १२ से १३ पीछाके नापसे $\frac{1}{2}$ ओर १ इञ्च अधिक।

१३ से ६ भाग १२ से १३ जितना दूर है उसका $\frac{1}{4}$ भाग दूर पर। ६ से ७, ६ रेखा ऊपरमें ० रेखाके ऊपर से लम्बा। ७ से ७ कमरका $\frac{1}{4}$ और आधा इञ्च अधिक। ६, से ६, ७ से ७ जितना दूर है उससे $\frac{1}{2}$ इञ्च अधिक।

१७ से क अधा इञ्च दूर पर। क से ८ घुटनाके नापका आधा। पैंटके ऐसा दाग देनेके बाद हाफपैंटका सामना भाग हो जायगा। इसका पीछा भाग ठीक साधारण पैंटके समान

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

बनेगा। सिलाई भी साधारण पैंटके ऐसी होगी। चित्र देखने से सब समझ में आ जायेगा। १३ और ८ रेखासे डेढ़ इञ्च दूर पर डेढ़ रक्खो।

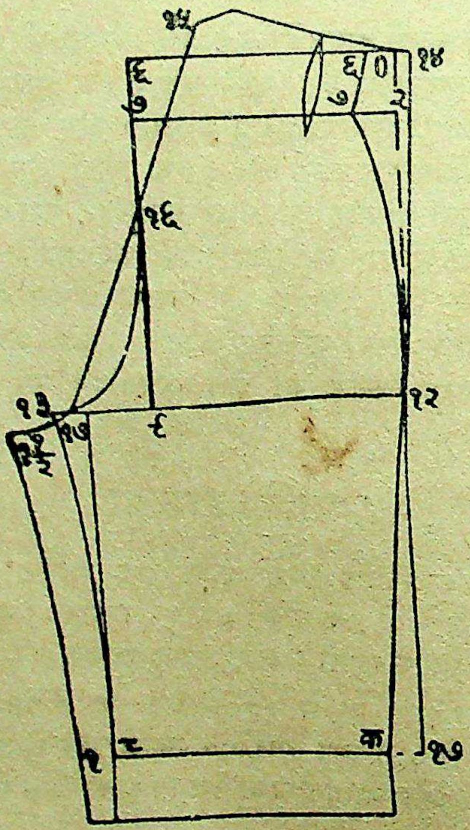

हाफपैंटका चित्र नं० ४६

८ से १ इञ्च दूर पर १ रक्खो और डेढ़ और १ दोनों बिन्दुतक चित्रके ऐसा जोड़ दो। ६ से डेढ़ इञ्च दूर पर १४ रखकर १४ और १२ चित्रके समान जोड़ दो।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

१४ से १५ और ६ से ६ एक साथ सब मिलाकर कमरके नाप का ½ और एक इञ्च अधिक।

१४, १५ और १६ चित्रके ऐसा जोड़ देने पर हाफपैंटका पीछा हो जायगा। काटनेके समय पैण्टके ऐसा मोड़कर सिलाई करनेके लिये कपड़ा लेकर काटना चाहिये।

बच्चोंका निकर (Knicker)

निकरका नाप हाफपैंटके नापसे ६, ७ इञ्च लम्बा अधिक रक्खा जाता है। क्योंकि इसमें ठीक घुटनाके नीचे बटन रहता है और उसके ऊपर कुछ ढीला रहता है, कारण ऐसा न होनेसे घुटना मोड़ा नहीं जायगा और सब नाप ठीक साधारण पैंटके ऐसा होगा।

१ से ३० लम्बाईके नापके बराबर। १ से ० पीछाका ⅓। ० से ३ पीछाके नापका ⅓ और १ इञ्च अधिक। ३ से ४ हुआ, ० से ३ जितना है उसका चौथाई। इसके ऊपरका हिस्सा ठीक साधारण पैंट या हाफपैंटके ऐसा बनेगा। ० से १५ घुटनाका नाप।

०, ३० रेखासे १५ आधा इञ्च दूर पर। ३० से १३ दो इञ्च दूर पर। १३ से १२ मोहरीके नापका आधा और ३ इञ्च अधिक। ३, १४, १२ और ०, १५, १३ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ लेने पर सामना भाग बन जायगा। इसका पीछा भाग भी ठीक पैंटके ऐसा।

३ से १७ डेढ़ इञ्च। १२ से १८ एक इञ्च। १७ और १२ चित्रके ऐसा जोड़ दो। ७ से २२ डेढ़ इञ्च। ० से १ इञ्च दूर पर दाग देकर १३ और २२ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

२२ से १० और ७, ५, एक साथ जोड़कर कमरके नापका आधा और एक इंच अधिक लेकर २०, १८, १७ रेखा खींचो। यह ठीक पैंटके ऐसा। ऊपरका हिस्सा ठीक पैंटके ऐसा शेप कर दो, तब पीछा भाग हो जायगा।

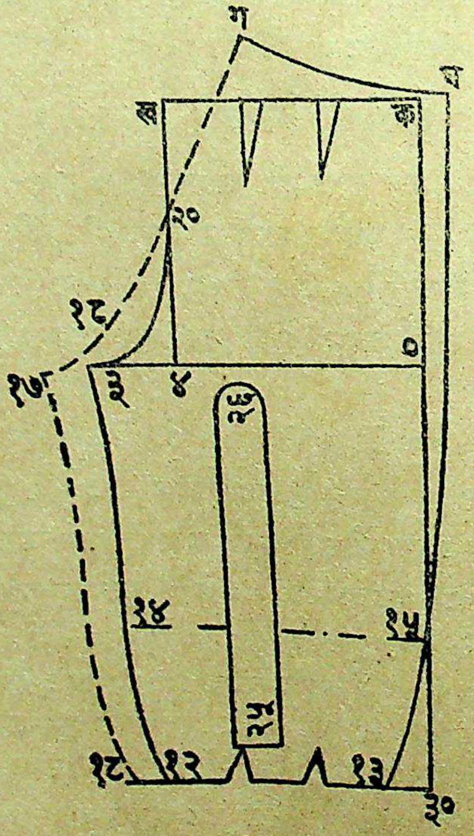

नीकरका चित्र नं० ५०

२५ और २६ डेढ़ इंच चौड़ा और घुटनाके नापसे २ इंच

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

अधिक रखकर पट्टी काटकर १२ और १३ भागके नीचेका हिस्सा चुनन देकर फीताके ऐसा सिलाई करना चाहिये। मोहरीके नाप के समान रखकर इसी पट्टी के एक तरफ बटन तथा दूसरी तरफ काजघर करोगे। या तो एक तरफ लेस लगा दोगे।

चाँद गला सेमीज

नाप :—सेस्त १५, लम्बा ४०, पु० अ० १६, सीना ३६, कमर ३०।

साधारण सेमीज ज्यादा ढीला रहता है। परन्तु जाकिट सेमीज जो है, सो शरीरमें कसा हुआ रहना चाहिये अर्थात् (टाइटफिटिंग) काटना चाहिये। यहाँ पर हम चाँद गला सेमीज का वर्णन करेंगे।

पहले ऊपरमें नाप लिया गया है। कपड़ा लेनेके समय लम्बाका दूना और ४ इंच ज्यादा लो। इसका आस्तीन कपड़ाके बगलसे निकलेगा। सेमीजका घेरा सीनाके नापके बराबर होना चाहिये। ० से ४२, लम्बाईके नापसे २ इंच ज्यादा। ० से ८ मोढ़ा, सीनाके नापसे ¼ से एक इंच कम, ८ इंच। ८ से ६, और ० से ७ हुआ पुटका नाप ७½ इंच और ½ इंच ज्यादा सब ८ इंच। ० से १५ सेस्तके नापके बराबर दूरी पर। ८ से ५, सीनाके नापका चौथाई और २ इंच ज्यादा। १५ से ६, कमरका चौथाई और डेढ़ इंच ज्यादा। ४२ से १० सीनाके नापसे बराबर कपड़ा आधा भाँज करके रखना होगा। १० से एक इंच ऊपर रखकर १ और १०, ४२ रेखाके साथ चित्रके ऐसा जोड़ दो।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

७, ५, ६ और १ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो। ० से १४ सीनाका ⅙ भाग नीचे रखकर १४ और ७ चित्रके ऐसा जोड़ दो। तब गलाका गोलाई याने खुली जगह तैयार हो जायगी।

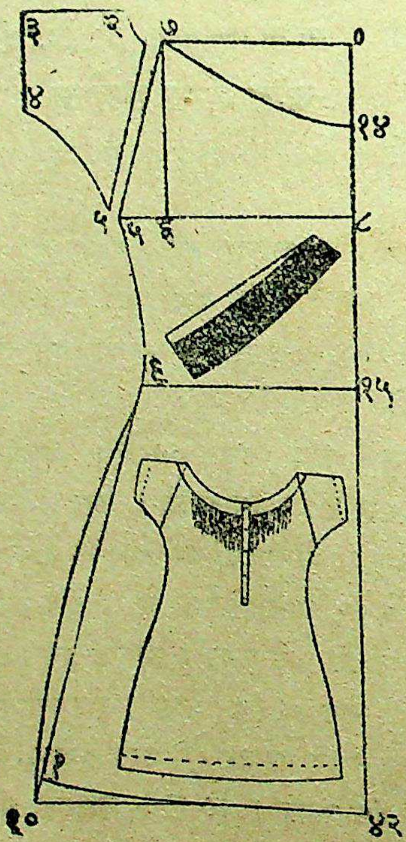

चाँद गला सेमीज चित्र नं० ५१

आस्तीनका कपड़ा मोढ़ाके नापसे चौड़ाईमें २ इंच ज्यादा

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

रक्खो। ७ से २, दो इंच ऊपर। २, ५, ३, ४ यही अस्तीन हुआ। पहले सेमीजका बगल (साइड) सिलाई करके तब आस्तीन जोड़ दो। इसके बाद १४ से ७ जितना है उसको बरा· करके कमीजका जैसा बैंड कालर होता है वैसा ही चार बैंड काट लो। यही चारों बैंडको दो सामनाके नीचे और ऊपरका दो पीछा भागके नीचे और ऊपर रखो। अभी देखो बाडीके गलामें बैंडसे ज्यादा जो कपड़ा है, उस ज्यादा कपड़ाको बैंडके बराबर करके चुनन देकर सी लो। डबल कफ कमीजके आस्तीनमें जिस तरह चुनन देकर बैठाया जाता है उसी तरह यह भी बैठाया जाता है।

जिस तरह मेकिया फ्राक एक सलग कपड़ासे काटा जाता है, सेमीज भी उसी तरह एक ही कपड़ासे कटेगा। उसमें ऐसा शेपका आस्तीन और गला नहीं होता। फतुहा काटनेका जो नियम बतलाया गया है, उसी तरह पु० और पु० अ० इत्यादिका नाप लेकर दूसरी तरहका सेमीज काट सकते हो। जाकीट सेमीज उसी ढंगसे काटना होगा देख लो।

जाकीट सेमीज

इस सेमीजका पहले पीछा तब आगा काटना होगा। दूसरे कपड़े का जिस तरह सामना और पीछा एक साथ काटा जाता है इसमें वैसा नहीं होगा।

नाप—सेस्त १५, लम्बा ४०, पु० ७½, पु० अ० १५, सीना ३६, कमर ३०।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

पीछा भाग

० से ४२, लम्बाका नापसे २ इंच अधिक। ० से ८, मोढ़ा का नाप।

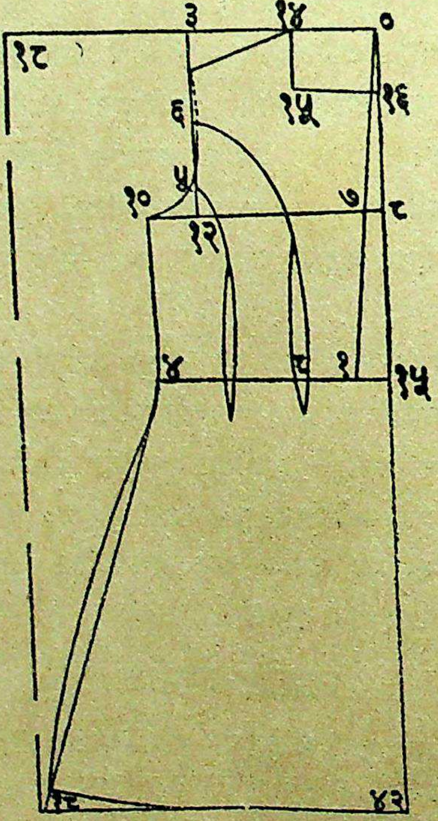

जाकीट सेमीजका पीछा भाग चित्र नं० ५२

० से १५, सेस्तके नापके बरावर १५ इंच नीचे। १५ से एक इंच

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

भीतरसे १ बैठाकर ० और १, एक सीधी रेखा चित्रके ऐसी जोड़ दो। ० से पुटके नापसे आधा इञ्च ज्यादा लेकर ८ इञ्च दूर पर ३ रखो। ३ से नीचे तक ३ और १२ रेखा खींचो। तीनसे १ इञ्च नीचे एक दाग दो। ० से २ इञ्च दूर पर १६ और ३ इञ्च दूर पर १४ रखो। २ को चित्रके ऐसा जोड़ दो।

१४ से २ इञ्च नीचेमें १५ रखकर १४, १५ और १६ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ दो। तब पीछाका चौखूटा गला हो जायगा। ७ से १०, सीनाका $\frac{1}{4}$ और २ इञ्च ज्यादा। २ और १० चित्रके ऐसा जोड़ दो। इसके बाद २ और १० जितना होता है उसका $\frac{1}{3}$ करके ६ और ५ रखो। अभी ५ और ६ से ५, ६ और ६, ६ की तरह बना लो। इसी रेखाके ऊपरसे टेढ़ा करके सीना होगा ताकि १५ और ४ रेखा से २ इञ्च नीचे तक चली जाय। १० से ४ एक सीधी रेखा खींच कर ४ और १८ चित्रके ऐसा जोड़ दो।

पीछाको सीनेके वक्त पहले ० से १ तक सिलाई कर दो इसके बाद ६, ८ और ५, ६ रेखाके ऊपर सीना होगा। इसके बाद सामनाके साथ जोड़ना होगा।

सामना भाग

० से ४२ लम्बाके नापसे २ इञ्च अधिक। ० से ८ इञ्च नीचे मोढ़ाका नाप जिस तरह पीछामें है। ० से १५ सेरतका नाप जिस तरह पीछामें है। ० से ४ और मोढ़ाके चिन्हसे ५, पुटका नाप और आधा इञ्च अधिक। ० से २, तीन इञ्च दूर पर है। ० और २ से ४ और ३ चार इञ्च नीचे है। २, ३

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

और ४ ठीक चित्रके ऐसा जोड़ लेने पर सामना भागमें चौड़ा (स्क्वायर) गला हो जायगा। ४ से १ इञ्च नीचे १ रखकर २ और १ रेखा जोड़ दो।

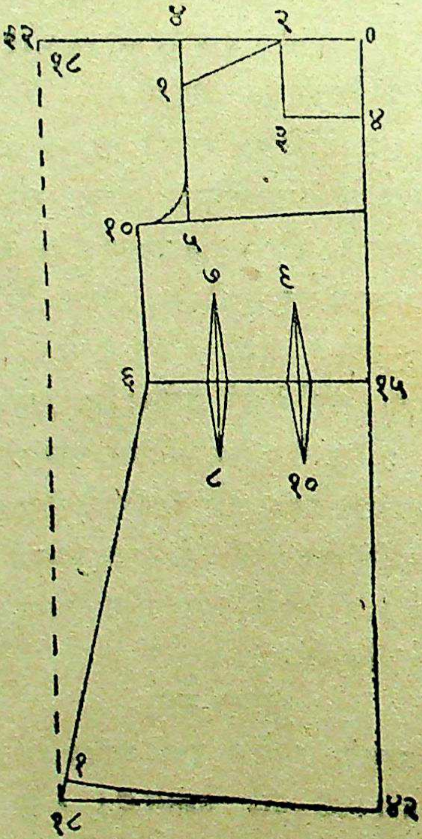

जाकेट सेमीजका सामना भाग चित्र नं ५३

८ से १० सीनाका चौथाई और डेढ़ इञ्च अधिक। १० से सीधी रेखा १० और ६ नीचे १५ और ६ रेखाके ऊपर खींचो।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

१५ और ६ रेखा के समान तीन भाग करके बीच में दो भाग के ऊपर ७, ८ और ९, १० रेखा खींच कर कोट के ऐसा दो टेकिन लगाकर सिलाई करना होगा। ऐसा करने से कमर का सुन्दर शेप होगा। कुर्त्ता के ऐसा सेमीज काट लो। सिलाई करने के समय पहले पीछा भाग का टेकिन और शेप सिलाई करो। उसके बाद सामना भाग में यही टेकिन २ सिलाई करके कुर्त्ताके ऐसा ४ से १५ तक सामना भाग खुला रख कर बटन या काज पट्टी लगाओ। उसके बाद सामना और पीछा भाग जोड़ दो। इसका बगल (साइड) पहले नहीं जोड़ कर पुट पहले जोड़ कर डेढ़ इंच चौड़ा कपड़ा काट कर गला में पट्टी लगा लेने से आसान होगा। उसके बाद बगल और नीचे का पट्टी सिलाई कर दोगे। इसका आस्तीन ठीक कुर्त्ता के आस्तीन के ऐसा कटेगा। आस्तीन मोढ़ा के नाप से १ ंच अधिक चौड़ा रखना होगा। यही १ इंच चौड़ा मोढ़ा के साथ जोड़ने के समय ऊपर उठाकर मोढ़ा के बराबर करके बैठाने से देखने में सुन्दर लगता है। अस्तीन छोटा रहेगा और शेप भी साधारण रहेगा।

ब्लाउज

ब्लाउज, जाकीट और सलूका से अधिक ढीला रहता है। नाप एक ही निमम से लेना होगा।

नाप—सेस्त १४, पुट ७३/४, पु० अ० १६, सीना ३६ कमर ३०। ० से सेस्त का नाप १४ इंच से २ इंच अधिक लम्बा लेकर ० से १६ रेखा खींचो।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

० से ६ मोढ़ा, सीना का १/४, ६ इञ्च नीचे। ० और ६ से ८ हुआ और ८ रेखा पुट ७१/२ और १/२ इञ्च अधिक। ० से ३, सीना का १/१२ ३ इञ्च दूर पर। ० से २ दो इञ्च नीचे। ८ से १ एक इञ्च नीचे। ६ से १० सीना का १/४ भाग ६ इञ्च और १ इञ्च कुल १० इञ्च दूर पर। १६ से ७ और दस इञ्च दूर पर। चित्र के ऐसा जोड़ लेने पर पीछा हो जायगा। ठीक रेखा के ऊपर से होकर काटना होगा। आजकल ब्लाउज का पीछा भाग ठीक जाकीट के पीछा के ऐसा काटा जाता है। इससे पीछा ठीक फिट हो जायगा।

सामना भाग

० से सोलह, १६ इञ्च बनाकर रेखा खींचो। ० से नौ, ६ इञ्च नीचे मोढ़ा का दाग।

० और ६ से ८ और ८ रेखा पीछे के पुट के बराबर पुट ७१/२ और १/२ इंच अधिक। सब मिला कर ८ इंच दूर पर ८ से १ इंच नीचे।

० से ३ सीना का १/१२, ३ इंच। ६ से १२ और १६ से ११ सीना का चौथाई, ६ इंच और २ इंच कुल मिलाकर ११ इं० दूर पर, १६ से डेढ़ ११/२ इंच नीचे लेकर चित्र के ऐसा १६ और ११/२ को मिला कर बना लेने पर सामना भाग हो जायगा। ३ और ६ चित्र के ऐसा V (भी) की तरह गला तैयार होगा। स्कायर (चौड़ा) गला होने से जाकीट सेमीज के गला के हिसाब से काटना होगा। सामना और पीछा जोड़कर नीचे एक पट्टी देना होगा। यही पट्टी लम्बा कमर के नाप २ इंच बड़ा और चौड़ा पीछा में २ इंच और सामना में ३ इंच चौड़ा लेकर

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

चित्र में जैसा ड्राइङ्ग किया हुआ है ठीक वैसा ही कटेगा। इस पट्टी की लम्बाई ठीक पीछा के बीच से जोड़ कर सामना भाग जितना बड़ा है उतना ऊपर पट्टी बराबर करके उसके साथ

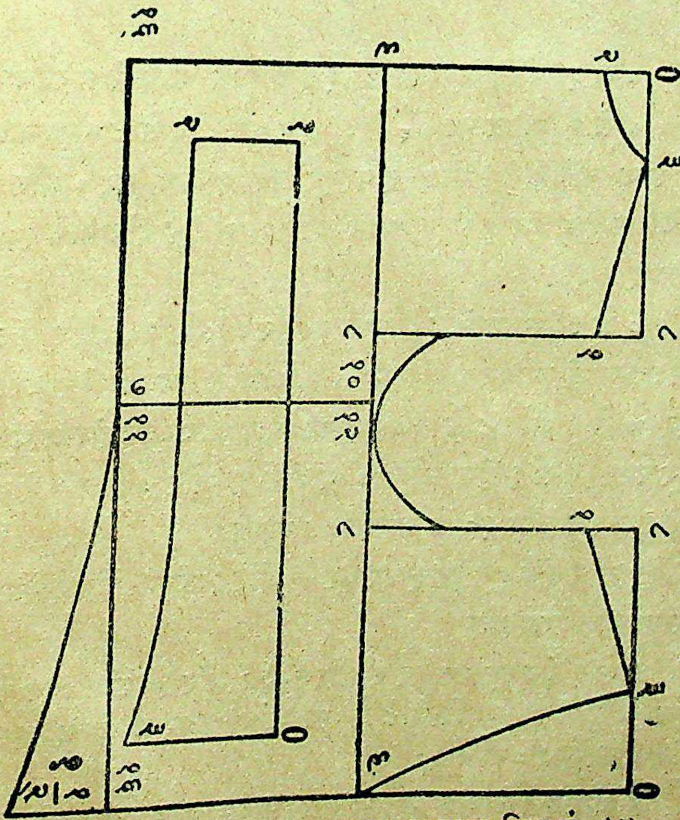

ब्लाउजका पीछा भाग सामना भाग चित्र नं० ५४

मिलाकर सिलाई करना होगा। एक सिया हुआ ब्लाउज देख लेने पर जो कहा गया है ठीक समझ में आ जायगा।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

जाकिट

नाप—सेस्त १४, पुट ७½, पुट अ० १८, सीना ३६, कमर ३० ।

पीछा

० से १६ सेस्त के नाप से १ इंच बड़ा करके रेखा खींचो ।

० से २ सीना का ⅟₁₂ से १ इंच कम । ० से ८ मोढ़ा नाप, ८ इंच नीचे । १६ से १ इंच दूर पर १ रख कर ० और १ चित्र के ऐसा जोड़ दो । उसके बाद १ से १½ इंच नीचे १७½ तक दाग दो ।

० से ३ सीना के ⅟₁₂ भाग दूर पर । ० से २ जितना है ३ से इतना ही दूर पर ४ रखकर २, ४ और ३ चित्र के ऐसा जाड़ दो । ० से ६ और ८ से १० पुट का नाप और आध इंच अधिक दूर पर । ६ से १ इंच नीचे ७ रखकर ३ और ७ चित्र के ऐसा जोड़ दो । ७ और १० के बीच में ८ रक्खो ।

१ से २ इंच दूर पर ५ रखकर ८ और ५ ठीक चित्र के ऐसा आधा गोल रेखा जोड़ दो ।

५ से १ इंच दूर पर १२ रखकर ६, १२ और १७ ठीक चित्र के ऐसा जोड़ दो । ६ बिन्दु ८ से पाव इंच बाहर के तरफ । १२ से १७ आधा इं० नीचे ।

६ और १८ के बीच में १६ रखकर १६ और १३ चित्र के ऐसा जोड़ करके १७ और १३ जोड़ दो । १३ से १४ आधा इंच दूर पर । १४ से १५ साढ़े तीन इं० दूर पर । क से सीना के ⅛ दूर पर ११ रखकर १८ और १६ लम्बा रेखा खींचो ।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

१६ से आधा इं० दूर पर १५ रखकर ११ और १५ चित्र के ऐसा जोड़ दो। सिलाई करने के समय पहले ० से १७½ तक सिलाई कर दो। उससे बाद ८ और ५ रेखा काट कर ६ और

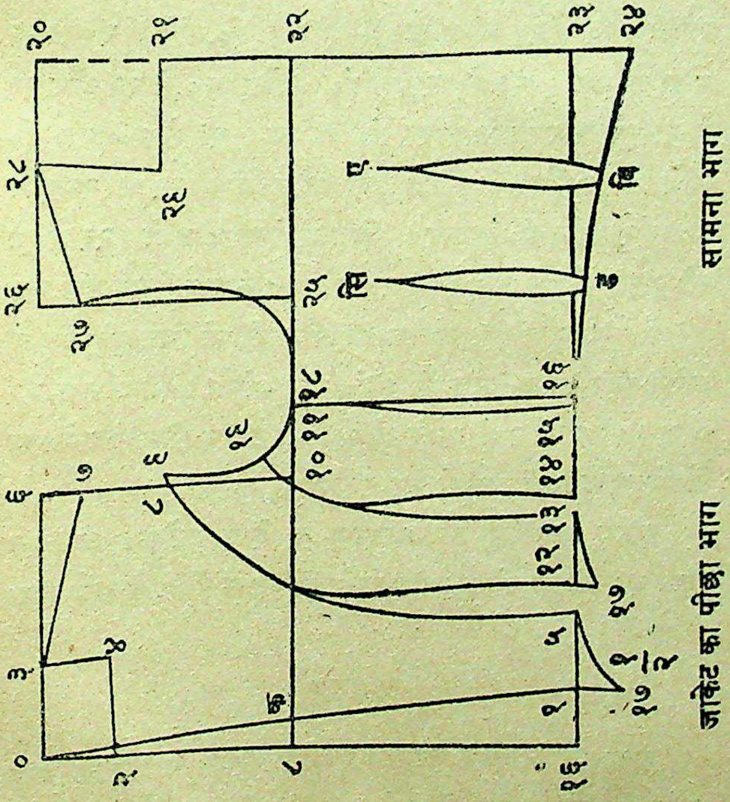

चित्र नं० ५५

१२ रेखा के ऊपर रखकर सिलाई कर दो। १६ और १३ रेखा के ऊपर से काट कर इसको १६ और १३ रेखा के ऊपर रख कर सिलाई करना होगा। तब पीछा भाग सिलाई हो जायगा।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

सामना

२०, २३ रेखा पीछा भाग के ०, १६ रेखा के बराबर करके खींचो। २० से २१ सीना का १/३ और १ इं० नीचे। २० से २२ मोढ़ा का नाप। २३ से २४ दो इं० नीचे। २० से २६ और २२ से २५ पुट और उससे आधा इं० अधिक। २६ से २७ एक इं० नीचे। २८ और २७ सीधी रेखा जोड़ दो। २२ से २६ और २० से २८ तीन इं० दूर पर। चित्र के ऐसा जोड़ दो। २२ से १८ सीना का चौथाई और १ १/३। २७ और १८ चित्र के ऐसा जोड़ दो। १६ और २४ जोड़ दो। अब ए, बी और सी, डी चित्र की तरह दो टेकिन दो। इसके बीच में १ इं० खुला रहेगा। सी और ए, २२ और १८ रेखा से २ इं० नीचे रहेगा। दो टेकिन ठीक बीच में रख कर रेखा के ऊपर सिलाई करना होगा।

इसका आस्तीन ठीक ब्लाउज के ऐसा कटेगा। आजकल बहुत ब्लाउज का पीछा भाग इसी जाकिट के पीछा के तरह काटा जाता है।

जम्फर

जम्फर तैयार करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि यदि ३० इं० अर्जका कपड़ा होगा तो १ गज ४ गिरह कपड़ा लेकर तब काटना होगा।

नाप—छाती ३६, पु० अ० १५, कमर २६, लम्बाई कमर तक १५, पूरी लम्बाई २१।

 CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

सामना भाग

० से १ तक आगेका भाग कमरकी ऊँचाई १५ इं० ।

० से २ तक पूरी लम्बाई २१ इं० ।

० से ३ तक छातीका चौथा भाग ६ इं० से १ इं० कम=८ इं० । अब ऊपर से ०, ३, १ २ एक रेखा खींचो । ४ से ३ रेखा छातीका चौथा भाग और पौने दो इं० अधिक कुल पौने ग्यारह इं० ।

० से ५ आस्तीन की लम्बाई का नाप १५ इं० ।

६ से ५ तक एक रेखा खींचो । ६, ५ एक सीधी रेखा खींचो, यह हुआ छातीका छठा भाग ६ इं० ।

७ से ४ तक एक सीधी रेखा खींचो ।

६ से ८ आधा इं० दूरी पर और १० से ७ आधा इं० दूरी पर । बगल सीनेके लिए ६, ४, ६, १० तक बांका रेखा खींचो । ० से ११ छातीका बारहवां भाग=३ इं० चित्रकी तरह रेखा खींचो । १३ से ३=१ इं० । गलेका आकार ११ से १३ चित्रकी तरह बनाओ ।

पीछा भाग

० से १२ आधा इं० से डेढ़ इं० गलेका आकार ११ से १२ तक एक रेखा खींचो । अन्य सब बिन्दु सामनेके भागकी तरह ही है ।

अब पनहे की लम्बाई ३० इं० में से आस्तीनके लिए एक टुकड़ा कपड़ा काट लो, इसमें से दोनों बांह के लिए १५-१५ इं०

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

लम्बा दो टुकड़ा काट कर अलग रख दो। अब पूरा आगा और पीछा का कपड़ा काट लो और मोड़नेके लिए डेढ़ इं० अधिक कपड़ा लेना होगा। इसके बाद मोड़ करके चार टुकड़ा और काट लो,

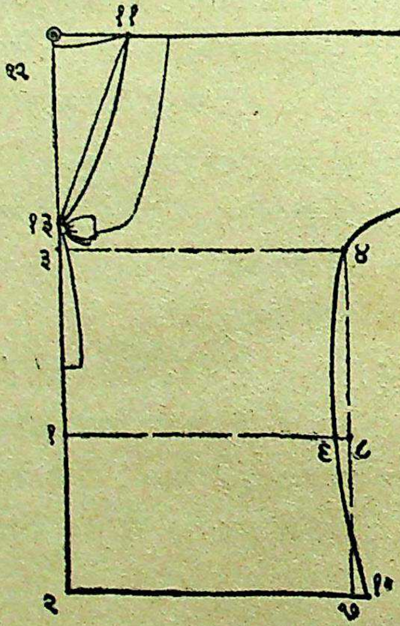

जम्फर का चित्र नं० ५६

इसमें से दो टुकड़ा कालरके लिए और दो टुकड़ा बेल्टके लिए है। कालरके पीछेमें जोड़ आवेगा और कमर पट्टा के बगलमें जोड़ आवेगा। कभी-कभी कमर पट्टे में इलास्टिक भी लगाया जाता है।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

फैशनेबुल बुश शर्ट

आजकल ब्रुश शर्ट पहननेका फैशन बहुत चल गया है। गर्मीके दिनोंमें यह खास तौरसे पहना जाता है, कारण इसके अन्दर कमीज पहनने की आवश्यकता नहीं पड़ती। कोट और कमीज दोनोंका काम यह कपड़ा देता है।

नाप—छाती ३६, कमर ३२, सीट ३८, पु० ७, कमर तक ऊँचाई १६½, पूरी लम्बाई २९।

पीछे का भाग

१ से ० तक पूरी लम्बाई और सीने के लिए आधा इं० अधिक कुल २९½ इं०।

२ से ० छाती का चौथाई ९ इं०।

३ से ० कमर की ऊँचाई का नाप १६½ इं०।

४ से ३ बराबर ३ से ० का आधा ८½ इं०।

५ से ० बराबर २ से ० का चौथा भाग २¼ इं०। ६ यह, ० और २ के बीच में है।

समकोण में ०, ५, ६, २, ३, ४, १ से रेखा खींचो। ७ से ३= आधा इञ्च, ० से ७ जोड़ो और रेखाको ८ की ओर बढ़ाओ। इस रेखा पर कपड़ेको मोड़ दो।

९ से ६ रेखा पीठकी चौड़ाई और ½ इं० एक सिलाईके लिये और ¼ इञ्च ढिलाईके लिये। १० को ९ से नीचे समकोण खींचों

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

११ को ६ से नीचे समकोणमें रेखा खींचो। १२ से ० छातीके नाप का बारहवां हिस्सा ३ इं०।

१३ से १२ बराबर पौन इं० गलेका आकार १३ से ० के ऐसा बनाओ।

१४ से १० बराबर ½ कंधेका आकार १३ से १४ रेखाके ऐसा बनाओ।

१५ से अ बराबर छातीका चौथा भाग कुल ६ इञ्च।

१६ से १५ बराबर ½ मुड्ढेका आकार १४ से १६ के ऐसा बनाओ।

१७ से ७ छातीका छठा भाग और डेढ़ इं० कुल ७½ इं०।

१६ से १८ बराबर १७ से ७ और आधा इं० कुल ८ इञ्च। अब बगल सीनेके लिये १६ से १७, १६ और २० तक चित्रकी तरह रेखा खींचो। दबावके लिये आधा इं० अधिक कपड़ा लेना चाहिये। इसकी बाँह और कालर कमीजके मुताबिक काटो।

सामनेका भाग

२१ से 'अ' बराबर छातीका आधा और अढ़ाई इं० अधिक कुल २०½ इञ्च।

२२ को २१ से नीचे बराबर रेखा खींचो। २३ से २१ छातीका चौथाई और १ इञ्च कम कुल ८ इं०।

२४ से २३ छातीका बारहवाँ भाग और पौन इं० अधिक कुल पौने चार इञ्च।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

२५ से २४ छातीका चौथाई और पाव इञ्च अधिक कुल ६¼ इञ्च। अब कंधेकी रेखा २५ से १४ जोड़ो।

२६ से २५ बराबर पीठका कंधा १३ से १४ जितना है उससे चौथाई इञ्च कम।

बिन्दु २६ को रेखाके पाव इञ्च नीचे लो।

२७ से २३ बराबर १ इं०, २६ से २७ रेखा खींचो। और मुड्ढेका आकार २६ से २७ से १६ तक चित्रके ऐसा रेखा बनाओ।

२९ से २८ कमरका आधा और २½ इञ्च अधिक और आधा इञ्च यह है ७ से १७ कम करके कुल ११½।

क से २२ बराबर आधा इं० २८ से क तक रेखा खींचो।

३१ से ३० बराबर शीटका आधा और २½ इञ्च १८-१९ से कम।

बगलका आकार १६, २९, ३१, ३२ के ऐसा बनाओ। ३२ का बगल सीनेका आकार १६-२९-३१ जैसा बना हुआ है वैसा बनाओ।

३३ से ३५ छातीका बारहवाँ भाग और आधा इञ्च अधिक कुल ३½ इञ्च। चित्रके दिखाए अनुसार ३३ से २१ ऐसा रेखा बनाओ।

३४ से ३३ छातीका बारहवां भाग कुल ३ इञ्च गलेका आकार २५ से ३४ ऐसा बनाओ। ३५ से ३४ बराबर १ इं० ३६ से २८ बराबर १ इञ्च। ३७ से क बराबर पौन इं०, ३८ से ३७ बराबर १ इं०। सामने और नीचेका आकार चित्रमें देखाए अनुसार बनाओ आधा इञ्च दबावके लिये लेना होगा। विशेष जाननेके लिये चित्रको गौर से देखो। सब समझमें आ जायगा।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

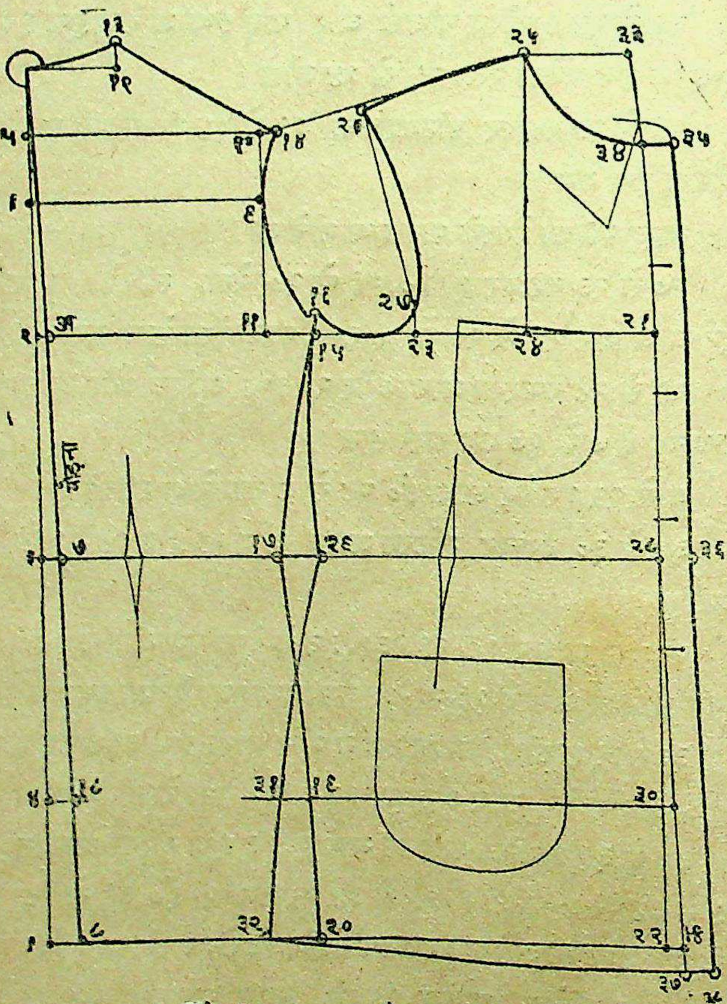

फैशनेबुल बुश शर्ट चित्र नं० ५७

हमारी नवीन प्रकाशित पुस्तकें।

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

(१) घर और बाहर—रबि बाबूके 'घरे बाहिरे' का हिन्दी अनुवाद। बहुत ही ऊँचे दर्जेका उपन्यास, पढ़कर प्रसन्न हो जायँगे। बढ़िया कागज पर छपी हुई सुन्दर सजिल्द पुस्तकका मूल्य ३) ।

(२) पैसा—श्री रमणलाल बसन्तलाल देसाईकी श्रेष्ठ रचना है, आप इसे पढ़ने पर ही देख सकेंगे। यह हिन्दीमें नवीन पुस्तक है। पुस्तक प्रत्येक पुस्तकालय और घरोंमें रखने योग्य है, सजिल्द पुस्तकका मूल्य ४॥) ।

(३) श्रीकान्त—स्वर्गीय श्री शरत्‌चन्द्र चटर्जी लिखित यह उपन्यास चार भागोंमें समाप्त हुआ है। शरत् बाबू भारतके ही नहीं अपितु एशियाके सर्वश्रेष्ठ उपन्यासकार माने गये हैं, यह उपन्यास उन्हींकी महान कृति है। यदि आप ऊँचे दर्जेका साहित्य पढ़ना चाहते हों तो इस उपन्यासको पढ़ना कदापि न भूलें। चारों भागकी सजिल्द मोटी पुस्तकका मूल्य केवल ६) ।

(४) तड़प—रोचक सामाजिक उपन्यास। पढ़कर आप मुग्ध हो जायेंगे और बिना समाप्त किये हाथसे रखनेका जी न चाहेगा। सुन्दर सजिल्द पुस्तक का मूल्य १॥) ।

(५) दाँवपेंच—श्री ललितकुमार सिंह "नटवर" लिखित हास्यरसकी बेजोड़ पुस्तक है। जो लोग मनोरञ्जनकी दृष्टिसे पुस्तकें पढ़ना चाहते हों, उन्हें तो अवश्य ही पढ़ना चाहिये। मूल्य

(६) देवता—श्री विश्वनाथ सिंह शर्मा रचित यह बिल्कुल नवीन उपन्यास है। जिन लोगोंने शर्माजीकी कृत्तियोंका रसास्वादन किया है, वे अच्छी तरह परिचित हैं ही। बहुत मुहावरेदार भाषामें लिखा हुआ मनमोहक उपन्यासकी एक प्रति अवश्य मंगाकर पढ़िये। मूल्य सजिल्द पुस्तकका ३॥) ।

(७) प्रीतिधारा—शिवदत्त मिश्र लिखित यह नवीन उपन्यास अत्यन्त ही रोचक है। यदि आप अच्छे उपन्यासोंके शौकीन हों तो इसे अवश्य पढ़ें। मूल्य ३) ।

(८) प्रेसिडेन्ट पियरसन—यह अमेलिया सिरीजकी पहली पुस्तक है, इसमें रावर्ट ब्लेक और अमेलियाके रोमांचक कारनामे पढ़ कर आप अचम्भा करेंगे। मूल्य १।) ।

. CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

(९) फरारोंका देश—इसमें अमेलियाने फरारोंके लिये एक देश बसाया है, उसका सिद्धान्त है कि सजा देनेसे आदमीका सुधार नहीं होता। पढ़ना शुरू करके आप अधूरी हर्गिज नहीं छोड़ सकते। मूल्य १।।) ।

(१०) साहसी युवती—इसमें अमेलियाके साहसिक कारनामोंको पढ़कर आप चकित हो जायँगे, यदि आप जासूसी पुस्तकोंके शौकीन हैं तो ऐसी पुस्तक अवश्य पढ़ें। मूल्य १।।) ।

(११) भीषण प्रतिशोध—यह नवीन पुस्तक अमेलिया सिरीज की चौथी पुस्तक है, इसमें आप देखेंगे कि अमेलिया अपने बैरियोंसे किस प्रकार बदला लेती है। मूल्य १।।) ।

(१२) समुद्री शैतान—राबर्ट ब्लेकका यह नवीन जासूसी उपन्यास अभी अभी छप कर प्रकाशित हुआ है। यदि आप जासूसी उपन्यासोंके शौकीन हैं तो इस रोचक उपन्यासको अवश्य मंगा कर पढ़ें। बहुत ही सुन्दर अनुवाद हुआ है, पढ़ कर प्रसन्न हो जायँगे। २३५ पेजकी मोटी पुस्तकका मूल्य केवल २) ।

(१३) रिमझिम—हास्यरसकी अनुपम पुस्तक, जिसमें उर्दूके श्रेष्ठ लेखकोंकी चुनी हुई कहानियोंका सुन्दर संग्रह है, आप पढ़ कर हँस पड़ेंगे। मूल्य १।) तृतीय संस्करण अभी छपा है।

(१४) अशान्त—प्रसिद्ध कलाकार पं० विनोदशंकर व्यास लिखित यह उपन्यास छोटासा होने पर भी बहुत ही रोचक और शिक्षाप्रद है। पुस्तकालयमें रखने योग्य पुस्तक है। मूल्य १) ।

प्राप्तिस्थान—

बम्बई बुक डिपो

१६५।१, हरिसन रोड

कलकत्ता ७

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

हिन्दी में इञ्जीनियरिंग की

अपूर्व पुस्तक

वर्क शाप-गाइड

कल कारखानों में काम सीखनेवालों के लिये यह बड़े ही काम की पुस्तक है, इस पुस्तक में हर तरह के कल पुर्जे बनाने की विधि चित्रों द्वारा बड़ी सुगमता से समझाई गई है। आज ही एक प्रति खरीद लें वर्ना बाद में पुस्तक समाप्त हो जाने पर पछताना होगा। सचित्र व सजिल्द पुस्तक का मूल्य अढ़ाई रुपया।

मिलने का पता—

बम्बई बुक डिपो

[illegible] हरीसन रोड, कलकत्ता—७